सुविचार
प्रशंसा कीजिए जब हम दौड़ें, सांत्वना दीजिए जब हम गिरें, प्रोत्साहित कीजिए जब हमारा पुनरुत्थान हो, किंतु भगवान के लिए हमें बढ़ने दीजिए।
एडमंड बर्क

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

12
यामी गौतम ने फिल्मी अवाईस को फेक....

Ranchi ● Thursday, 14 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 57 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

द फोटोन न्यूज फोटो : सुहैब अंसारी

हम ऐसे कर रहे अपने महापुरुषों का सम्मान?

ये प्रतिमा है देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की। रांची के डोरंडा में स्थापित इस प्रतिमा से शहर की पहचान जुड़ी है। राजेंद्र चौक का नाम सुनते ही झारखंड-बिहार की बड़ी आबादी के मन मस्तिष्क में इस प्रतिमा की आकृति आकर ले लेती है लेकिन दुर्भाग्य से वर्तमान में इस प्रतिमा का जितना अपमान किया जा रहा है वह किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता। डोरंडा में ओवर ब्रिज निर्माण के दौरान शायद इस प्रतिमा के संरक्षण पर विचार करने की जरूरत नहीं समझी गई। आलम यह है कि ओवर ब्रिज निर्माण के दौरान देश के प्रथम राष्ट्रपति की प्रतिमा पर धूल की मोटी परत जम गई है। निर्माण के समय इस प्रतिमा को ढकने की जरूरत भी महसूस नहीं की गई। यह स्थिति तब है जब इस रास्ते से होकर शहर और राज्य के तमाम वीआईपी और वीवीआईपी हर दिन गुजरते हैं। राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर माल्यार्पण करने भी आते हैं लेकिन जब प्रतिमा की घोर उपेक्षा हो रही है तो कोई बोलने और रोकने वाला भी नहीं है।

विधि-व्यवस्था, बालू की किल्लत, अवैध माइनिंग और रांची में जाम की समस्या को लेकर पूरे एक्शन में दिखे चम्पाई सोरेन

अपराध की घटनाओं पर हर हाल में लगाएं लगाम : CM

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने विधि-व्यवस्था, बालू की किल्लत, अवैध माइनिंग और रांची में जाम की समस्या को लेकर पूरे एक्शन में दिखे। चम्पाई सोरेन ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में राज्य में विधि-व्यवस्था, रांची में यातायात व्यवस्था, सड़क सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में अपराध की घटनाओं पर हर हाल में लगाम लगाएं। राज्य में घटित आपराधिक घटनाओं की प्रवृत्ति को सूचीबद्ध करें। मुख्यमंत्री राज्य में जारी बालू की किल्लत को लेकर पूरे एक्शन में नजर आये। उन्होंने अफसरों को तुरंत राज्य के चिन्हित 369 बालू घाटों के संचालन का जिम्मा ग्राम पंचायत को देने का निर्देश दिया। सोरेन ने राज्य में बालू घाटों के टेंडर प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि राज्य की जनता को सुगमता पूर्वक बालू उपलब्ध कराया जा सके, यह सुनिश्चित करें। राज्य में 369 बालू घाटों का संचालन ग्राम पंचायत करेगी, तभी ग्रामीण क्षेत्र के अलावा शहरी क्षेत्र में भी बालू की मांग को पूरा किया जा सकेगा।

बालू घाटों का जिम्मा ग्राम पंचायत को दें : चम्पाई सोरेन

धनबाद जिला में विधि व्यवस्था का संधारण दुरुस्त करें

- फ्लाईओवर, पाइप लाइन, नाला निर्माण से यातायात बाधित न हो, वैकल्पिक उपाए निकालें
- रांची में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के परमिट और रूट पर कार्रवाई करें
- बिना चालान कोयला लोडिंग करने वाले वाहनों पर कोयला कंपनियों की जिम्मेवारी तय

अवैध माइनिंग रोकें, अवैध खनन पर करें कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन खरीद-बिक्री से जुड़े आपराधिक घटनाओं की जांच कर, संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। वैसे अपराधी जिन्होंने जमीन खरीद-बिक्री को लेकर हत्या तथा फ्रॉड की घटनाओं को अंजाम दिया है, उन्हें चिन्हित कर प्राथमिकता के तौर पर सजा दिलाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अफीम की खेती रोकने के लिए लोगों को जागरूक करें। अफीम की खेती रोकने के लिए जंगल बचाओ ग्राम समितियों को साथ लेकर जागरुकता अभियान चलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में साइबर क्राइम से जुड़ी घटनाओं की खबरें सुनने को मिली है। साइबर क्राइम पर भी प्राथमिकता के तौर पर कार्रवाई की जाए। साइबर क्राइम से सतर्क रहना जरूरी है, इसके लिए लोगों को जागरूक भी करें। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राज्य में अवैध खनन एक बड़ा मुद्दा है। अवैध खनन को लेकर राज्य की छवि धूमिल हो रही है। अवैध माइनिंग की रोकथाम के लिए विशेष नजर रखने की जरूरत है। अवैध खनन से जुड़े लोगों पर पुलिस कानूनी-कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य और जिला स्तर पर अवैध खनन की रोकथाम के लिए गठित टास्क फोर्स को सक्रिय करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कोयला, बालू, लौह अयस्क, पत्थर सहित अन्य खनिज संपदाओं के अवैध खनन और उसके ट्रांसपोर्टिंग को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अवैध खनन रोकने के नाम पर सिर्फ वाहनों को पकड़ कर एफआई दर्ज करने की खानापूर्ति न करें, बल्कि बिना चालान के वाहनों में कैसे कोयला लोडिंग की जाती है इसकी भी जांच सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना चालान वाहनों में कोयला लोडिंग नहीं की जा सके, इसके लिए खनन कार्य करने वाली कोयला कंपनियों की जिम्मेदारी तय करें।

धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ के अपराधियों की गिरफ्तारी में लापरवाही नहीं हो

मुख्यमंत्री सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि पिछले कुछ दिनों पहले राज्य के भीतर कई धार्मिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ एवं अन्य घटनाओं को अंजाम दिया गया है। इस प्रकार की घटनाओं में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपराधिक घटनाएं कहीं-कहीं घटती है। परंतु इन घटनाओं का असर पूरे राज्य में होता है। यह जरूरी है कि ऐसी घटनाओं से जुड़े अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना किसी एक जगह पर होती है लेकिन उस घटना की वजह से पूरे राज्य की छवि खराब होती है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि धार्मिक स्थलों पर किस उद्देश्य से असामाजिक तत्वों द्वारा आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, इसकी पूरी जांच करें। राज्य के भीतर आपसी भाईचारा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनी रहे यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विधि-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए राज्य में अपराध की घटनाओं पर हर हाल में लगाम लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने राज्य में घटित आपराधिक घटनाओं की प्रवृत्ति को सूचीबद्ध करने को कहा।

SHARE

सेंसेक्स	:	72,761.89
निफ्टी	:	21,997.70

SARAFA

सोना	:	6,195
चांदी	:	78.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

माह-ए-रमजान

इफ्तार (गुरुवार) : 06.02
सेहरी (शुक्रवार) : 04.45

BRIEF NEWS

हेमंत को दुमका से लड़ा सकती है पार्टी

RANCHI : झामुमो जमीन घोटाले में जेल में बंद पूर्व सीएम एवं पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को दुमका से चुनाव मैदान में उतार सकती है। इसको लेकर झामुमो रणनीति बनाने में जुटा है। झामुमो खेमे और सत्ता की गलियारे से आ रही जानकारी के अनुसार हेमंत को दुमका लोकसभा सीट से पार्टी चुनावी समर में उतारने की तैयारी कर रही है। वे जेल में रहकर ही चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि अभी तक सोरेन परिवार या खुद हेमंत का अप्रुवल इसको लेकर नहीं मिला है।

हरियाणा की नायब सैनी सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

CHANDIGARH : हरियाणा में नए सीएम नायब सैनी की सरकार फ्लोर टेस्ट में पास हो गई है। मंगलवार को विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पास किया गया। इस पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सीक्रेट वोटिंग कराओ, लेकिन स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने एमएलए पद से इस्तीफा दे दिया। अब खाली हुई करनाल सीट से सीएम नायब सैनी उपचुनाव लड़ेंगे।

एसबीआई का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

2019 से 2024 तक 22217 खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड

AGENCY NEW DELHI : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट फाइल की। इसमें बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के 11 मार्च के निर्देश के मुताबिक इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी उपलब्ध जानकारी चुनाव आयोग को दे दी गई है। एसबीआई चेयरमैन ने कहा- हमने ईसीआई को पेन ड्राइव में दो फाइलें दी हैं। एक फाइल में बॉन्ड खरीदने वालों की डिटेल्स हैं। इसमें बॉन्ड खरीदने की तारीख और रकम का जिक्र है। दूसरी फाइल में बॉन्ड इनकैश करने वाले राजनीतिक दलों की जानकारी है। लिफाफे में 2 पीडीएफ फाइल भी हैं। ये पीडीएफ फाइल पेन ड्राइव में भी रखी गई हैं, इन्हें खोलने के लिए जो पासवर्ड है, वो भी लिफाफे में दिया गया है। एसबीआई के हलफनामे के अनुसार, एक अप्रैल 2019 से 15 फरवरी 2024 तक 22 हजार 217 इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए। इनमें से 22,030 बॉन्ड का पैसा राजनीतिक पार्टियों ने कैश करा लिया है। पार्टियों ने 15 दिन की वैलिडिटी के भीतर 187 बॉन्ड को कैश नहीं किया, उसकी रकम प्रधानमंत्री राहत कोष में ट्रांसफर कर दी गई।

- एसबीआई ने बताया- राजनीतिक पार्टियों ने 22,030 बॉन्ड का पैसा कैश कराया

सरकार का दिल्ली को तोहफा, मेट्रो के दो नए कॉरिडोर को मंजूरी

NEW DELHI : केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 8,399 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत पर दिल्ली मेट्रो चरण-4 परियोजनाओं के दो कॉरीडोर अर्थात लाजपत नगर से साकेत जी-ब्लॉक और इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गए फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि लाजपत नगर से साकेत जी-ब्लॉक वाली मेट्रो पूरी तरह से जमीन के ऊपर पुल पर होगी और इसमें 8.3 किमी की लाइन में 8 स्टेशन होंगे। इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ 12.37 किमी की लाइन में 10 स्टेशन होंगे। इसमें लगभग 11 किमी जमीन के नीचे और 1 किमी जमीन के ऊपर चलेगी। लाजपत नगर से साकेत जी-ब्लॉक मेट्रो लाइन सिलवर, मेजेंटा और वायलट लाइनों को जोड़ेगी। इसमें लाजपत नगर, एंड्रयूज गंज, ग्रेटर कैलाश - 1, चिराग दिल्ली, पुष्प भवन, साकेत जिला केंद्र, पुष्प विहार, साकेत जी - ब्लॉक स्टेशन होंगे।

विधायक अंबा प्रसाद के घर दूसरे दिन भी रेड, कई दस्तावेज जब्त

भाजपा ने चतरा या हजारीबाग से लड़ने को कहा, मना किया तो ईडी भेज दी : एमएलए

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड की बड़कागांव विधानसभा से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के घर देर रात ईडी की रेड खत्म हुई। छापेमारी के बाद ईडी कई अहम दस्तावेज, विधायक के फोन, कई इलेक्ट्रोनिक डिवाइस सहित अन्य सामान अपने साथ ले गई है। बुधवार को हजारीबाग में उनके पुराने आवास पर फिर ईडी के अफसर पहुंचे। छापेमारी में ईडी को कई दस्तावेज मिले हैं। छापेमारी के बाद विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि उन पर प्रेशर पॉलिटिक्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह चाहते थे कि मैं चतरा या हजारीबाग से चुनाव लड़ूं, लेकिन मेरे मना करने के बाद उन्होंने ईडी को भेजकर दबाव बनाने की कोशिश की है। मैं घर में सो रही थी ईडी की टीम सीधे मेरे बेडरूम में घुस आई। बता दें कि मंगलवार ईडी ने उनके पिता योगेंद्र साव तथा उनके सगे संबंधियों के कुल 17 ठिकानों पर छापा मारा था।

बीजेपी प्रेशर पॉलिटिक्स कर रही : अंबा

छापेमारी के बाद अंबा प्रसाद ने कहा कि भाजपा ने हजारीबाग से चुनाव लड़ने के लिए कहा था। चतरा की सीट के लिए चुनाव लड़ने का दबाव था। सुबह से आरएसएस के लोग बैठे रहते थे। मेरे घर में ऐसे समय में पूरे परिवार को परेशान किया जा रहा है। मुझे छापेमारी में घंटों खड़ा रखा गया। मैं सो रही थी और ईडी सीधे बेडरूम तक पहुंच गई। हर चीज में राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। अंबा प्रसाद ने कहा मैं अडाणी या एनटीपीसी के खिलाफ आवाज उठाती थी। लोग मुझे मना करते थे, लेकिन मैं राजनीति में जनता के लिए आई हूं। मैं उनके मुद्दे उठाऊंगी। मेरी मां परेशान थी वह कह रहीं थी चुनाव मत लड़ो, लेकिन हम डरने वाले नहीं है।

सीओ शशि भूषण सिंह का अपराधी प्रिंस खान से कनेक्शन : भाजपा

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को विधायक अंबा प्रसाद से जुड़े 17 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इनमें से एक ठिकाना गोविंदपुर सीओ शशिभूषण सिंह का भी था। ईडी ने गोविंदपुर सीओ शशि भूषण सिंह के घर पर छापेमारी कर 15 लाख कैश बरामद किये। इसको लेकर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कई आरोप लगाये हैं। विनय कुमार सिंह ने कहा कि शशिभूषण सिंह की अमीरी अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके आवास से बरामद पांच लाख सिर्फ 2000 के नोट हैं। अमीरी इतनी है कि इन्होंने इन नोटों को बदलवाने की जरुरत नहीं समझी। विनय कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि गोविंदपुर अंचल कार्यालय में काम करने वाले गुलरेज, सोनू ,अदनान सुमित और मेहदी जैसे कुछ कर्मचारी, सीओ का अंडरवर्ल्ड के साथ संबंध है। ये उनके लिए दलाली का काम भी करते हैं। प्रिंस खान नेटवर्क के नाम पर लोगों को धमकाना और पैसे वसूलकर प्रिंस खान को पहुंचना इनका प्रमुख काम है। यह धंधा गोविंदपुर के ऑफिस में पिछले कई वर्षों से निर्बाध रूप से चल रहा है।

भाजपा के 72 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी, पीयूष गोयल मुंबई नॉर्थ से करेंगे दावेदारी

करनाल से खट्टर, नागपुर से गडकरी लड़ेंगे चुनाव

AGENCY NEW DELHI : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 72 उम्मीदवारों के नामों वाली दूसरी सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में हरियाणा के करनाल से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, नागपुर से नितिन गडकरी समेत कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं। इसके अलावा, मुंबई नॉर्थ सीट से पीयूष गोयल, हमीरपुर से अनुराग ठाकुर और उत्तराखंड की गढ़वाल सीट से अनिल बलूनी को टिकट दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पहली लिस्ट में बीजेपी ने 195 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी।

नितिन गडकरी

अनुराग ठाकुर

पीयूष गोयल

मनोहर लाल खट्टर

अनिल बलूनी

सिरसा से अशोक व अम्बाला से बंतो कटारिया

बीजेपी ने अपनी दूसरी लिस्ट में हरियाणा की सिरसा सीट से अशोक तंवर को मैदान में उतारा है, जबकि गुरुग्राम से राव इंद्रजीत सिंह यादव मैदान में होंगे। इसके अलावा, अम्बाला से बंतो कटारिया, भिवानी-महेंद्रगढ़ से चौधरी धरमबीर सिंह को टिकट दिया है। वहीं, फरीदाबाद से कृष्ण पाल गुर्जर को टिकट मिला है। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को मैदान में उतारा गया है, जबकि शिमला से सुरेश कुमार कश्यप मैदान में होंगे। उधर, कर्नाटक की चिक्कोडी सीट से अन्नासाहेब शंकर जोल्ले, बागलकोट से पीसी गद्दीगौडर, बीजापुर से रमेश जिगजिणगी, गुलबर्गा से उमेश जी जाधव को टिकट दिया गया है।

गढ़वाल सीट से अनिल बलूनी को मिला टिकट

जालना से रावसाहेब दादाराव दानवे को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तराखंड की गढ़वाल सीट से अनिल बलूनी, हरिद्वार से त्रिवेंद्र सिंह रावत को टिकट मिला है। इधर, बेल्लारी से बी श्रीरामुलु, हावेरी से बसवाराज बोम्मई को मैदान में उतारा गया है। धारवाड़ से प्रल्हाद जोशी को टिकट दिया गया है। तुमकुर वी सोमण्णा को टिकट मिला है। बेंगलुरु साउथ से तेजस्वी सूर्या मैदान में होंगे। मध्य प्रदेश की बात करें तो बालाघाट से भारती पारधी, छिंदवाड़ा से विवेक साहू, उज्जैन से अनिल फिरोजिया को टिकट दिया गया है। इंदौर से शंकर लालवानी को उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने अप्रैल-मई में संभावित आम चुनावों के मद्देनजर हाल ही में कई दलों के साथ हाथ मिलाया है।

मोदी ने 3 सेमीकंडक्टर फैसिलिटी की नींव रखी

भारत को सेमीकंडक्टर का ग्लोबल हब बनाएंगे : पीएम

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए की तीन सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज की नींव रखी। इन मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज में से एक असम के मोरिगांव और दो गुजरात के धोलेरा और सानंद में स्थापित होंगी। इससे भारत को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए ग्लोबल हब बनने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने 'इंडियाज टेकेडः चिप्स फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में इन सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज की नींव रखी है। इस के कार्यक्रम में ताइवान के लीडर्स भी वर्चुअली जुड़े थे। पीएम मोदी ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है। आज, हम इतिहास भी लिख रहे हैं और उज्ज्वल भविष्य की ओर मजबूत कदम उठा रहे हैं। 21वीं सदी तकनीक आधारित सदी है, जिसकी कल्पना चिप्स के बिना नहीं की जा सकती। पिछले महीने केंद्रीय कैबिनेट ने तीन सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना की मंजूरी दी थी।

BRIEF NEWS

जमीन विवाद में एक की हत्या, आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

LOHARDAGA : सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत झलजमीरा पंचायत के पतलो ग्राम में जमीन विवाद में पिता-पुत्र ने टांगी से मारकर एक युवक की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पतलो गांव निवासी दिगम्बर चिक बड़ाइक ने पुत्र प्रदीप चिक बड़ाइक के साथ मिलकर पुराने जमीन विवाद में गांव के ही हौड़ा चिक बड़ाइक के 30 वर्षीय पुत्र ईश्वर चिक बड़ाइक को टांगी से मारकर हत्या कर दी। मृतक के सिर एवं गर्दन पर टांगी के वार के निशान मौजूद हैं। ग्रामीणों की सूचना पर प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

कार व बाइक की टक्कर में युवक की मौत गिरिडीह-जामताडा मार्ग जाम

GIRIDIH : गिरिडीह जामताड़ा गांडेय रोड में डिजायर कार और बाइक के बीच हुई टक्कर के बाद युवक की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बघरा बेरगी के समीप बुधवार की सुबह सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना पर मुफ्फसिल और बेंगाबाद थाना पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और ग्रामीणों से वार्ता की। लेकिन ग्रामीण बगैर मुआवजा दिए सड़क जाम हटाने को तैयार नहीं थे। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार भी लग गई। कई घंटों के जाम के बाद आश्वासन के बाद जाम हटाया गया।

धनबाद नगर निगम ने निकाली मतदाता जागरुकता रैली

DHANBAD : स्वीप कार्यक्रम के तहत बुधवार को जिले के झरिया अंचल क्षेत्र में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए धनबाद नगर निगम ने मतदाता जागरुकता रैली निकाली, जिसमें सभी ने पहले मतदान फिर जलपान के नारे लगाए। साथ ही सभी मतदाताओं से चुनाव के दिन अपने मत के अधिकार का उपयोग करने की अपील की गई। इस दौरान नारे लगाकर लोगों को लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान करने के लिये जागरूक किया तथा एक एक वोट के महत्व के बारे में लोगों को जानकारी दी। साथ ही सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरा उठाओ वाहनों के माध्यम से गली मोहल्ले में जिंगल की सहायता से मतदाता जागरुकता संदेश लोगों तक पहुंचाया गया।

नशे में धुत दो बाइक सवारों की सड़क हादसे में मौत

GIRIDIH : जिले के बेंगाबाद के नवडीह ओपी के विजयागांव मोड़ में दो बाइक सवार नशे की हालत में घर जा रहे थे। इसी दौरान विजया गांव के मोड़ में एक खड़े दीवार में बाइक की टक्कर हुई, जिसमें दोनों की मौत हो गई। मृतकों का पहचान इसी गांव के प्रमोद कुमार और देवनंदन कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही नवडीह ओपी की पुलिस भी घटनास्थल पहुंची। पुलिस के मुताबिक दोनों शराब के नशे में थे और एक दीवार में जा भिड़े, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

डॉक्टर रहमान अपहरण कांड का मास्टरमाइंड तरहसी से धराया

अब तक चार धराए, दो करोड़ फिरौती के लिए उठा ले गए थे अपराधी

PHOTON NEWS PALAMU : डॉक्टर मो. फिरोज खान उर्फ रहमान अपहरणकांड के मास्टरमाइंड दिग्विजय सिंह उर्फ डिक्कू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे जिले के तरहसी थाना क्षेत्र स्थित ससुराल से पकड़ा गया। घटना के बाद से आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए भागा फिर रहा था। उसने अपने ससुराल में शरण ले रखी थी। गुप्त सूचना पर हुसैनाबाद पुलिस ने छापामारी कर दिग्विजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहरणकांड में इस्तेमाल स्वीफ्ट कार (जेएच 01 एम 1212) को भी बरामद किया है। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है।

26 फरवरी की शाम पेट दर्द से पीड़ित मरीज का इलाज कराने के बहाने डा. रहमान को क्लीनिक से बाहर बुलाकर अपहरण कर लिया गया था। इस घटना में शामिल तीन आरोपियों प्रिंस कुमार सिंह उर्फ चिकू सिंह, चंदन कुमार सिंह एवं अभय कुमार सिंह उर्फ मिकू को गिरफ्तार कर एक मार्च को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इस घटना को आधा दर्जन से अधिक अपराधियों ने अंजाम दिया था।

एसपी ने जानकारी दी कि हुसैनाबाद के वार्ड नंबर 9 राजटोली के मो. फिरोज खान उर्फ डा. रहमान खान अपहरणकांड के तीन दिन बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। वहीं इस कांड का उदभेदन भी किया था। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस टीम जुटी हुई थी। इसी बीच गुप्त सूचना मिली कि कांड का चौथा और मुख्य आरोपी दिग्विजय सिंह उर्फ डिक्कू अपने ससुराल तरहसी में शरण ले रखा है। डाक्टर का अपहरण करने के बाद उसे दिग्विजय सिंह के मेदिनीनगर के हाउसिंग कॉलोनी स्थित किराये के मकान पर रखा गया था।

गिरफ्तारी के बाद आरोपित ने अपहरणकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। साथ ही उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल स्वीफ्ट कार बरामद की गयी। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। दिग्विजय के खिलाफ रांची के अरगोड़ा थाना में एक मामला दर्ज है। डाक्टर अपहरणकांड में नाज परवीण ने मामला दर्ज कराया था।

बेटे ने गला रेतकर की पिता की हत्या, गिरफ्तार

GIRIDIH : गांवा थाना इलाके के माल्डा में बुधवार की सुबह एक बेटे आलमगीर ने पहले अपने पिता मोहम्मद हासिम उर्फ बीरबल की हत्या धारदार हथियार से कर दी। इसके बाद जब स्थानीय पुलिस ने उसे हथियार के साथ दबोचने गई, तो बेटा आलमगीर उसी हथियार से पुलिस के पीछे दौड़ना शुरू कर दिया। इस दौरान काफी प्रयास के बाद पुलिस ने आरोपित बेटे आलमगीर को हथियार के साथ दबोच लिया। वैसे घटना के दौरान जब आरोपित ने पिता की हत्या की, तो हासिम को बचाने उसकी बहू और आरोपित की पत्नी सेरुन खातून और बहन हिना भी आई और उसे रोकने का प्रयास की, तो दोनों को मारने के लिए दौड़ा, लिहाजा, दोनों ने खुद को कमरे में बंद कर अपनी जान बचाई लेकिन जान बचाने के क्रम में दोनों घायल हो गई। इधर ये स्पष्ट नहीं हो पाया की आरोपित बेटा आलमगीर ने पिता हासिम उर्फ बीरबल की हत्या किया क्यों, लेकिन स्थानीय लोगों की माने तो बेटा दिमागी रूप से बीमार बताया जा रहा है। इधर मृतक की बहू और आरोपित की पत्नी सेरून खातून बुधवार की सुबह परिवार के सभी सदस्य सेहरी करने के लिए उठे थे। जबकि मृतक हासिम लाघुशंका करने के लिए उठे। इसी दौरान आलमगीर ने पिता हासिम को जमीन पर पटकते हुए उस पर धारदार हथियार से वार करने लगा और मृतक के पेट में एक के बाद एक कई वार किया। इसी क्रम में आलमगीर ने उसी हथियार से पिता का गला रेतकर हत्या कर दिया। इसके बाद लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हुई।

बिहार ले जाने से पहले धराई 1344 बोतल शराब

PHOTON NEWS PALAMU : बिहार ले जाने से पहले 1344 बोतल देशी शराब पकड़ ली गयी है। जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दंगवार ओपी अंतर्गत कजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन के बगल से गुजरने वाली सड़क पर मंगलवार की रात यह कार्रवाई की गयी। बोलेरो गाड़ी से देसी शराब की 1344 बोतल शराब पेटियों में भरी पड़ी थी। पुलिस की कार्रवाई देखकर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

प्रतिबंधित इलाके बिहार में हुसैनाबाद के दंगवार इलाके से शराब की बड़ी खेप ले जायी जा रही थी। इसकी सूचना मिलते ही हुसैनाबाद पुलिस अलर्ट हुई और सर्च अभियान तेज किया। इसी क्रम में बोलेरो वाहन से शराब बरामद की गयी। दंगवार ओपी प्रभारी संजय कुमार यादव ने बुधवार को बताया कि तस्कर मुख्य सड़क को छोड़कर गांव के रास्ते का इस्तेमाल शराब तस्करी के लिए कर रहे हैं। ऐसे में बिहार की ओर जाने वाले मुख्य पथ के साथ साथ ग्रामीण पथों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, जिस जगह से शराब पकड़ी गयी। वहां से बिहार की सीमा महज एक किलोमीटर की दूरी पर है।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस की ओर से बिहार, उतर प्रदेश, छतीसगढ़ की सीमा पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। शराब तस्करी के साथ साथ बनाने के कार्य पर भी कार्रवाई की जा रही है। यहां यह भी बता दें कि बिहार में शराब पर प्रतिबंध लगाया गया है। अक्सर झारखंड इलाके से बिहार में शराब पहुंचायी जाती है।

विधायक ने एक साथ किया छह सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास

अपना प्रतिनिधि उसे चुनें, जो सुख-दुख में हमेशा आपके साथ हो : नीलकंठ सिंह मुंडा

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि चुनाव आनेवाला है और आंधी-तूफान की तरह लोग आपके पास आयेंगे और बरगलाने का प्रयास करेंगे, पर आप उसे ही अपना प्रतिनिधि चुनें, जो हमेशा आपके सुख-दुःख में आपके साथ हो। विभिन्न राजनीतिक दल के नेता चुनाव के समय आयेंगे और उसके बाद पांच वर्षों तक दर्शन नहीं देंगे। विधायक बुधवार को मुरहू प्रखंड के गनालोया गांव में एक साथ छह सड़कों के निर्माण कार्य की अधारशिला रखने और महिला भवन का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि आप स्वयं तुलना करें कि आज से 25 साल पहले आपके क्षेत्र की स्थिति क्या थी और वर्तमान में क्या है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से वे 25 वर्षों से खूंटी का प्रतिनिधित्व विधानसभा में करते आ रहे हैं। विधायक ने कहा कि जब वे विधायक नहीं थे, इसी गनालोया गांव बररसात के दिनों में टापू बन जाता था। बरसात के दिनों में दोपहिया या चार पहिया वाहन लेकर इस गांव में आना असंभव था, लेकिन जब से जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना, पूरे क्षेत्र में सड़क और पुल-पुलियों का जाल बिछ गया है। विधायक ने कहा कि अपको स्वयं निर्णय लेना है कि कौन आपके क्षेत्र का विकास कर सकता है और कौन नहीं। इसलिए आनेवाले चुनाव में उसी दल और उसी प्रत्याशी को विजयी बनायें, जो आपके गांव-घर विकास कर सकता है। उन्होंने कहा कि वे हर दिन कोई न कोई गांव जाते रहते हैं, ताकि लोगों की समस्याओं की जानकारी मिल सके और समय पर उसका निराकरण किया जा सके।

नीलकंठ ने विकास का कीर्तिमान स्थापित किया: काशीनाथ

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो ने कहा कि अपने 25 वर्षों के कार्यकाल में विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने क्षेत्र के विकास का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

लोडिंग प्वाइंट पर गुंडागर्दी के खिलाफ पुलिस व सीआइएसएफ ने बनाई रणनीति

PHOTON NEWS DHANBAD : जिले की विभिन्न आउटसोर्सिंग कंपनियों के साथ लोडिंग पॉइंट पर वर्चस्व को लेकर आए दिन होने वाली गोलीबारी एवं बमबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए धनबाद पुलिस ने अब कमर कस ली है। उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर बुधवार को धनबाद एसएसपी कार्यालय में एसएसपी एचपी जनार्दन की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें सीआइएसएफ के डीआईजी विनय काजला, बीसीसीएल के तमाम एरिया के महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से कोयले की हो रही लूट एवं चोरी पर पूरी तरह से अंकुश लगाने को लेकर इसपर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही एक-दूसरे के सहयोग से लोडिंग पॉइंट और आउटसोर्सिंग कंपनियों की कार्यस्थल पर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर रणनीति तैयार की गई।

बैठक के बाद एसएसपी हरदीप पी जनार्दन ने बताया कि प्रभावी रूप से जिले में अवैध कोयला खनन, ट्रांसपोर्टिंग एवं तस्करी के साथ-साथ लोडिंग पॉइंट पर आए दिन होने वाले मारपीट, बमबाजी, गोलीबारी और फायरिंग आदि की समस्याओं पर रोक लगाने को लेकर आज एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इसमें लोडिंग पॉइंट पर बीसीसीएल आउटसोर्सिंग कंपनियों एवं सीआईएसएफ को विधि व्यवस्था संधारण में होने वाली परेशानियों पर विस्तृत चर्चा हुई और भविष्य में सभी के सहयोग से वहां की विधि व्यवस्था ठीक रखने के साथ अवैध कोयला चोरी एवं उसके ट्रांसपोर्टिंग पर लगाम लगाने के लिए रणनीति के साथ काम करने पर सहमति बनी है।

पुलिस ने एक क्विंटल महुवा जावा व अन्य सामग्री को किया नष्ट

PHOTON NEWS RANCHI : नशा कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पिठौरिया थाना प्रभारी गौतम कुमार राय ने लगभग एक किविंटल महुवा जावा और शराब तैयार करने वाले सामग्री को नष्ट किया। वरीय पुलिस अधिक्षक राँची ने जिले के सभी थानों को साफ निर्देश दी है कि, नशा कारोबारियों और नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चला कर कार्रवाई की जाए। इसी कड़ी में बुधवार को पिठौरिया थाना क्षेत्र के मुंडा टोली में सूचना के आधार पर पिठौरिया पुलिस की टीम ने अभियान चला कर कार्रवाई की। मौके पर अलग अलग जगहों से देशी शराब तैय्यार करने वाले लगभग एक किविंटल महुवा जावा और भट्टी को नष्ट किया गया। थाना प्रभारी गौतम कुमार राय ने कहा कि थाना क्षेत्र में लगातार नशेड़ियों और नशा के कारोबारियों के

खिलाफ अभियान चला कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं थाना क्षेत्र के लोगो से अपील करते हुवे थाना प्रभारी ने कहा है कि थाना क्षेत्र में नशा के कारोबार करने वालो की सूचना थाना को दे, उनकी सूचना गुप्त रखी जाएगी। साथ ही नशा कारोबारियों को भी सख्त हिदायत देते हुवे कहा है कि अपना धंधा समेट ले वर्ना कानून का ठंडा पड़ने में देर नही लगेगी। मौके पर कार्रवाई टीम में एएसआइ कृष्णा ओझा, हवलदार राजेश सहित पुलिस के जवान मौजूद थे।

सात दिनों के अंदर सभी लंबित परीक्षाफल जारी करे महाविद्यालय प्रशासन : आजसू

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल झारखंड छात्र संघ आज चुका प्रतिनिधि मंडल मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार से मुलाकात कर उन्हें तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सकते हुए मारवाड़ी महाविद्यालय अध्यक्ष विशाल कुमार यादव ने कहा कि कल ही रांची विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मारवाड़ी महाविद्यालय का सारा डाटा मारवाड़ी महाविद्यालय को सौंप दिया गया अब जितने भी महाविद्यालय के लंबित परीक्षा फल है उन्हें सात दिनों के अंदर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी किया जाए एवं सेशन को सुचारू रूप से चलाया जाए ताकि तय समय सीमा के अंदर छात्र-छात्राओं के शिक्षा पूरी हो सके।

प्राचार्य को मांग-पत्र सौंपते छात्र संघ का प्रतिनिधि मंडल। ● फोटोन न्यूज

वही मौके के पर मौजूद छात्र आजसू मारवाड़ी महिला महाविद्यालय की पदाधिकारी गुंचा कमर ने कहा इस साल के 365 दिन में 158 से 200 दिन कक्षाएं संचालित की जाती है उसमें भी हर एक दो दिन पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा कक्षा स्थगित करने का नोटिस जारी कर दिया जाता है जिसके चलते मारवाड़ी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए मारवाड़ी कॉलेज को परीक्षा का केंद्र नहीं बनाया जाए। आगे छात्र आजसू के सदस्य ने मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार से कहा अगर 7 दिनों के अंदर इन सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो अखिल झारखंड छात्र संघ आजसू महाविद्यालय मे तालाबंदी करेगी।

मौके पर मौजूद मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिलाया 7 दिनों के अंदर सभी लंबित परीक्षा फल महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित कर दिया जाएगा एवं मा मारवाड़ी महाविद्यालय रांची विश्वविद्यालय से अनुरोध करेगा यहां परने वाले परिक्षा सेंटर को किसी और महाविद्यालय में शिफ्ट किया जाए।

रामगढ़ कैंटोनमेंट को मिली नगर निकाय में शामिल करने की मंजूरी

रंग लाई सांसद जयंत सिन्हा की पहल

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ कैंटोनमेंट बोर्ड को नगर निकाय में शामिल करने की मंजूरी मिल गई है। इतना बड़ा फैसला केंद्र सरकार ने लिया है। इस फैसले के पीछे सांसद जयंत सिन्हा का प्रयास भी शामिल हैं। संसद की पहल पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पूरे मामले को गंभीरता पूर्वक लिया था। आज उसी का प्रतिफल है कि कैंटोनमेंट बोर्ड का विलय हो रहा है। भाजपा नेताओं ने बताया कि सांसद सह अध्यक्ष वित्त सम्बन्धी संसदीय स्थायी समिति जयंत सिन्हा रामगढ़ छावनी क्षेत्र के नगर निकाय में विलय को लेकर काफी वर्षों से प्रयासरत थे। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को 2021 में पत्र लिखकर व मुलाकात कर भी इस सम्बन्ध में अधिसूचना जारी करवाने के लिए

आग्रह किया था।

केंटोनमेंट बोर्ड रामगढ़ का झारखण्ड सरकार के अधीन नगर निकाय में विलय करने की घोषणा को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गयी है। अब बहुत जल्द छावनी परिषद का नगर निकाय में विलय हो जायेगा। इस कार्य से रामगढ़ छावनी क्षेत्र का दुगनी रफ्तार से विकास हो पाएगा। सांसद जयंत सिन्हा को इस मुद्दे पर पहल करने के लिए पार्टी नेताओं ने उन्हें बधाई दी है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के पलामू में प्रधानमंत्री सुराज नेशनल पोर्टल का किया ऑनलाइन उद्घाटन

बैंकों की मनमानी पर लगेगी रोक : सांसद

PHOTON NEWS PALAMU : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अभिवंचित वर्गों के उत्थान के लिए पलामू जिले में प्रधानमंत्री सुराज नेशनल पोर्टल का ऑनलाइन उद्घाटन किया। इसे लेकर जिला मुख्यालय डालटनगंज के शिवाजी मैदान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम मौजूद थे।

मौके पर सांसद ने कहा कि इस पोर्टल के लांच होने से बैंकों की मनमानी पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि कम ब्याज दर पर लोन मुहैया कराया जाएगा। अभिवंचित वर्ग से आने वाले युवा इस पोर्टल के माध्यम से लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। स्वीकृति के बाद सीधे खाते में लोन के पैसे पहुंच

कार्यक्रम में उपस्थित सांसद विष्णु दयाल राम व अन्य। ● फोटोन न्यूज

जाएंगे। बैंक में दौड़ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के लांच होने के साथ ही एक लाख से अधिक उद्यमियों को तत्काल लाभ दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस पोर्टल की शुरूआत मिनिस्ट्री आफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट मंत्रालय द्वारा की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से अनुसूचित जाति से आने वाले अभिवंचित वर्ग लोगों को आसान दर पर ऋण उपलब्ध कराने की योजना है। इसमें सब्सिडी भी मिलेगी।

लाइव रिले कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा विधायक आलोक चौरसिया, विधायक पुष्पा देवी, विधायक शशि भूषण आदि उपस्थित थे।

इंडियाज टेकेड चिप्स फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

DHANBAD : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इंडियाज टेकेड चिप्स फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की तीन सेमीकंडक्टर सुविधाओं की आधारशिला रखी, जिसका लाइव स्ट्रीमिंग आईआईटी-आईएसएम धनबाद के पेनमैन ऑडिटोरियम में भी की गई। प्रधानमंत्री के संबोधन से पूर्व आईआईटी-आईएसएम में कार्यक्रम के दौरान, आईआईएससी बेंगलुरु के संकाय सदस्य और एजीएनआईटी सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक प्रोफेसर मयंक श्रीवास्तव का ऑनलाइन व्याख्यान हुआ। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रश्न, भारतीय संदर्भ में इको-सिस्टम/मांग और आपूर्ति समीकरण, फैब जिसमें भारत को निवेश करना चाहिए, आर एंड डी में निवेश करने की आवश्यकता, 2 डी सेमीकंडक्टर: भारत के लिए नेतृत्व करने का एक अवसर, भारत के बारे में बात की। संस्थान के निदेशक जेके पटनायक ने कहा कि आने वाले दिनों में देश सेमीकंडक्टर मेन्युफेक्चरिंग एन्ड रिलेटेड ईसु में अब काफी आगे बढ़ जाएगा। सेमीकंडक्टर से आने वाले दिनों में देश टेक्निकल क्षेत्र में काफी तरक्की करेगा। इससे न सिर्फ देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में भी भारत काफी आगे निकल जाएगा। इसके आने से छात्रों को अब काफी एडवांस टेक्नोलॉजी पे कार्य करने की सुविधा मिल जाएगी। इस दौरान संस्थान के प्रो. धीरज कुमार, उप निदेशक सहित संस्थान के विभागध्यक्ष, सदस्य, अधिकारी और छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

देवघर में होली की आधी रात को धूमधाम होगा हरि-हर मिलन

PHOTON NEWS DEOGHAR : होली का त्योहार 25 मार्च को मनाया जायेगा। बाबा मंदिर की होली परंपरा के अनुसार होगी। 24 मार्च को हरि यानी भगवान विष्णु तथा हर यानी महादेव का मिलन कराकर बाबा नगरी में बाबा भोलेनाथ का स्थापना दिवस मनाया जायेगा।

मान्यता है कि इस दिन फाल्गुन मास पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के द्वारा महादेव की शिवलिंग को जमीन पर रख शिवलिंग की स्थापना की गयी थी। बाबा मंदिर के इस्टेट पुरोहित श्रीनाथ पंडित ने बताया कि रात साढ़े दस बजे से लेकर देर रात 12 बजे तक हरिहर मिलन का शुभ मुहूर्त है लेकिन बाबा मंदिर में श्रृंगार पूजा एवं अन्य पूजा को देखकर ही सही समय तय किया जायेगा।

इस बार रात के करीब साढ़े दस बजे बड़ा बाजार स्थित दोल मंच पर होलिका की पूजा के बाद होलिका का दहन किया जायेगा। इसके बाद हरि जी को पालकी पर बिठा कर मंदिर के भंडारियों द्वारा बड़ा बाजार होते हुए पूर द्वारा से मंदिर लाकर रात के करीब पौने ग्यारह बजे हरि का हर से मिलन कराया जायेगा। इस प्रेम के मिलन को देखने के लिए भारी संख्या में लोग गर्भ गृह में मौजूद रहेंगे।

परंपरा के अनुसार 24 मार्च को शाम चार बजे बाबा मंदिर का पट खुलेगा। सरदार पंडा सबसे पहले बाबा पर गुलाल अर्पित कर देवनगरी की होली को प्रारंभ करेंगे। इसके बाद रात करीब पौने ग्यारह बजे हरिहर मिलन होने के बाद बाबा की श्रृंगार पूजा कर मंदिर का पट बंद किया जायेगा। बाबा मंदिर के भीतरखंड स्थित राधाकृष्ण मंदिर से भगवान कृष्ण की प्रतिमा को पुजारी द्वारा निकाला जायेगा।

BRIEF NEWS

46 लाख की चोरी मामले का हुआ खुलासा

RANCHI : हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के निजाम नगर स्थित हाजी मोइनुद्दीन अंसारी के बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने करीब 36 लाख रुपये नकद और 10 लाख के जेवरात सहित अन्य सामान की चोरी कर ली। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस टीम की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल मो। आदिल और फैसल आलम को गिरफ्तार किया। उसके पास से पुलिस ने चोरी किए गये जेवरात और 49 हजार रूपया बरामद किया। इस घटना की जानकारी बीते दस मार्च को परिवार के सदस्यों को तब मिली, जब वे चाईबासा से निजामनगर अपने घर पहुंचे थे।

रांची में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां स्थगित

RANCHI : रांची में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को स्थगित कर दिया गया है। लोकसभा चुनाव और होली को लेकर विधि-व्यवस्था के मद्देनजर ये फैसला लिया गया है। विशेष मामले में जरूरत के अनुसार अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार आगामी लोकसभा आम निर्वाचन और होली को लेकर विधि-व्यवस्था को देखते हुए सभी तरह के अवकाश अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है। पूर्व से अवकाश स्वीकृत होने की स्थित में भी अधोहस्ताक्षरी के अनुमति के बिना कोई भी पुलिस पदाधिकारी, कर्मी अवकाश में प्रस्थान नहीं करेंगे। विशेष परिस्थिति में एसएसपी खुद अवकाश स्वीकृत करेंगे।

ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एसपी ने दिए कई दिशा निर्देश

RANCHI : रांची के ट्रैफिक एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने ट्रैफिक में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी एवं कर्मियो के साथ कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में मंगलवार देर रात विशेष बैठक की। इस दौरान एसपी ने विभिन्न प्रकार के ट्रैफिक संबंधित समस्या पर संज्ञान लिया। साथ ही शहर के ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एसपी ने कई दिशा निर्देश दिये।

एक दिन में ही आइएएस के तबादले में संशोधन

RANCHI : राज्य सरकार ने तबादले में फिर संशोधन किया। 12 मार्च को जारी अधिसूचना से श्री कृष्ण लोक सेवा संस्थान के महानिदेशक सुखदेव सिंह को मुख्य स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था, उस आदेश को विलोपित कर दिया गया। वहीं खाद्य आपूर्ति सचिव अमिताभ कौशल को अपने कार्यों के साथ सचिव सूचना जनसंपर्क विभाग बनाया गया था, उस आदेश को भी विलोपित कर दिया गया है। यानी इन दोनों पदों पर फिर से नये सिरे से अधिकारियों की नियुक्ति होगी। इस संबंध में कार्मिक विभाग में अधिसूचना जारी कर दी है।

भ्रष्टाचार के आरोप से ध्यान हटा रहीं अंबा : भाजपा

RANCHI : बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के आवास सहित 17 ठिकानों पर मंगलवार को ईडी ने 18 घंटे तक छापेमारी की थी। बुधवार को भी अंबा प्रसाद के हजारीबाग के हुरहुरु स्थित आवास पर ईडी ने दबिश दी है। इसको लेकर अंबा प्रसाद ने आरोप लगाया था कि भाजपा में शामिल नहीं हुई तो पार्टी दबाव बनाने के लिए छापेमारी करवा रही है। अंबा के इस आरोप पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने पलटवार किया है। प्रतुल शाहदेव ने बुधवार को एक्स पर कहा कि अंबा प्रसाद तथ्यहीन बयान देकर खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप से ध्यान हटाना चाहती हैं। प्रतुल ने कहा कि आखिर यह उसी दल की सदस्य हैं, जिसके झारखंड के एक सांसद के पास से 350 करोड़ नकदी बरामद हुए थे। कांग्रेस नेता अंबा प्रसाद ने कहा था कि भाजपा ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से टिकट की पेशकश की थी। मैंने इनकार कर दिया तो मुझे दिनभर प्रताड़ित किया गया।

atomy
ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पंडरा ओपी क्षेत्र के डबल मर्डर का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

धमकी से परेशान बेटी के ब्वॉयफ्रेंड ने की थी बिरसा व सोनी मुंडा की हत्या

- पुलिस ने एक देशी कट्टा और एक गोली समेत कई अन्य सामान बरामद किया
- बिरसा उरांव की पहली पत्नी की बेटी का प्रेमी है आरोपी राम मुंडा
- शादी की बात नहीं मानने पर पति पत्नी की गोली मारकर की थी हत्या
- अलाउद्दीन अंसारी ने राम मुंडा को उपलब्ध कराई थी हथियार

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा।

CRIME REPORTER RANCHI : पंडरा ओपी क्षेत्र के ओझा मार्केट स्थित जनक नगर में अज्ञात अपराधियों ने बिरसा उरांव और उसकी पत्नी सोनी मुंडा की गोली मारकर बीते 21 फरवरी की देर शाम हत्या कर दी थी। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी युवक राम मुंडा और उसे हथियार उपलब्ध कराने वाले अलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने एक देशी कट्टा और एक गोली समेत कई अन्य सामान बरामद किया है। घटना के संबंध में खुलासा हुआ है कि आरोपी युवक राम मुंडा, बिरसा उरांव की पहली पत्नी की बेटी का प्रेमी है और उससे वो शादी करना चाहता था। लेकिन बिरसा इसके लिए तैयार नहीं था। बिरसा उरांव अपनी बेटी के प्रेम संबंध को लेकर युवक राम मुंडा को डराता धमकाता था। इसी बात से युवक गुस्से में रहता था। घटना के दिन राम मुंडा ने अलाउद्दीन अंसारी से पिस्टल और गोली खरीदा और उसी पिस्टल से बिरसा उरांव को गोली मारकर हत्या कर दी। गोली मारने के बाद बिरसा की पत्नी सोनी मुंडा ने युवक को देख लिया था। इस वजह से उसने सोनी को भी गोली मार दी। बुधवार अपने ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसएसपी ने पूरे मामले की जानकारी दी। बिरसा उरांव घटना से कुछ देर पहले अपने घर लौटा था और उसकी पत्नी घर के बाहर खाना बना रही थी। इसी दौरान आरोपी युवक बगल के खेत के रास्ते मौके पर पहुंचा और दोनों को गोली मार दी। बिरसा उरांव हत्या के मामले में जेल से सजा काटकर, कुछ दिनों पहले ही बाहर निकला था। बिरसा ने तीन शादियां की थी। सोनी मुंडा बिरसा उरांव की तीसरी पत्नी थी।

पिता कई बार बेटी के साथ युवक को पकड़ चुका था : पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के दौरान पता चला है कि मृतक बिरसा उरांव कई बार अपनी बेटी के साथ आरोपित युवक को पकड़ चुका था। बिरसा ने कई बार युवक को पीटा भी था। इस हत्याकांड में बिरसा की बेटी की कितनी संलिप्ता है, इसकी भी जांच की जा रही है।

आक्रोश मार्च का राजधानी में दिखा असर

जाम का झाम : रांची की सड़कों पर रेंगती रहीं गाड़ियां

- जरूरी काम से जाने वालों को झेलनी पड़ी परेशानी
- रांची में अवैध रूप से चल रहे 15000 ऑटो

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के विभिन्न आदिवासी मूलवासी संगठन ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को साजिश के तहत फंसाये जाने के विरोध में आज बुधवार को आक्रोश मार्च निकाला। जिसका असर रांची के कई प्रमुख इलाकों में देखने को मिला। राजधानी के लालपुर, मेन रोड और रातु रोड में घंटों सड़कें जाम रहीं। जिसकी वजह से गाड़ियां भी सड़कों पर रेंगती रही। सड़क जाम होने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस का हर स्तर से किया गया प्रयास विफल रहा। शहर के विभिन्न इलाकों में सड़कों पर जाम लगने के कारण लोगों का समय तो बर्बाद हुआ ही, साथ ही संबंधित इलाके का कारोबार भी प्रभावित हुआ। लालपुर, मेन रोड और रातु रोड में जाम लगने की वजह से एक किलोमीटर तक का सफर पूरा करने में आधा घंटा से ज्यादा का समय लग गया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार नजर आयी। सड़क जाम होने के कारण जरूरी काम से जाने वालों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं दोपहर में जिनकी ट्रेन या फ्लाइट थी, उनको भी काफी परेशानी हुई। कई जगहों पर घंटों एंबुलेंस भी जाम में फंसा रहा।

60 साल तक काम कर सकेंगे पंचायत सहायक

काम का भी होगा हर माह मूल्यांकन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने ग्राम पंचायत के सुदृढ़ीकरण योजना के तहत एक कदम ओर बढ़ा दिया है। अब राज्य के 17380 पंचायत स्वयं सेवक अब पंचायत सहायक कहलायेंगे। इन्हें पंचायत के विकास कार्यों में भागीदार बनाने के लिए सरकार 2500 रुपये काम के बदले प्रोत्साहन-सम्मान राशि देगी। इन्हें किसी तरह का मानदेय नहीं दिया जायेगा। इनकी रिटायरमेंट आयु सीमा भी तय की गयी है, एक-एक साल विस्तार करने के बाद अधिकतम 60 वर्ष तक इनसे काम लिया जा सकता है। हालांकि, इसके पूर्व भी इन्हें हटाया जा सकता है। इस आशय का निर्णय मंत्रिपरिषद ने लिया है जिसके बाद पंचायती राज विभाग प्रोत्साहन राशि भुगतान की कार्रवाई कर रहा है। राज्य के 4345 पंचायतों में कार्यरत 17380 पंचायत सहायकों को 2500 रुपये प्रोत्साहन राशि देने में मासिक व्यय 4,34,50000 रुपये व सालाना 52.14 करोड़ रुपये खर्च आयेगा। प्रोत्साहन राशि का भुगतान इसी वित्तीय वर्ष 2023-24 से होगा। इसके लिए सरकार ने 8.69 करोड़ का प्रावधान भी कर दिया है।

जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की हुई बैठक

RANCHI : प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक बुधवार को समाहरणालय में आयोजित की गई। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के निर्देश पर बैठक हुई। प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक में जिले में मध्यान भोजन की स्थिति माह जनवरी 2024 में लाभान्वित छात्रों की औसत उपस्थिति लगभग 71 प्रतिशत रही। जिला शिक्षा अधीक्षक की ओर से सम्बंधित सभी पदाधिकारी को और प्रतिशत बढ़ाने का निर्देश दिया गया। बैठक में आटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम के तहत किए जा रहे दैनिक एसएमएस की प्रखंडवार स्थिति लगभग 76 प्रतिशत रही। इसे जिला शिक्षा अधीक्षक की ओर से बढ़ाने का निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक में संबंधित अधिकारी की ओर से बताया गया कि स्कूल स्टेप डिलीवरी के माध्यम से विद्यालयों को एजेंसी के माध्यम से चावल उपलब्ध कराया जा रहा है।

पूर्व सीएम को लेकर आदिवासी संगठनों ने निकाला न्याय आक्रोश मार्च, चेतावनी दी

झारखंड बंद व आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी, महिलाएं जनी शिकार का रूप धारण करके सड़क पर उतरेंगी

राजधानी में न्याय आक्रोश मार्च निकालकर प्रदर्शन करते आदिवासी संगठन।

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के समर्थन में बुधवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों ने राजधानी में न्याय आक्रोश मार्च निकाला। इसमें विभिन्न संगठनों के लोग अपने-अपने तरीके से कार्यक्रम किए। इस मार्च के जरिए केंद्र सरकार और ईडी को चेतावनी दी गयी। कहा गया कि अगर हेमंत सोरेन जल्द रिहा नहीं किए गए तो झारखंड से खनिज संपदा बाहर जाने नहीं देंगे। इसको लेकर झारखंड बंद और आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी। जरूरत पड़ी तो महिलाएं जनी शिकार का रूप धारण करके सड़क पर उतरेंगी। कोकर से निकाला गया मार्च राजभवन पहुंचा। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि भाजपा सत्ता हथियाने के लिए स्वतंत्र एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। केंद्र सरकार तानाशाही नीति पर चल रही है। देश में एकमात्र आदिवासी सीएम को केंद्र की भाजपा सरकार ने सीएनटी एक्ट जमीन पर फंसाया। जिस तरह से मात्र 8 एकड़ भुईंहरी जमीन खरीद-बिक्री के झूठे मामले में जेल भेजा है, वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमलोग ईंट से ईंट बजा देंगे। मार्च में शामिल महिलाओं ने कहा कि अगर हमारे आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जल्द से जल्द नहीं छोड़ा गया तो जल्द ही हम लोग जनी शिकार करके जेल का फाटक तोड़ कर उन्हें रिहा करेंगे। ज्ञात हो कि जनी शिकार में महिलाएं पुरूषों का वेष धरकर जंगल में शिकार करती हैं।

आक्रोश मार्च बंट गया अलग-अलग गुट में, कार्यक्रम भी अलग-अलग

हेमंत के न्याय के लिए निकाला गया न्याय आक्रोश मार्च आगे चलकर अलग-अलग गुट और अलग-अलग कार्यक्रम के स्वरूप में बदला गया। केंद्रीय सरना समिति अजय तिर्की गुट ने कोकर समाधि स्थल से मार्च आयोजित किया, जो लालपुर, अल्बर्ट एक्का चौक, कचहरी होते हुए राजभवन पहुंचा। वहीं अलबिन लकड़ा गुट ने मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू पार्क से एक बाइक रैली निकाली। जो सिदो कान्हू पार्क, हरमू रोड, अरगोड़ा चौक, अशोक नगर, सुजाता चौक, अल्बर्ट एक्का चौक, रेडियम रोड होते हुए मोरहाबादी गेस्ट हाउस पहुंचा। इसमें सोनू उरांव, राजेश लिंडा, संजय लोहरा, अजीत लकड़ा सहित कई लोग शामिल थे। वहीं अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष कुंदरसी मुंडा के नेतृत्व मोरहाबादी मैदान से मार्च निकाला गया, जो कचहरी रोड होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचा, जहां से फिर वापस मोरहाबादी मैदान पहुंचा।

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत 25 छात्रों का होगा चयन, आवेदन 15 से

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के एसटी, एससी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले वैसे स्टूडेंट्स जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना चाहते हैं उनके लिए मौका है। राज्य सरकार ने आवेदन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तिथि की घोषणा कर दी है। झारखंड सरकार की ओर से संचालित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 15 मार्च से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। झारखंड सरकार के आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार 31 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। इसके तहत 25 छात्र-छात्राओं का छात्रवृत्ति के लिए चयन किया जाएगा। चयनित छात्र-छात्राओं में अनुसूचित जनजाति के 10, अनुसूचित जाति के पांच, पिछड़ा वर्ग के सात और अल्पसंख्यक समुदाय के तीन विद्यार्थी को यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड नॉर्दर्न आयरलैंड के लिए चयनित विश्वविद्यालय या संस्थानों में उच्च स्तरीय शिक्षा की राज्य सरकार द्वारा सुविधा प्रदान की जायेगी। राज्य में 2020 से संचालित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के लिए आपको सरकार द्वारा जारी लिंक पर जाना होगा। इस साइट पर छात्रवृत्ति से संबंधित विशेष जानकारी प्राप्त होगी। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यकाल में शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना गठबंधन सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

11 डीएसपी और नौ सब इंस्पेक्टर अलग-अलग प्रमंडल में प्रतिनियुक्त

RANCHI : एसीबी डीजी अनुराग गुप्ता ने एसीबी में पदस्थापित 11 डीएसपी और नौ सब इंस्पेक्टर को अलग-अलग प्रमंडल में प्रतिनियुक्त किया है। इससे संबंधित आदेश बुधवार को जारी कर दी गई है। परवेज आलम रांची प्रमंडल, विनोद कुमार महतो थाना प्रभारी धनबाद प्रमंडल, निशा मुर्मू रांची प्रमंडल, अनिल एक्का जमशेदपुर प्रमंडल, अटल सांडिल रांची प्रमंडल, अजीत अरुण एक्का पलामू प्रमंडल, मुनू टुडू धनबाद प्रमंडल, अलबिनुस इंदवार पलामू प्रमंडल, जितेन्द्र कुमार सिंह थाना प्रभारी दुमका प्रमंडल और अरुण कुमार तिर्की रांची प्रमंडल में प्रतिनियुक्त किया गया है।

325 करोड़ खर्च कर कंप्लीट किए जाएंगे 78209 आवास

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत बनने वाले आधे-अधूरे 78209 आवास वित्तीय वर्ष 2024-25 में कंप्लीट किये जाएंगे। यह सभी आवास 2015 से लेकर 2023 के बीच आवंटित किये गये हैं। सभी आवासों की नींव रखी जा चुकी है और ये निर्माण के विभिन्न स्टेज में हैं। नगर विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निकायों को चालू वित्तीय वर्ष में हर हाल में इन आवासों को कंप्लीट करवाने का निर्देश दिया है। 2024-25 में राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लिए आवंटित आवासों को पूरा करने के लिए 325 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इसमें 60 फीसदी केंद्र का और 40 फीसदी राज्य सरकार खर्च करेगी। 78209 आवास में 62399 आवास बीएलसी (लाभुक के नेतृत्व में बनने वाले आवास) और 15810 आवास एएचपी (भागीदारी में किफायती आवास) योजना के तहत बन रहे हैं। 2024-25 में एएचपी के तहत बनने वाले आवासों में कुल 60 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इसमें 40 करोड़ केंद्र सरकार देगी और 20 करोड़ राज्यांश होगा। वहीं बीएलसी आवासों के निर्माण में 325 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इसमें राज्यांश 85 करोड़ और केंद्रांश 240 करोड़ रुपये होगा। केंद्र सरकार ने झारखंड के अबतक 211010 आवास स्वीकृत किये हैं। इनमें से कुल 193097 यानी 91 फीसदी आवास ग्राउंडेड हैं। 114888 आवासों का निर्माण पूरा कर लिया गया है, जबकि 78209 आवास निर्माण के विभिन्न स्टेज में हैं। 17913 आवासों का निर्माण अबतक शुरू नहीं हो पाया है। नगर विकास विभाग ने सभी निकायों को कई बार आवास निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से की मुलाकात

बंगाली भाषा के संवर्द्धन व बंगालियों का करेंगे विकास : सीएम

- चम्पाई सोरेन को प्रतिनिधिमंडल ने दिया धन्यवाद
- बांग्ला भाषा का पुराना वैभव लौटेगा
- कांटाटोली-बहू बाजार फ्लाई ओवर का नाम नेताजी के नाम पर हो
- प्रतिनिधिमंडल को सीएम चम्पाई ने दिया आश्वासन

PHOTON NEWS RANCHI : बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट ने झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मुलाकात की। ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम चंपाई सोरेन के सामने अपनी कई मांगें रखीं। साथ ही बांग्ला भाषा को प्राथमिक विद्यालयों में फिर से पढ़ाने के फैसले का स्वागत भी किया। इसके लिए सीएम का धन्यवाद किया। ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से राजधानी रांची के कांके स्थित मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने संयुक्त रूप से कहा कि बांग्ला भाषा की पढ़ाई फिर से शुरू होने, पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता तथा प्राथमिक स्तर से उच्च स्तर तक शिक्षकों की नियुक्ति हमारे पुराने वैभव को स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को धन्यवाद देते हुए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड में रहने वाले बांग्ला भाषी समुदाय के सर्वांगीण विकास तथा उत्थान के लिए अब तक जो कार्य किए हैं और उनकी आगे की जो योजनाएं हैं, वे सराहनीय हैं। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि झारखंड के सभी रेलवे जंक्शन, स्टेशनों एवं ठहराव पर पूर्व की तरह नाम पट्टिका में बांग्ला लिपि का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राज्य सरकार को इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि रांची के कोकर से शुरू होकर बहूबाजार तक बनने वाले कांटाटोली फ्लाईओवर का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस फ्लाईओवर का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस फ्लाईओवर रखा जाए। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कहा कि राज्य में बांग्ला भाषा के संवर्द्धन और बंगाली समुदाय के विकास के लिए उनकी सरकार कृत संकल्पित है। मौके पर मुख्यमंत्री ने बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर राज्य सरकार यथोचित सकारात्मक कार्रवाई करेगी।

एडमिट कार्ड की समस्या लेकर पहुंचे अभ्यर्थी

जेपीएससी : अधिकारी आते-जाते रहे, किसी ने नहीं सुनी परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के बाहर अपनी समस्या लेकर अभ्यर्थी खड़े रहे, लेकिन इन अभ्यर्थियों से जेपीएससी के किसी अधिकारी ने मिलना जरूरी नहीं समझा। 17 मार्च को होने वाली सिविल सेवा परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया, लेकिन एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं हो रहा है। कल यानी 12 मार्च से ही अभ्यर्थी एडमिट कार्ड डाउनलोड करने को लेकर परेशान हैं। अपनी इसी परेशानी को लेकर अभ्यर्थी जेपीएससी कार्यालय गए। गेट के बाहर से गार्ड ने समझाकर भेज दिया। तकरीबन तीन घंटे तक अभ्यर्थी खड़े रहे। इस दौरान अलग-अलग जिले के अधिकारी कार्यालय के अंदर जाते रहे, मगर किसी ने अभ्यर्थियों की समस्या जानने की कोशिश नहीं की। गेट के बाहर खड़े अभ्यर्थियों ने बताया कि कल से ही एडमिट कार्ड डाउनलोड कर रहे हैं, लेकिन डाउनलोड नहीं हो रहा, अब जिनका रांची के बाह सेंटर है वो अपने सेंटर के बारे में पहले से नहीं जानेंगे तो वहां तक कैसे पहुंचेंगे।

BRIEF NEWS

पश्चिमी सिंहभूम में 10 आईईडी और दो स्पाइक होल बरामद

CHAIBASA : जिले के गोईलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जिम्की इकीर जंगल में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए बुधवार को नक्सलियों के लगाये गये दस आईईडी और दो स्पाइक होल को सुरक्षाबलों ने बरामद किया है। बम निरोधक दस्ता ने उसी स्थान पर आईईडी को नष्ट कर दिया। गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईडा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थाना क्षेत्र के हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया गांव के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है।

स्कूल के समीप युवक का शव बरामद हत्या की आशंका

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ के धरुआडीही थाना कुल्टा पंचायत के लमती ग्राम स्कूल के पास एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक लम्ती गांव का 48 वर्षीय देबानंद सुनयानी के रूप में चिन्हित किया गया। आशंका है कि उसकी धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। हालांकि हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है, पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने दयानंद का शव देखा और पुलिस को सूचना दी।

नवनिर्मित सभा भवन एवं विश्राम गृह का किया गया लोकार्पण

ROURKELA : श्रम एवं कर्मचारी बीमा विभाग राज्य मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने बुधवार संयुक्त श्रम कार्यालय में नवनिर्मित सभा कक्ष कंप्यूटर कक्ष एवं विश्राम कक्ष का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्रम आयुक्त अमृत ऋतुराज, युग्म श्रम आयुक्त प्रणब रंजन जेना,यंत्री आवास विभाग मनोज महाजन, जिला श्रम अधिकारी दिव्य ज्योति नायक एवं यशवन्त अमात सहित विभिन्न ट्रेड यूनियनों के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

बाबा श्याम के दर्शन को 153 श्याम भक्त खाटू रवाना

JAMSHEDPUR : फाल्गुन मास की पूर्णिमा को बाबा श्याम का दर्शन करने के लिए शहर से 153 श्याम भक्त बुधवार को खाटूधाम रवाना हुए। श्याम सेवा समिति के संयोजक मुकेश आगीवाल ने बताया कि पांच दिवसीय यात्रा 13 मार्च से आरंभ हुई। रांची से सभी श्याम प्रेमी दिल्ली पहुंचेंगे। फिर वहां से सड़क मार्ग से खाटू जाएंगे। वहां से सालासर, राणी सती दादी का दर्शन कर 15 को रींगस से निशान यात्रा आरंभ कर-के खाटू पहुंचेंगे। एक दिन रूककर 17 को दिल्ली होते हुए टाटा लौटेंगे। इस दल में मुकेश आगीवाल, पंकज अग्रवाल. प्रभास मूनका, प्रदीप गुप्ता समेत सभी सदस्य शामिल हैं।

सड़क सुरक्षा पर बच्चों ने चलाई कूची, जीते पुरस्कार

JAMSHEDPUR : यंग इंडियंस की ओर से सड़क सुरक्षा पर शहर के स्कूलों में रोड ड्राइंग कंपटीशन कराई गई थी, जिसमें बच्चों ने कैनवास पर कूची चलाकर पुरस्कार जीते। इसमें एसडीएसएम स्कूल से छठी कक्षा की छात्रा नैतिक परेया को प्रथम, जुस्को स्कूल साउथ पार्क से 10वीं की छात्रा सुदेशना दत्ता को द्वितीय व दयानंद पब्लिक स्कूल से 8वीं की छात्रा अफशां परवीन को तृतीय स्थान मिला, जबकि अन्य 15 बच्चों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय ने परिणामों की घोषणा की। इस मौके पर यंग इंडियंस रोड सेफ्टी वर्टिकल की श्रुति झुनझुनवाला व साक्षी गुप्ता मौजूद थीं।

जमशेदपुर संसदीय सीट पर बड़ी जीत के लिए बीजेपी ने तेज की तैयारी

भाजपा ने बनाई रणनीति, हर बूथ पर करें 370 प्लस : कर्मवीर सिंह

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर संसदीय सीट पर भाजपा पिछले दो बार से लगातार जीत रही है। इस बार बड़ी जीत दर्ज करने के लिए भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। इसकी रणनीति बनाने बुधवार को प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह व प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा शहर आए थे। यहां उन्होंने साकची स्थित चुनावी कार्यालय में बैठक की, जिसमें लोकसभा चुनाव की तैयारियों एवं लोकसभा चुनाव की रणनीति पर व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान जमशेदपुर लोकसभा संयोजक नंदजी प्रसाद ने चुनाव के निमित्त अब तक की तैयारियों की संपूर्ण रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत की।

साकची स्थित चुनावी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कर्मवीर सिंह। ● फोटोन न्यूज

कर्मवीर सिंह ने नेताओं को लोकसभा चुनाव की जीत का मूल मंत्र देकर तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के चुनावी कार्य प्रारंभ हो गए हैं। जिस कार्यकर्ता को जो भी दायित्व दिए गए हैं, वे सभी अपने-अपने दायित्व लेकर मंडल के संबंधित पदाधिकारी एवं बूथ समिति तक जाएं। उन्हें इसकी जानकारी देकर कार्यों का निष्पादन करें। हमें बूथों पर 10% मतदान भाजपा के पक्ष में सुनिश्चित करने की तैयारी को बूथ स्तर तक लेकर जाना है। इसके लिए अपने बूथ पर पिछली बार के मुकाबले 370 वोट अधिक लाने के लिए रणनीति बनाकर कार्य करना है। उन्होंने बूथों को सशक्त बनाने के लिए कई निर्देश दिए। डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि चुनावी दिनों में सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ सूचीबद्ध कर समय से पूर्ण करें।

बैठक में मंच संचालन सह संयोजक लक्ष्मण टुडू एवं धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक बड़कुंवर गागराई ने किया। बैठक में भाजपा, जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष चंडीचरण साव, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

17 से 21 मार्च तक होगा म्यूजिक सर्किल का 47वां वसंत महोत्सव

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला में संगीत और नृत्य शिक्षा के लिए शहर के अग्रणी और प्रसिद्ध संस्थान म्यूजिक सर्कल का 47 वसंत महोत्सव 17 से 21 मार्च तक म्यूजिक सर्कल में आयोजित किया जाएगा। बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी गई।

संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष अभय दास ने बताया कि पहले दिन यानी 17 मार्च को बसंतिका साहित्य असर और बहुभाषी कविता का आयोजन किया जाएगा, जबकि दूसरे दिन 18 मार्च को संगीत एवं नृत्य कला संस्थान का 46वां और परिसर में चल रहे अंग्रेजी व उड़िया मीडियम स्कूल का 24 वार्षिकोत्सव मनाया जायेगा। तीसरे दिन, 19 मार्च को बसंत सम्मान, मुक्तिकान्त नाट्य सम्मान,प्रभात नलिनी साहित्य सम्मान और प्रभात चांद मेमोरियल सम्मान प्रदान किए जाएंगे। चौथे दिन 20 मार्च को हिंदुस्तानी गायन एवं गजल एवं

म्यूजिक सर्कल के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुति होगी। अंतिम पांचवें दिन पुरी के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा गोटिपुअ नृत्य, स्कूली बच्चों द्वारा लोक नृत्य और गजेंद्र मुर्मू एवं समूह द्वारा आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष अभय दास, उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, सलाहकार किशोर चंद्र नयाक, सह-संपादक और स्कूल के प्राचार्य विवेकानंद पांडा, आयोजन समिति के संपादक संतोष मल्लिक, कोषाध्यक्ष सुशांत नयाक, सांस्कृतिक संपादक स्नेहलता नयाक , समिति के जनसंपर्क अधिकारी प्रमोद कुमार नायक। साथी सदस्य लक्ष्मण दास एवं सहयोगी अजय कुमार पटनायक प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोशाला में मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महिलाओं के पास विशेष ताकत : महंती

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बमार्माइंस स्थित राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोशाला (सीएसआईआर-एनएमएल) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इसकी शुरूआत 9 मार्च को एनएमएल स्टाफ क्लब की ओर से एग्रिको आवासीय परिसर में महिला क्रिकेट टूर्नामेंट से हुई, जिसमें स्वागत भाषण के दौरान सीएसआईआर-एनएमएल के वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने प्रयोगशाला में काम करने वाली महिला कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-एनएमएल में महिला कर्मचारी हमारी ताकत हैं। मुख्य अतिथि

एनएमएल में सफाईकर्मी को सम्मानित करतीं मुख्य अतिथि। ● फोटोन न्यूज

रूपा महंती (प्रबंधन सलाहकार, शिक्षक, परोपकारी और रेकी ग्रैंड मास्टर) ने कहा कि हम महिलाएं हमेशा यथास्थिति को चुनौती देना जानती हैं। महिलाओं के पास विशेष ताकत होती है, जिसका उपयोग वे बाधाओं से लड़ने में कर सकती हैं। इस दौरान सफाईकर्मी छाया देवी और मायनो मार्डी को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में नृत्य, गीत और स्किट का प्रदर्शन किया गया।

15 को चाकुलिया व पोटका आएंगे सीएम चम्पाई सोरेन

JAMSHEDPUR : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन 15 मार्च को पूर्वी सिंहभूम जिला आएंगे, जिसमें वे चाकुलिया व पोटका प्रखंड जाएंगे। दोनों स्था पर मुख्यमंत्री डिग्री कॉलेज का शिलान्यास करेंगे। इसके लिए दोनों स्थान पर हेलीपैड भी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। स्थल निरीक्षण के दौरान विधायक समीर मोहंती से भी प्रशासनिक पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर उपविकास आयुक्त मनीष कुमार, ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, पीडी आईटीडीए दीपांकर चौधरी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जुबिली पार्क में दिख रहा फागुन का रंग

को-ऑपरेटिव कॉलेज के छात्रों ने किया डिमना लेक का भ्रमण

को-ऑपरेटिव कॉलेज के छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के बीएड विभाग के सत्र 2023-2025 व 2022-2024 के छात्र-छात्राओं का दल फील्ड ट्रिप के तहत बुधवार को डिमना लेक का भ्रमण किया, जहां ये दूसरे छोर पर स्थित टापू तक गए।

छात्रों ने डैम का महत्व जाना, तो इसके साथ ही वहां मछली पालन की जानकारी ली। छात्र-छात्राओं ने पारपंरिक नृत्य के साथ साथ फोटोग्राफी भी की। विभिन्न छात्र समूहों ने क्रिकेट और फुटबॉल मैच खेला। शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर हुआ, अंत में सभी ने सामूहिक वनभोज का आनंद लिया।

इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ राजू ओझा, शिक्षक डॉ विनय पाठक, बीरुपक्ष महतो, डॉ महेंद्र प्रसाद, अजित दुबे, भीम राम,अमित जाना, मुन्ना मुखी, कार्तिक चंद भी उपस्थित थे।

कर्नाटक संगीत ने बटोरीं तालियां वायलिन वादन ने किया मंत्रमुग्ध

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कदमा स्थित डीबीएमएस हाईस्कूल का कलाकृति ऑडिटोरियम बुधवार को संगीतप्रेमियों को गदगद कर गया। एन राघवन द्वारा प्रस्तुत कर्नाटक लोकगीत का मधुर संगीत व गीत ने दर्शकों-श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं, वहीं मुंबई से आईं संगीता शंकर ने हिंदुस्तानी संगीत पर वायलिन सुना कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

संगीत नाटक अकादमी से पुरस्कृत दिल्ली से आईं ठुमरी गायिका कुमुद दीवान को सुनना जमशेदपुर वासियों के लिए एक नया अनुभव था। शास्त्रीय संगीत और नृत्य का यह चार दिवसीय कला महोत्सव संगीत प्रेमियों के लिए सुखद स्मृति बन गया।

संगीत की छटा बिखेरते कलाकार। ● फोटोन न्यूज

तिरुवनंतपुरम से मोहिनीअट्टम नृत्य की प्रस्तुति के लिए पहली बार जमशेदपुर आई नीना प्रसाद ने दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ दी। कला उत्सव का समापन 14 मार्च को छऊ से होगा।

कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी के पूर्व उद्घोषक शाहिद अनवर ने किया। इस अवसर पर बतौर अतिथि संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास, विधायक सरयू राय, डीबीएमएस ट्रस्ट के चेयरपर्सन बी चंद्रशेखर, ललिता चंद्रशेखर, डॉ जूही समर्पिता, प्रिया धर्मराजन, अनीता रामकृष्णन, गीता मोहन दास, सतीश सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चालो रे सखियां चालो दादी के दरबार में... भजन पर झूमीं मारवाड़ी महिलाएं

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : साकची के ठाकुरबाड़ी रोड स्थित महालक्ष्मी, राणी सती दादी व अंजनी माता मंदिर के चतुर्थ वार्षिकोत्सव पर बुधवार को तीनों देवियों की विशेष पूजा हुई। 11 पुरोहितों ने पूजा अर्चना कर विशेष आरती कराई। तीन देवियों का आकर्षक श्रृंगार किया गया, राणी सती दादी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे से मंगलपाठ शुरू हुआ, जिसमें 1100 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। मंगलपाठ का वाचक करने और भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देने के दौरान कोलकाता के ख्यातिप्राप्त मंगलपाठ वाचक मोहिनी केडिया ने चालो रे सखियां चालो दादी के दरबार मेंङ्घ., जय दादी की बोल हर काम तेरा हो जाएगाङ्घ, दादी मंगलम दादी नाम मंगलमङ्घ, झुंझुनूं

से आयी दादी तनधन जी भी साथ हैंङ्घ आदि भजनों पर मारवाड़ी महिलाएं खूब झूमीं। भजनों के साथ कलाकारों ने नृत्य नाटिका की भी प्रस्तुति दी। इस दोरान फूलों की होली भी खेली गई। अनुष्ठान को सफल बनाने में कमल अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, ओमप्रकाश रिंगसिया, सुरेश कांवटिया, राजकुमार चंदुका, आरके चौधरी आदि का योगदान रहा।

रेलवे चतुर्थ लाइन के विस्तार कार्य को रोकने के लिए उप-जिलापल पानपोस के कार्यालय के समक्ष धरना

PHOTON NEWS ROURKELA : पानपोष उपजिलापाल के कार्यालय के समक्ष बुधवार को राउरकेला सेक्टर-21 से बोंडोमुंडा कुकुड़ा गेट तक रेलवे के चौथी लाइन के विस्तार कार्य को रोकने का विरोध प्रदर्शन किया गया। बीरमित्रपुर विधायक जार्ज तिर्की के नेतृत्व में बड़ी संख्या में बरकानी, उडतम, महुलपड़ा, बोंधोमुंडा, कपाटमुंडा, कुकुडा, संतोषपुर, बारबांसी, डुमेरता दुगार्पुर आदि गांवों के लोग रेल परिचालन बंद कराने के लिए उपजिलापाल

धरना प्रदर्शन में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

कार्यालय के समक्ष धरना में बैठ गये।

इनका कहना है कि इन 10 मौजों में आरक्षित जमीनों के लिए उन्होंने सुंदरगढ़ जिला अदालत में अपील दायर की है। उसकी पहली सुनवाई अभी नहीं हुई है, रेलवे विभाग इस जमीन पर मिट्टी खोद रहा है। दूसरी ओर, रेलवे विभाग दावा कर रहा है कि उसने आरएसपी से जमीन अधिग्रहित कर ली है। अब जब प्रशासन को आम चुनाव की चिंता सता रही है तो स्थानीय निवासियों ने कहा कि वे उपजिलापाल से मिले बिना नहीं लौटेंगे, क्योंकि रेलवे विभाग रेलवे के विस्तार पर काम कर रहा है। इस विरोध प्रदर्शन जर्ज तिर्की समेत महेश्वर तांती, दिलेश्वर पॉल, बंदे ओरम, सागर महानंद, सत्य जेना, कौशल्या जेना, एस कुनावती, सावित्री बारिक, सलोमी जोजो प्रमुख थे।

कार ने ट्रेलर को पीछे से मारी जोरदार टक्कर, कार में बैठे शख्स की हुई मौत

PHOTON NEWS SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले में बुधवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। भीषण सड़क दुर्घटना सुंदरगढ़ टाउन थाना रानी बगीचा बाइपास के पास हुई। गंभीर रूप से घायल ड्राइवर कार के अंदर फंसे होने से फायरकर्मियों ने कटर की मदद से कार को काटकर ड्राइवर को बचाया। बाद में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

घटना स्थल पर जुटी भीड़। ● फोटोन न्यूज

हादसा बुधवार दोपहर को हुआ। एक ट्रेलर राउरकेला से सुंदरगढ़ जा रहा था। इसी दौरान राउरकेला की ओर से एक लाल रंग की कार तेज गति से आयी और बाइपास के पास ओवरटेक करते हुए पीछे से ट्रेलर की चपेट में आ गई। कार में बैठा व्यक्ति छिटक के पुल से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई।

बिष्टुपुर में शुरू हुआ नौ दिवसीय स्वदेशी मेला, बढ़ी चहल-पहल

मेले में स्वदेशी भावना से ओतप्रोत हुए शहरवासी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में 17वां स्वदेशी मेला शुरू हो गया। मेले में स्वदेशी वस्तुओं, व्यंजन व लोक संस्कृति से शहरवासी स्वदेशी भावना से ओतप्रोत हो गए। 9 दिवसीय मेले का उद्घाटन बुधवार को सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक सरयू राय, खादी ग्रामोद्योग आयोग गुजरात के विशेषज्ञ सदस्य ललित भाई शाह, अखिल भारतीय मेला संयोजक सचिंद्र बरियार, क्षेत्रीय संगठक अजय उपाध्याय, क्षेत्रीय संयोजक

दीप जलाकर मेले का उद्घाटन करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

अमरेंद्र सिंह एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक रामचंद्र ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मंजू ठाकुर व जेकेएम राजू भी मंचस्थ रहे।

गोबर से बना पेंट लॉच : इस वर्ष मेले में झारखंड के पहले गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के ब्रांड को स्थापित किया गया है। ललित भाई शाह ने कहा कि आज खादी देश का एक बड़ा ब्रांड और सबसे अधिक स्वरोजगार पैदा करने वाला संस्थान बन गया है। भारत सरकार खादी ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से देश के सूक्ष्म व लघु उद्योग, अर्टिसन्स, प्राकृतिक सामानों एवं ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 12,500 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है। इसके अलावा खादी ग्रामोद्योग आयोग आइआइटी के साथ गठबंधन करेगी। चुनाव के बाद खादी ग्रामोद्योग आयोग पूरे विश्व पटल में बड़ा ऑनलाइन पोर्टल खोलेगी, जिसमें वो फैसिलिटेटर के रूप में पूरे विश्व में भारतीय उत्पाद बेचेगी।

समारोह में स्वागत भाषण मेला संयोजक अशोक गोयल, अध्यक्षीय भाषण सीबीएमडी के चेयरमैन मुरलीधर केडिया, मंच संचालन स्वदेशी जागरण मंच झारखंड प्रांत के प्रचार प्रमुख अमित मिश्रा और धन्यवाद ज्ञापन मंच की जिला संयोजक राजपति देवी ने किया।

बच्चों के दिए जा रहे सत्तू से निकल रहे कीड़े, महिलाओं ने किया विरोध

PHOTON NEWS ROURKELA : एकीकृत बाल विकास योजना में सरकार द्वारा पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस योजना सत्तू और मक्का हलुआ दिया जाता है। यह भोजन मिशन शक्ति के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है। आरोप लगा है कि सुंदरगढ़ जिले के गुरुंडिया ब्लॉक के मांकड़ चुआ अंगवानवाड़ी केंद्र में दी जाने वाली सत्तू से कीड़े निकल रहे हैं।

सूचना मिलने पर मांकड़ चुआ आंगनबाड़ी केन्द्र कई लोग पहुंचे। वहीं घटिया सत्तू दिए जाने

के खिलाफ विरोध किया। गुरुंडिया ब्लॉक में सोमवार को सत्तू दिया जा रहा था हालांकि,सत्तू लेने वाला एक शख्स घर पहुंचा और सत्तू का पैकेट खोला तो उसमें से कीड़े निकले। लोगो ने सत्तू के पैकेट को फेंक दिए । उन्होंने यह भी मांग की सत्तू बनाने वाले समूह को तुरंत हटा दिया जाए और एक नए समूह को सत्तू बनाने के लिए सौंप जाए।

पटना के पुनाईचक में 2 दुकानदार और एक ग्राहक को लगी गोली

पटना। में बाइक सवार 4 अपराधियों ने मंगलवार रात 9:45 बजे ताबड़तोड़ 8 राउंड फायरिंग की। शास्त्रीनगर थाने के पुनाईचक सब्जी मंडी इलाके में एक के बाद एक कई राउंड गोलियां चलीं। फायरिंग में एक साथ 3 लोगों को गोली लगी है। तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी को इलाज के लिए राजधानी के दो अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। वारदात के वक्त सब्जी मंडी में मौजूद एक शख्स ने बताया कि 2 बाइक पर 4 लोग पहुंचे थे। सभी चेहरे पर मास्क पहने थे। पहले दुकान बंद करने को कहा। इसके बाद हवा में फायरिंग की।

थोड़ी देर बाद दोनों हाथ में पिस्टल लेकर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। प्रत्यक्षदर्शी की माने तो मौके पर 11 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। एक शख्स को बदमाशों ने दौड़ा-दौड़ाकर भी गोली मारी है। गोलीकांड में दो नाम सामने आए हैं। पीड़ित ने अपने बयान में पहला नाम संतोष शर्मा और दूसरा नाम छोटू उर्फ साइको का बताया है। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने शराब बेचने वाले एक स्थानीय भूटानी नाम के युवक को हिरासत में लिया है। अपराधियों की गोली से जो 3 लोग घायल हुए हैं, उनमें दो लोग सब्जी बेचने वाले हैं। इनमें एक का नाम अजय कुमार है। जिसे पैर में गोली लगी है। दूसरे घायल का नाम जितेंद्र कुमार राय है। जितेंद्र राय को सीने में दाहिने तरफ गोली लगी है। ये दोनों सब्जी मंडी के पास पत्थर गली के रहने वाले हैं। जबकि, तीसरे घायल का नाम गुंजन कुमार झा है। गुंजन को बांह में गोली लगी है। ये सब्जी खरीदने गया था। वारदात रात के 9:45 बजे के करीब की है। उस वक्त सब्जी मंडी की दुकानें एक-एक कर बंद हो रही थी। उसी बीच 2 बाइक से 4 अपराधी आए थे। जिन्होंने पिस्टल निकाली और अचानक से फायरिंग शुरू कर दी। गोली की आवाज सुनकर मौके पर भगदड़ मच गई। इसी दौरान दो दुकानदार और एक ग्राहक को गोली लग गई। इसके बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। वारदात के कुछ समय बाद लोगों ने कॉल कर शास्त्रीनगर थाने को सूचना दी। तब 10:15 बजे के करीब थानेदार अमर कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तब तक सभी घायलों को इलाज के लिए परिवार और मौके पर मौजूद लोग हॉस्पिटल ले जा चुके थे। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 4 खोखे बरामद किए हैं। अब अपराधियों की पहचान के लिए आसपास में लगे उऊळश के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फायरिंग के पीछे की वजह क्या है? यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना को पल्सर बाइक पर सवार दो अपराधियों ने अंजाम दिया है। दोनों हेलमेट लगाए हुए था। देर रात बाइक सवार दोनों अपराधी मौके पर पहुंचा। एक बाइक स्टार्ट कर उसी पर बैठा रहा। वहीं दूसरा उतरकर अजय जितेंद्र की दुकान पर गया और अजय को निशाना बना गोली चला दी। इस दौरान दोनों ने करीब आठ राउंड फायरिंग की। इसके बाद लोगों ने दोनों को खदेड़ा भी। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश हवा में पिस्टल लहराते हुए रामलखन सिंह स्कूल होते हुए फरार हो गए। जिस रास्ते अपराध फरार हुए हैं वह वीवीआईपी इलाका है। जहां घटना हुई है उससे कुछ ही दूरी पर पुलिस चेक पोस्ट है। इसके बाद भी अपराधी घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। पुनाईचक में ही पत्थर की गली का एक बदमाश कुछ दिनों पहले जेल से जामनत पर बाहर आया है। वह दो साल पहले हत्या के आरोप में जेल गया था। बाहर आने के बाद वह शराब का धंधा करने लगा।

संक्षिप्त डायरी

देर रात घर से बाहर बुलाकर अधेड़ पर किया हमला

नवादा। में बदमाशों ने एक अधेड़ की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा बदमाशों ने पहले उसे घर से बाहर बुलाकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। फिर अधेड़ के दोनों हाथ, पैर और सिर को धड़ से अलग कर अपने साथ ले गए और गायब कर दिया। वहीं, युवक का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। फिलहाल हत्या का कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लेने का भरोसा दिलाया है। घटना रोह थाना क्षेत्र के अनैला बारा गांव की है। मृतक की पहचान अनैला बारा गांव निवासी रामधनी रजक का बेटा सुनील रजक(47) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, सुनील रजक को शनिवार की रात गांव के ही 2 व्यक्ति उसे घर से बुलाकर ले गए थे। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। सुनील के घर नहीं लौटने के बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका कहीं भी पता नहीं चला। इसके बाद मंगलवार की सुबह खेत से क्षत-विक्षत अवस्था में उसका शव बरामद किया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही और अंगों की तलाश कर रही है। हत्या की जानकारी के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक गांव में कपड़े धोने का काम करता था।

पटना के निजी क्लिनिक में ली अंतिम सांस हृदय रोग से थे ग्रसित

नालंदा। सुती या तसर के कपड़े पर हाथ से एक जैसी 52 बूटियां यानी मौटिफ टांके जाने के कारण वामन बूटी की कला में निपुण नालंदा के कपिल देव प्रसाद, जिन्हें पिछले वर्ष 2023 के अप्रैल महीने में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया था। उनका निधन पटना के एक निजी अस्पताल में मंगलवार की रात हो गई। उनके निधन की खबर सुन नालंदा में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। कपिल देव प्रसाद का अंतिम संस्कार पटना के फतुहा स्तिथ त्रिवेणी घाट पर किया जाएगा। बुनकरी के दम पर देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित नालंदा के बसवन बीघा निवासी (71) वर्षीय कपिल देव प्रसाद हृदय रोग से पीड़ित थे। कपिल देव प्रसाद का जन्म 5 अगस्त 1955 को हुआ था। कपिल देव प्रसाद ने अपने दादा एवं पिता से बावन बूटी कला का हुनर सीखे थे। कपिल देव प्रसाद के दादा शनिचर तांती ने 52 बूटी की शुरूआत की थी। फिर पिता हरि तांती ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। और 15 साल की उम्र से कपिल देव प्रसाद ने रोजगार के रूप में इसे अपना लिया। अब यह काम उनके एकलौते बेटे संभालते हैं। बावन बूटी में बोधि वृक्ष, बैल, त्रिशूल, सुनहरी कमल का फूल, खजाना, धर्म का पहिया, मछली, शंख, पारसोल और फूलदान जैसे प्रतीक चिन्ह मिलते हैं। 52 बूटी की सबसे ज्यादा साड़ियों की डिमांड रहती है। कपिल देव प्रसाद ने बावन बूटी की कला सीख कर लोगों में बांटकर रोजगार का एक माध्यम विकसित किया है। 52 बूटी एक तरह की बुनकर कला है जो हाथों से की जाती है।

सोशल मीडिया पर जमाया धौंस रायफल पिस्टल के साथ फोटोशूट कराकर किया पोस्ट

खगड़िया। एक तरफ पुलिस प्रशासन आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की तैयारी में गांव-गांव फ्लैग मार्च कर अपराधियों को आगाह कर रही है। अपराधियों को चिह्नित कर सीसीए का प्रस्ताव लगाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ एक साथ कई अवैध हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट कर धौंस जमाया जा रहा है। बुधवार को सोशल मीडिया पर एक युवक का हाथ में राइफल, कार्बाइन और पिस्टल देकर कराए गए फोटो-शूट वाली तस्वीर वायरल हो रही है। तस्वीर में शराब की बोतलें भी दिख रही है। युवक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के मथुरापुर निवासी मुन्ना झा का बेटा प्रीतम ऊर्फ प्रेम कुमार झा के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि प्रीतम उर्फ प्रेम कुमार झा अपने मोबाइल नंबर 8210936757 के वॉट्सऐप पर हथियार के साथ वाली तस्वीर को मंगलवार को स्टेटस में लगाया था। बताया जा रहा है कि एक हाथ में कार्बाइन और दूसरे हाथ में राइफल और पिस्टल के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट करने वाला युवक खगड़िया के जिला परिषद उपाध्यक्ष श्वेत शिखा के देवर और सदर प्रखंड प्रमुख काजल कुमारी के पति टुकटुक कुमार का दोस्त है। मामले में सदर एसडीपीओ मुकुल कुमार रंजन ने बताया कि हथियार के साथ तस्वीर सामने आते ही मेरे नेतृत्व में युवक के घर पर छापेमारी की गई।

जाम से कराहता रहा शहर लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल

बक्सर। में बुधवार को बच्चों के मुंडन संस्कार के लिए शहर के रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शुभ मुहूर्त के कारण भीड़ इतनी बढ़ गई कि पुलिस चौकी से लेकर शहर के सभी रास्तों में जाम लग गया। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, शहर में भारी वहनों को रात 10 बजे तक नो एंट्री किया गया था। इसके बाद भी जाम लगा और लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो गया। शहर के चारों तरफ तीन किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रही। लग्न का शुभ मुहूर्त शुरू होने के साथ ही मांगलिक कार्य का आज अंतिम दिन माना जा रहा है। कल से खरमास होने के कारण एक महीने के लिए मांगलिक कार्य सनातानियों के बंद हो जाएंगे। बुधवार को बच्चों के मुंडन संस्कार को लेकर आज शुभ मुहूर्त है। इसको लेकर जिले के अलावे पड़ोसी जिला भोजपुर, रोहतास, कैमूर एवम उतर प्रदेश के सीमावर्ती गाजीपुर जिले से भी लोग बक्सर के प्रसिद्ध रामरेखा घाट पर पहुंचे। जैसे-जैसे दिन चढ़, वैसे-वैसे शहर में भीड़ बढ़ती चली गई। जिले का किला मैदान वाहनों से पूरी तरह भर गया है। इसके कारण रामरेखा घाट पर मुंडन संस्कार कराने वाले लोग अन्य घाटों पर ऑप्शन तलाशते नजर आए। इधर, उमड़ी भीड़ के चलते आम लोगों को भले ही परेशानी हुई। पर रामरेखा घाट पर रहने वाले पंडितों, नाविकों व उसके पास रहने वाले व्यवसायियों की आमदनी बढ़ गई। एक नाविक एक किलोमीटर के सफर के लिए 21 सौ से 25 सौ तक किराया मांगते नजर आए। पुजारी व नाई के लिए लोगों को इंतजार करना पड़ा। रामरेखा घाट के पंडा लाला बाबा ने बताया कि संतान की सलामती के लिए मुंडन संस्कार कराने का रिवाज है। जीवन सुखी व दीघार्यु होता है।

पटना में सिलेंडर ब्लास्ट महिला-बच्चे समेत 14 लोग झुलसे

पटना। में मंगलवार की रात एक घर में भीषण आग लगी। इसमें दो रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। हादसे में में महिला, पुरुष ,बच्चे सहित 14 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए पटना की नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल बना हुआ है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों का कहना है

कि काफी देर से गैस का रिसाव हो रहा था। किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। रसोई गैस लीक होने के कारण ही इतना बड़ा हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में एक घर में शादी समारोह 7 मार्च को समाप्त हुआ था। शादी समारोह के बाद घर परिवार के लोग मंगलवार की देर शाम चौथारी पूजा की तैयारी कर रहे थे। शादी समारोह में शामिल होने आए परिवार के कई लोग घर पर ही मौजूद थे। अचानक खाना बनाने के दौरान एक रसोई गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग को देखते ही घर के लोग उसे बुझाने के लिए प्रयास शुरू कर दिया। परिवार के लोगों ने आग बुझाने के लिए कंबल और पानी का छिड़काव करने लगे। बताया जा रहा है कि काफी प्रयास के बावजूद भी आग नहीं बुझी। इस दौरान वहां रखे गए दो सिलेंडर में अचानक ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट इतना भयावह था कि करकटनुमा घर को भी काफी नुकसान हो गया। साथ ही इस घटना में घर और शादी समारोह में शामिल होने आए आठ बच्चे, दो युवक और चार महिला घायल हो गईं। घायल बच्चों में बबलू कुमार 10 वर्ष, संध्या कुमारी 12 वर्ष, शुभम कुमार 4 वर्ष, प्रिया कुमारी 4 वर्ष, पीयूष कुमार 6 वर्ष,अमरजीत कुमार 8 वर्ष , संजीत कुमार 9 वर्ष, यीशु कुमार 6 वर्ष शामिल हैं। इसके अलावा दो युवकों में सोनू कुमार 25 वर्ष , अखिलेश महतो 24 वर्ष शामिल हैं।

सेटलमेंट के लिए आज आरा कोर्ट जाएंगे दोनों

भोजपुरी। के पावर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के तलाक मामले में आज आरा कोर्ट में सुनवाई होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि आज पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच सेटलमेंट हो जाएगा। हालांकि, इस मामले पर अभी पवन सिंह और ज्योति सिंह का ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। पवन सिंह के समर्थक लगातार दोनों की तस्वीरें लगाकर नए तरीके से जिंदगी शुरूआत करने की बधाई दे रहे हैं। ज्योति सिंह के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच सेटलमेंट की बात चल रही है। अब सेटलमेंट क्या है यह

केवल वही दोनों बता सकते हैं। वन टाइम सेटलमेंट है या कुछ और भी हो सकता है। या फिर साथ में रह भी सकते हैं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि अभी चुनाव का माहौल है, हो सकता है कि पवन जी को चुनाव लड़ना हो। पवन सिंह के वकील सुदामा प्रसाद ने बताया कि दोनों के बीच सेटलमेंट की बात हो रही है। सेटलमेंट में क्या बातें हुई है 13 मार्च यानी आज बुधवार को फैसला हो जाएगा। बता दें कि बीते दिन पहले एक वेरिफाइड अकाउंट राजीव कुमार सिंह ने फेसबुक पर पवन सिंह और ज्योति सिंह की शादी की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, ₹भाई एक बार फिर से अपनी जिंदगी की शुरूआत करने जा रहा है ज्योति जी के साथ।₹ वहीं, भोजपुरी सिंगर निरंजन विद्यार्थी ने फेसबुक पर लिखा है, ₹अब किसी की नजर ना लगे आप दोनों की जोड़ी को। अब दोनों एक हो गए।₹ पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह का आरा कोर्ट में तलाक का मामला कई दिनों से चल रहा है। ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। तलाक के मामले को लेकर आरा फैमिली कोर्ट की जज श्वेता सिंह के सामने ज्योति सिंह ने कई बार हाजिरी लगाई। यह भी जानकारी मिली थी कि ज्योति सिंह ने पवन सिंह से तीन करोड़ रुपए और नोएडा में एक घर मांग रही थीं। हालांकि, पवन सिंह ने सहूलियत के हिसाब से ज्योति को एक करोड़ रुपए देने की बात कही थी। वहीं, पवन सिंह के वकील सुदामा सिंह के अनुसार केवल सोशल मीडिया के सामने ही ज्योति सिंह पवन सिंह के साथ रहने की बात करती हैं, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। पवन सिंह ने ज्योति से दूसरी शादी की है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी 24 घायल

रोहतास। में बुधवार को श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 24 से ज्यादा घायल हैं। सभी चेनारी थाना क्षेत्र के गुप्ता धाम मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ये हादसा हो गया। सभी घायलों का उल्ऊ चेनारी में प्राथमिक इलाज किया गया, यहां से कुछ घायलों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सभी बच्चे का मुंडन कराने जा रहे थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। घायलों में भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विश्व पूरा गांव निवासी रितेश गौड़ का बेटा पवन गौड़(4), कंचन देवी पति विजय कुमार गौड़, रंजन कुमार पिता

संतोष गौड़ और दरोगा गौड़ पिता रामदेव गौड़ शामिल हैं। जिन्हें सीएचसी में इलाज के बाद सदर अस्पताल, सासाराम के ट्रॉमा सेंटर लाया गया है। सासाराम एसडीएम आशुतोष रंजन ने बताया कि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेजा गया है। घायलों को सीएचसी में ले जाया गया है, जहां से कुछ को रेफर कर दिया गया। गुप्ताधाम कैमूर की पहाड़ी के जंगलों से घिरा हुआ है। यहां पहुंचने के लिए पहाड़ों से होकर गुजरना पड़ता है। इस पहाड़ से दुर्गावती नदी गुजरती है। मंदिर पहुंचने के बाद शिवलिंग तक जाने के लिए अंधेरी गुफा से होकर रास्ता जाता है। यहां बक्सर से गंगाजल लेकर शिवलिंग पर चढ़ाने की परंपरा है। गुफा में घोर अंधेरा होता है, बिना किसी लाइट के अंदर जाना संभव नहीं है। पहाड़ी पर स्थित इस पवित्र गुफा के द्वार पर जाने के बाद सीढ़ियों से नीचे उतरना पड़ता है। गुफा में लगभग 363 फीट अंदर जाने पर बहुत बड़ा गड्ढा है, जिसमें सालभर पानी रहता है। इसलिए इसे ह्यपातालगंगाह्ल कहते हैं। इस मंदिर के बारे में ये भी बताया जाता है कि भस्मासुर से भयभीत होकर भगवान शिव को भागना पड़ा था तो वह इसी धाम की गुफा में आकर छुपे थे। भगवान विष्णु ने पार्वती का रूप धारण करके भस्मासुर को अपने सिर पर हाथ रखकर नृत्य करने का प्रस्ताव रखा था। देवी पार्वती से शादी करने के लालच में भस्मासुर ने जब अपने सिर पर हाथ रखकर नृत्य शुरू किया, तो भगवान शिव से प्राप्त किए गए वरदान के कारण वह जलकर भस्म हो गया।

लोन दिलाने के नाम पर करते थे ठगी का काम पुलिस को देख 5 फरार

नालंदा। की कतरीसराय थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। जहां पुलिस दो साइबर ठग को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़ा गया साइबर ठग कतरीसराय थाना क्षेत्र के मिर्चायगंज निवासी हंसराज गुप्ता का (19) वर्षीय पुत्र अजय हंसराज एवं रंजीत प्रसाद का (24) वर्षीय पुत्र अंकित राज गुप्ता है। राजगीर डीएसपी प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की कतरीसराय थाना क्षेत्र के मिर्चायगंज स्थित राज गुप्ता के घर में साइबर ठग का जमावड़ा लगा हुआ है। जो फर्जी सीमा एवं फर्जी खाता का उपयोग कर भोले-

भाले लोगों को लोन दिलाने एवं लॉटरी जीतने का प्रलोभन देकर ठगी कर रहे हैं। पुलिस ने उक्त घर की घेराबंदी की इसके उपरांत दो अपराधियों को पकड़ा गया। वहीं, पांच अपराधी भागने में सफल रहे। जिनके पास से 24 मोबाइल, 02 लैपटॉप, 05 एटीएम कार्ड, 16 सिम कार्ड एवं 60 हजार 2 सौ रुपए गया है।

फतुहा में शादी के बाद चौठारी पूजा का खाना बना रहे थे

पटना। के फतुहा थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में शादी के बाद मंगलवार की देर रात खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। इस घटना में महिला, पुरुष, बच्चे सहित 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फतुहा थाना प्रभारी ने बताया कि सुल्तानपुर गांव में गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने की सूचना मिली थी। कई लोग घायल हो हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि 7 मार्च को सुल्तानपुर गांव में एक घर में शादी हुई थी। शादी खत्म होने के बाद मंगलवार की शाम चौठारी पूजा को लेकर खाना बनाने का काम चल रहा था। खाना बनाने में परिवार के कई लोग एक-दूसरे

की मदद कर रहे थे। अचानक खाना बनाने के दौरान गैस लीक होने से आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही परिवार के कई पुरुषों ने आग को बुझाने के लिए कंबल और पानी का छिड़काव करना शुरू कर दिया। अचानक दो सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। इस हादसे में शादी समारोह में आए परिवार के महिला, पुरुष, बच्चों सहित 12 से ज्यादा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में अनिता कुमारी 20 वर्ष, यीशु कुमार महतो 25 वर्ष ,चानू कुमार 10 वर्ष शामिल हैं।

जिसे कोर्ट ने दी थी राहत पुलिस ने भेजा जेल अब देना होगा

भागलपुर। मादक पदार्थ अधिनियम से जुड़े जगदीशपुर थाने के एक केस में पुलिस ने अजब-गजब का खेल खेलते हुए उच्च न्यायालय से राहत पाए पीड़ित को जेल भेज दिया।आरोपित दयानंद यादव को गिरफ्तार करने गए जगदीशपुर थानाध्यक्ष गणेश कुमार को पीड़ित की पत्नी कोमल ने गिरफ्तारी पूर्व उच्च न्यायालय पटना के उस आदेश की कापी दिखाई। उन्होंने कहा कि देखिए जिस केस में उनके पति को फंसाया गया उस मामले में उनकी निर्दोषता सम्बंधित

दस्तावेज आदि संलग्न करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। जिसकी सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ने गिरफ्तारी पर फाइनल रिपोर्ट आने तक रोक लगा दी थी। उक्त आदेश की अनदेखी करते हुए जगदीशपुर थानाध्यक्ष ने पुलिस बल के साथ घर से दयानंद यादव को गिरफ्तार कर लिया। मादक पदार्थ अधिनियम की सुनवाई वाली विशेष अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया। जहां से पीड़ित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जिस दिन दयानंद को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। वह रविवार का दिन था। पीड़ित के परिजन बदहवास हालत में कचहरी परिसर भी पहुंचे, लेकिन उन्हें वहां की रिमांड कवायद की जानकारी न्यायालय के बंद नहीं होने के कारण पता नहीं चल सका। न्यायालय सत्र के प्रारंभ होते ही पीड़ित की पत्नी ने आपराधिक मामलों के वरीय अधिवक्ता प्रेमनाथ ओझा के जरिए अर्जी दी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश नारायण सेवक पांडेय ने दाखिल अर्जी में जब उच्च न्यायालय की तरफ से पीड़ित को उक्त केस में पूर्व से मिली राहत आदेश देखा तो तत्काल जेल भेजे गए दयानंद यादव को मुक्त करने का आदेश दिया। यही नहीं भागलपुर के एसएसपी आनंद कुमार से मामले में स्टेटस रिपोर्ट मांग ली है। दयानंद को भी विशेष न्यायालय ने यह अंडरटेक देने को कहा है कि वह न्यायालय में जब भी उपस्थिति की बात होगी सशरीर उपस्थित रहेंगे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर पीड़ित को विशेष केंद्रीय कारा से मंगलवार को मुक्ति मिल गई। पीड़ित अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा को जो चोट पहुंची, उसको लेकर पुलिस की इस विद्वेषपूर्ण कार्रवाई के विरुद्ध उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेगा। दयानंद ने कहा कि वह और उसकी पत्नी थानाध्यक्ष गणेश कुमार को उच्च न्यायालय का आदेश दिखा अनुरोध करती रही लेकिन उनका व्यवहार काफी खेदजनक रहा।

अतार्किक विरोध

यह तो तय था कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, यानी सीएए के नियमों को लागू करने संबंधी अधिसूचना जिस किसी दिन भी जारी होगी, इसे लेकर एक बार फिर राजनीतिक मोचेबंदी देखने को मिलेगी और सियासी पार्टियां अपने मुफीद मोर्चे पर जा खड़ी होंगी। ऐसे में, पश्चिम बंगाल और केरल के बाद अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन का रुख भी अप्रत्याशित नहीं है। सीएए को संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध बताते हुए उन्होंने एलान किया है कि वह इसे तमिलनाडु में लागू नहीं होने देंगे। विडंबना यह है कि जिस संविधान की दुहाई देते हुए ये मुख्यमंत्री सीएए कानून को अपने-अपने प्रदेश में लागू न होने देने की बात कह रहे हैं, वही उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं देता! हमारे संविधान निमार्ताओं ने संघीय ढांचे का प्रारूप तय करते समय ऐसे संभावित हालात पर काफी बहस-विमर्श के बाद अधिकारों का स्पष्ट बंटवारा किया था और उनकी तीन विषय-सूची बनाई थी- केंद्रीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। नागरिकता केंद्रीय सूची का विषय है। इससे जुडे. कानून को राज्य सरकारें नकार नहीं सकतीं। अलबत्ता, असहमति की सूरत में वे शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट संविधान का संरक्षक है। ऐसा नहीं है कि ये मुख्यमंत्री इस हकीकत से नावाकिफ हैं या सीएए संबंधी अधिसूचना अचानक उनके सामने आ प्रकट हुई है। गृह मंत्री अमित शाह पूर्व में कई बार कह चुके थे कि आम चुनाव से पहले इसे लागू कर दिया जाएगा। निस्संदेह, इस अधिसूचना के जारी किए जाने के समय के अपने राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं, मगर इसका मुकाबला भी इन मुख्यमंत्रियों को राजनीतिक रूप से ही करना चाहिए। पर इसके विरोध में यह कहना कि वे इस कानून को अपने यहां लागू नहीं होने देंगे, कहीं न कहीं सांविधानिक शपथ का उल्लंघन है। जब केरल सरकार ने खुद संविधान के अनुच्छेद-131 के तहत इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी है, बल्कि इस संदर्भ में सौ से भी ज्यादा याचिकाएं दायर हैं और केंद्र ने भी अदालत में दायर अपने शपथपत्र में कह रखा है कि यह कानून किसी भी भारतीय नागरिक की नागरिकता को प्रभावित नहीं करता, तो सांविधानिक पद पर बैठे स्टालिन जैसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट के ऊपर भरोसा करना चाहिए। अदालत का फैसला इसकी वैधानिक स्थिति तय कर देगा। दरअसल, हाल के वर्षों में केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ राजनेताओं की सियासी प्रतिद्वंद्विता जिस तरह शासकीय टकराव में तब्दील होती गई है, उससे निकट भविष्य में देश के संघीय ढांचे के आगे गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। जांच एजेंसियों के बीच कटु टकराव के अब कई उदाहरण हमारे सामने हैं। मगर कानून-व्यवस्था राज्य के विषय हैं, इसलिए मुख्यमंत्रियों को किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करते हुए हमेशा यह याद रखना चाहिए कि किसी किस्म के धार्मिक-जातीय ध्रुवीकरण से उनके राज्य के सामाजिक ताने-बाने को गंभीर चोट पहुंच सकती है। सीएए विरोधी पिछले प्रदर्शनों में ही किस पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ था, इसे हम अभी भूले नहीं हैं।

नाम और बॉन्ड

अप्रैल 2019 के बाद से चुनावी बॉन्ड खरीदने वालों और उन्हें भुनाने वाली पार्टियों का विवरण पेश करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को थोड़ा और वक्त देने से इनकार करने के सुप्रीम कोर्ट के कदम ने इस खुलासे को आम चुनाव तक टालने करने की एक गलत कोशिश को विफल कर दिया है। एसबीआई को अब 12 मार्च के अंत तक भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के समक्ष इन बॉन्डों के खरीदारों के नाम, इन्हें खरीदने की तारीख और मूल्य के विवरण का खुलासा करने के लिए कहा गया है। बैंक को तारीखों और मूल्य के साथ उन पार्टियों के नाम का भी खुलासा करना होगा जिन्होंने इन बॉन्डों को भुनाया है। ईसीआई को 15 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर इस जानकारी को सार्वजनिक करना होगा। आगामी 30 जून तक का समय देने के लिए बैंक के आवेदन का नतीजा यह हुआ है कि अब यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि उसे अपने पास उपलब्ध डेटा का खुलासा करना होगा और पार्टियों के साथ दाताओं के नामों का मिलान करने की कोशिश की जरुरत नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने वाले 15 फरवरी के फैसले के हिस्से के रूप में संविधान पीठ के प्रारंभिक निदेर्शों का अर्थ यह लगाया गया था कि एसबीआई को प्राप्तकताओं के साथ सभी खरीदारों का सटीक मिलान करना जरुरी है। बैंक ने इसे ह्लवक्त लगने वालीह्व प्रक्रिया माना, क्योंकि विवरण अलग-अलग भंडारों (साइलो) में रखे हुए हैं और वे डिजिटल प्रारूप में संग्रहीत नहीं हैं। वक्त देने के बैंक के आवेदन को खारिज करके और अवमानना कार्रवाई के खतरे को बरकरार रखकर, अदालत ने एक संदेश दिया है कि वह अब और देरी बर्दाश्त नहीं करेगा। पीठ ने 6 मार्च की समय सीमा से सिर्फ दो दिन पहले वक्त देने के लिए आवेदन दाखिल करने से पहले तक अदालत के आदेश का पालन करने की दिशा में साधी गई बैंक की चुप्पी पर भी सही ही सवाल उठाया है। अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि दोनों डेटासेटों का हस्तचालित (मैन्युअल) तरीके से मिलान करने में भी उतना वक्त नहीं लगता, जितना कि एसबीआई चाहती थी। एक सवाल यह उठ सकता है कि क्या मतदाताओं के सूचना के अधिकार, जो अज्ञात चंदा योजना को असंवैधानिक ठहराने का अदालत का आधार है, की पूर्ति किसने किस पार्टी को कितना चंदा दिया से संबंधित प्रामाणिक डेटा के बिना, महज बॉन्ड खरीदने वालों और धन हासिल करने वाली पार्टियों के नामों के खुलासा मात्र से हो जायेगी।

छोड़ें बीड़ी-सिगरेट और रहें स्वस्थ

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मन-मस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं।

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च के दूसरे बुधवार को नो स्मोकिंग डे (धूम्रपान निषेध दिवस) मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 13 मार्च को मनाया गया। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मन-मस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और

बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्युशैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्ष में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेट के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए। सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है। बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। संगठन के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

दांव पर क्षेत्रीय नेताओं का भविष्य

अगर शांति काल में युद्ध होता है, तो ऐसा चुनाव के दौरान होता है। कभी शासक हमले का समय तय करने के लिए दरबारी ज्योतिषियों की सलाह पर निर्भर होते थे। विडंबना यह है कि चीजें जितनी बदलती हैं, उतनी ही पहले जैसी बनी रहती हैं। उद्योगपति, बाजार विशेषज्ञ, विचारधारा से ग्रस्त बुद्धिजीवी और चुनाव ज्ञानी जैसे चुनावी पंडित कॉकटेल पार्टियों या टीवी पर संख्या का खेल कर अपने श्रोताओं की भूख शांत करते हैं। लोकसभा चुनाव के पहले नेताओं के उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना उनका शगल है। कांग्रेस के लिए मृत्युलेख लिखना सामान्य खेल है। नरेंद्र मोदी ने पहले ही अपनी पार्टी की जीत की घोषणा कर दी है। खोखले दक्षिणपंथी विशेषज्ञ कांग्रेस को 50 से कम सीटें दे रहे हैं। जुझारू राष्ट्रीय पार्टी की अनुपस्थिति में अब विपक्ष के क्षेत्रीय क्षत्रपों को अपने यहां मोदी का रथ रोकना है या विलुप्त हो जाना है। लोकसभा का चुनाव केवल मोदी की तीसरी पारी के बारे में नहीं है, बल्कि ममता बनर्जी, शरद पवार, एमके स्टालिन, सिद्धारमैया और रेवंत रेड्डी की क्षेत्रीय विचारधाराओं के राजनीतिक स्थायित्व के बारे में भी है। अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव यह सिद्ध करना होगा कि वे अपने प्रख्यात पिताओं के योग्य उत्तराधिकारी हैं, जिन्होंने अपने राज्यों पर मजबूत पकड़ बनाकर रखी थी और प्रधानमंत्रियों को बनाने एवं नहीं बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। उत्तर भारत में कांग्रेस सीधी लड़ाई में भाजपा को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं है। लोकसभा का बहुमत उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड, पंजाब और दिल्ली के नतीजों पर निर्भर करेगा। इन राज्यों में 348 सीटें है, जिनमें भाजपा के पास 169 तथा इंडिया गठबंधन के पास 126 सीटें हैं। शेष भारत राष्ट्र समिति जैसी छोटी क्षेत्रीय पार्टियों, वामपंथी पार्टियों और अन्यों के पास हैं। उत्तर प्रदेश 50 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भविष्य तय करेगा, जिनके पिता की बड़ी हैसियत के कारण एक बार समाजवादी पार्टी ने 36 लोकसभा सीटें और विधानसभा में लगभग 60 प्रतिशत सीटें जीती थी। साल 2012 में अखिलेश ने राज्य में विजय पायी थी, पर उसके बाद वे लगातार हारते रहे हैं। साल 2019 में उन्होंने मायावती से गठबंधन किया था, पर पांच सीट ही जीत सके थे। इस बार वे राहुल गांधी के साथ जुड़े हैं। मोदी और योगी सभी 80 सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं। क्या राम मंदिर के उत्साह से भरपूर भगवा लहर को अखिलेश की लोकप्रियता रोक सकेगी? मायावती के किनारे होने और उनकी संदेहास्पद राजनीति की स्थिति में क्या वे दो अंकों में पहुंचेंगे और कांग्रेस को सीटें जोड़ने में मददगार होंगे? बिहार में 34 साल के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव या तो अस्त हो जायेंगे या अपने पिता लालू यादव के योग्य उत्तराधिकारी के रूप में राजगद्दी हासिल करेंगे। अभी लोकसभा में राजद का एक भी सदस्य नहीं है और उसकी सहयोगी कांग्रेस 2019 में केवल एक सीट जीत पायी थी। शेष 39 सीटें भाजपा-नीतीश कुमार की झोली में गयी थी। बिहार में तेजस्वी के पास अपनी जगह बनाने और राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने का मौका है। मोदी की संख्या पर असर से उनकी ताकत का आकलन होगा। क्या वे अपनी मेहनत से खाता खोल सकेंगे? महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे की भावी प्रासंगिकता का निर्णय होगा। ये दोनों राष्ट्रीय पहुंच वाले सत्ता के स्थानीय खिलाड़ी हैं। वे दशकों से राज्य की राजनीति पर हावी हैं, पर हाल में दल-बदल में दोनों ने अपने दल खो दिये हैं। यह चुनाव तय करेगा कि वे अपने काडर और सांगठनिक समर्थन को बरकरार रख सकते हैं या नहीं। साल 2019 में पवार, जिनके पास अब नया चुनाव चिह्न है, भाजपा-शिव सेना गठबंधन के विरुद्ध केवल चार सीटें जीत सके थे। शिव सेना को 18 सीटें मिली थीं, जिनमें से अधिकतर अवसरवादी आशावाद के चिकने फर्श को पारकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिव सेना में शामिल हो चुके हैं। पवार भी अपने लगभग सभी सांसद और विधायक खो चुके हैं। पवार और ठाकरे के करिश्मे की परीक्षा इस बार है। पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी और मोदी के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई है। पिछली बार लोकसभा में 18 और फिर विधानसभा में 77 सीटें जीतकर भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया था। मोदी ने 370 के लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य में 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बीते दो साल से पश्चिम बंगाल युद्ध क्षेत्र बना हुआ है। दमदार ममता ने भाजपा को राज्य से बाहर करने की प्रतिज्ञा ली है। उनका व्यक्तिगत अस्तित्व और उनकी पार्टी का भविष्य उनकी जीती सीटों से जुड़ा हुआ है। उनकी हार से विधानसभा चुनाव में भगवा झंडा लहराने का रास्ता बन जायेगा और उनकी जीत का मतलब है कि बंगाल में उनका राज कायम रहेगा। तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक के तेजी से गायब होते जाने के साथ 71 साल के एमके स्टालिन और द्रविड़ पहचान को भाजपा की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। राज्य की 39 सीटों में 23 द्रमुक और आठ कांग्रेस के पास हैं। भाजपा ने 15 सीटों का लक्ष्य तय किया है। भाजपा जाति समीकरण को तोड़ने और सनातन गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है। ऐसे में स्टालिन को जीत के लिए नये द्रविड़ अस्त्र की आवश्यकता होगी। केरल में दो सेकुलर गठबंधनों- सीपीएम के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा और कांग्रेस की अगुवाई में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट- के प्रतिरोध के कारण भाजपा कभी एक सीट भी नहीं जीत पायी है। पहली बार इन गठबंधनों को भाजपा से अच्छी चुनौती मिल रही है। कांग्रेस को 20 में 15 सीटें स्थानीय बुजुर्ग नेताओं के कारण मिली हैं। वाम मोर्चा 71 वर्षीय मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर निर्भर है। क्या इस बार भाजपा के लिए द्वार खुलेंगे?

Social Media Corner

सच के हक में...

पिछड़े और वंचित वर्गों का कल्याण हमारी प्राथमिकता रही है। इसी दिशा में आज शाम करीब 4 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का हिस्सा बनूंगा। यहां सफाई मित्रों की स्वास्थ्य-सुरक्षा से जुड़ी एक नई पहल की शुरूआत भी होगी।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड के सभी प्राथमिक विद्यालयों में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के शिक्षकों की नियुक्ति को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी मिल गई है। राज्य की स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा स्कूलों में ड्रॉप आउट रेट घटाने की दिशा में यह बेहद कारगर कदम साबित होगा।

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में हर प्रतियोगी परीक्षा संदेह के घेरे में आ रही है। पिछले हफ्ते स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक का रिजल्ट प्रकाशित हुआ लेकिन इसमे भी एक विशेष परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के अप्रत्याशित संख्या में मेधा सूची में नाम आने से हेराफेरी की संभावना नजर आने लगी है। यदि परीक्षा केंद्र या एजेंसी की कारगुजारी से सीटों को बेचने का प्रयास हुआ है, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

खालिस्तान समर्थकों से लोहा लेते हैं गुरुदेव निडर सिंह निहंग

भारतीय शस्त्र विद्या में पारंगत और लंदन में जन्मे गुरुदेव निडर सिंह निहंग ब्रिटेन और कनाडा में अकसर खालिस्तान समर्थकों से लोहा लेने पर सुर्खियों में रहते हैं। वह साफ कहते हैं कि खालिस्तानी समर्थक मूर्ख हैं। भारत में इनके मंसूबे कभी पूरे नहीं हो सकते। छह फुट एक इंच लंबे 57 वर्षीय गुरुदेव में युवाओं जैसा जोश है। वह इन दिनों युवाओं को शस्त्र विद्या का ज्ञान देने के लिए भारत में हैं। वह गोवा, गुजरात आदि राज्यों में शिविर लगाने के बाद दिल्ली-एनसीआर आए हैं। इस दौरान गाजियाबाद के बैटलफील फाइट क्लब में उनकी भारत के मौजूदा परिदृश्य पर चर्चा हुई। बातचीत में गुरुदेव कभी अपने लक्ष्य से नहीं भटकते। उन्होंने अपना जीवन शस्त्र विद्या का ज्ञान बांटने को लेकर समर्पित कर दिया है। वह कहते हैं कि अगर यह विद्या लुप्त हो गई तो दुनिया खासतौर पर भारत को बहुत बड़ी क्षति होगी। वह चाहे जापान की शस्त्र विद्या हो। चाहे चीन की शस्त्र विद्या हो और चाहे आधुनिकतम मार्शल आर्ट। सबका मूल आधार भारतीय शस्त्र विद्या है। यह स्व रक्षा के लिए बेहतर विकल्प है। यह आत्मरक्षा के लिए सबसे बड़ा साधन है। यह जंगी विद्या भी है। शस्त्र संचालन के ज्ञान से परिपूर्ण निहत्था योद्धा हथियारों से लैस दुश्मन को धूल चटाने में सक्षम होता है। वह उदाहरण देते हैं। कहते हैं, अमृतसर का चौरासी के कई बरस बाद का वाकया है। तब भी वहां की फिजा में खालिस्तान का नारा गूंज रहा था। वह विरोध करने वहां पहुंच गए। स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने पहुंचे तो वहां ऐसे ही लोगों से सामना हो गया। वह निहत्थे होते हुए भी अकेले भिड़ गए। आखिर में उन सबको भागना पड़ा। गुरुदेव निडर सिंह का कहना है कि आज का भारत बहुत बदल गया है। वह सक्षम भारत है। वह अपनी आत्मरक्षा के लिए स्वाभिमान से भरा हुआ है। ऐसा राष्ट्र कभी किसी से नहीं डरता। आज का भारत अगर अपनी सनातनी शस्त्र विद्या से पारंगत हो जाए तो वह विश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र होगा। बच्चा-बच्चा वीर होगा। घर-घर जांबाज होगा। तब कोई भी आंख तरेरने की हिम्मत नहीं करेगा। ब्रिटिश नागरिक गुरुदेव निडर सिंह निहंग अब हर साल भारत आते हैं। महीने-दो चार महीने रहते हैं। इस दौरान किशोर और युवा पीढ़ी को शस्त्र चलाने के गुर सिखाते हैं। लंदन में पले-बढ़े और पढ़े गुरुदेव दुनिया के कई देशों के सैनिकों को इस विद्या का प्रशिक्षण दे चुके हैं। वह कहते हैं कि टेक्सेस रेंजर (पुलिस) के जवानों ने तो इसमें काफी दिलचस्पी ली। कनाडा, अमेरिका, जर्मनी और इंग्लैंड में लोग अब इस विद्या को जानने-समझने-सीखने में दिलचस्पी लेने लगे हैं। गुरुदेव निडर सिंह का कहना है कि इस भारतीय शस्त्र विद्या पर अंग्रेजों ने पाबंदी लगाई थी। अंग्रेजों ने पंजाब में 1849 से लगातार 11 साल तक इस विद्या को जोर-जुल्म से दबाने का प्रयास किया। पिंड, कस्बा और शहर में गतका खेलों पर पाबंदी लगा दी। अंग्रेजों का मकसद था कि यह लोग पारंपरिक स्व रक्षा के तौर-तरीके भूल जाएं, जिससे इनको आसानी से दबाया जा सके। अंग्रेजों ने ऐसा भारत के हर राज्य में किया। बावजूद इसके कुछ जानकार लोग इस विद्या का चोरी-छुपे अभ्यास करते रहे, जिससे वह जिंदा रही। आत्म रक्षार्थ अद्वैत विद्या सबसे अच्छी है। वह कहते हैं,-"यह सांस्कृतिक अभियान है। बच्चों और युवाओं को शुरू से ही इस अभियान से जुड़ना चाहिए। इसमें जब वो पारंगत हो जाएं तो आगे का लक्ष्य तय कर करें।" गुरुदेव कहते हैं कि यह सुखद है कि इस विद्या के प्रति ग्लोबल अवेयरनेस बढ़ी है। भारत का युवा भी तेजी से इसे सीखने में रुचि दिखा रहा है। बातचीत में उन्होंने अपने बूढ़ा दल के गुरु अकाली निहंग बाबा मोहिंदर सिंह का स्मरण भी किया। कहते हैं," मैं 1984 में माता-पिता के साथ लंदन से अपने पुश्तैनी पिंड शादीपुर (जालंधर) आया था।

राजनीति और उपेक्षा

अकेडमी अवॉर्ड के 96वें संस्करण का सबसे जीवंत पल डोनाल्ड ट्रंप के सौजन्य से आया। समारोह के उद्घोषक जिमी किमेल को हॉलीवुड की इस सबसे बड़ी रात को चटकदार बनाने के लिए शायद आतिशबाजी की कमी महसूस हुई, क्योंकि इस बार न कोई थप्पड़ कांड था, न ही ऑस्कर-बाद की विविधता संबंधी बहस को खुराक देने के लिए नाटू नाटू का उन्मत्त नाच। किमेल ने इसकी भरपाई के लिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की खिंचाई का दांव खेला। इससे पहले ट्रंप ने किमेल की उद्घोषणा शैली की आलोचना की थी। अंतिम पुरस्कार से चंद मिनट पहले, मंच से ट्रंप का पोस्ट पढ़ते हुए, किमेल ने शांत भाव से पलटवार किया, मैं हैरान हूं, क्या आपका जेल का समय बीत नहीं गया है? निष्पक्ष ढंग से बात करें तो, ऑस्कर नाइट के बारे में ट्रंप का वह चिढ़-भरा आकलन पूरी तरह गलत नहीं था जो अति-प्रत्याशित ढंग से सामने आया। दौड़ में सबसे आगे चल रही, क्रिस्टोफर नोलन की द्वितीय विश्वयुद्ध- कालीन कृति ओपेनहाइमर ने अपने 13 नामांकनों में से सात को जीत में बदला। इसमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी शामिल है, जो परमाणु बम के जनक जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर की भूमिका निभाने वाले सिलियन मर्फी को मिला। यकीनन यह नोलन के लिए एक गौरवशाली पल था, जिन्हें इससे पहले छह मौकों पर ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया था। ऑस्कर से पहले, इस बात को लेकर थोड़ी चिंता थी कि हो सकता है ओपेनहाइमर अकेडमी के नये विविधता मानकों को पूरा नहीं कर पाए। शायद अकेडमी के वोटरों में पिछले साल की एक अन्य वैश्विक हिट के वींधते गुलाबी रंग के मुकाबले ओपेनहाइमर के विषादपूर्ण छत्रक बादलों [परमाणु विस्फोट के समय बनने वाले मशरूम जैसे बादलों] का दबदबा रहा। ग्रेटा गेरविग की बार्बी को सिर्फ एक पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत) से संतोष करना पड़ा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

डॉक्टरों और हेल्थकेयर से जुड़े लोगों को उपहार और फ्री सैंपल देने पर लगेगी रोक

- सरकार ने फार्मा मार्केटिंग प्रैक्टिस को लेकर नोटिफाई किया यूनिफॉर्म कोड

नई दिल्ली ।

फार्मा सेक्टर में दवाओं और फार्मा उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए कई कंपनियां डॉक्टरों और हेल्थकेयर से जुड़े लोगों को उपहार और अन्य सुविधाएं देती आ रही थी। सरकार ने अब इस पर रोक लगा दी है। सरकार ने फार्मा मार्केटिंग प्रैक्टिस को लेकर यूनिफॉर्म कोड यानि यूसीपीएमपी 2024 को नोटिफाई कर दिया है। इस कोड में मार्केटिंग से जुड़ी गतिविधियों के मद्देनजर कंपनियों, डॉक्टरों, हेल्थकेयर से जुड़े लोगों के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। हाल ही में जारी इस दिशानिर्देश में कंपनियों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित करने से रोक लगाई गई है। इसी के साथ कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर ऐसी कार्यशालाओं के बारे में पूरा विवरण भी बताना होगा, जिसमें उनके द्वारा किए गए खर्च का ब्यौरा शामिल है। कंपनियां स्वतंत्र या जोखिम-आधारित ऑडिट के अधीन हो सकती हैं। कोड में ये बताया गया है कि इन गाइडलाइन्स का पालन करने के लिए फार्मा कंपनी के सीईओ जिम्मेदार होंगे और हर वित्त वर्ष के खत्म होने पर दो महीने के भीतर फार्मा कंपनी के कार्यकारी द्वारा एसोसिएशन को इसे लेकर सेल्फ डिक्लरेशन दी जाएगी। इस डिक्लेरेशन को एसोसिएशन की वेबसाइट या फिर सीधे यूसीपीएमपी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। कोड के अनुसार, फार्मा कंपनियों या उनके प्रतिनिधि हेल्थकेयर प्रोफेशनल या उनके परिवार के सदस्यों को देश में या बाहर घूमने की सुविधाएं ऑफर नहीं कर सकते। इसके अलावा हेल्थ प्रोफेशनल या उनके परिवार के सदस्यों को कैश आदि भी नहीं दिया जा सकता। कंपनियां अगर डॉक्टरों को फ्री सैंपल दे रही हैं तो उन्हें इसका पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। साथ ही कंपनियां सालाना घरेलू बिक्री का 2 फीसदी से ज्यादा फ्री सैंपल के रूप में नहीं बांट सकती है।

मारुति रेलवे के जरिये सालाना 3,00,000 कारों की ढुलाई कर सकेगी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों हंसलपुर संयंत्र में भारत की पहली इन-प्लांट ऑटोमोबाइल रेलवे साइडिंग का उदघाटन किया। इसकी बदौलत मारुति रेलवे के जरिये सालाना 3,00,000 कारों की ढुलाई कर सकेगी। इस पूरी परियोजना की लागत 1,081 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहें तो भले ही हमें इस परियोजना के कारण कुछ न बच रहा हो, लेकिन फिर भी हमें काफी खुशी होगी क्योंकि इससे हमें बड़ा पैमाना मिल रहा है। यह कारों की ढुलाई का बहुत ही सुरक्षित, कुशल और स्वच्छ तरीका है। अगर रेल का बुनियादी ढांचा नहीं होता तो हमें क्षमता संबंधी बाधा झेलनी पड़ती। वित्तीय बचत के बिना भी यह कारों के परिवहन का बेहतर तरीका है। इस नई लाइन का परिचालन साल 2026-27 से शुरू होगा। साल 2023-24 के पहले 11 महीने के दौरान मारुति ने रेलवे के जरिये 4,09,000 गाड़ियों की ढुलाई की थी जबकि शेष गाड़ियां सड़क मार्ग से भेजी गई थीं। नई लाइन के कारण इसमें काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक रेक (ट्रेन) 270 से 300 कारें ले जाती है और इसलिए यह 40 ट्रकों का स्थान ले लेती है। इसलिए नई रेलवे साइडिंग के कारण लगभग 50,000 ट्रकों के फेरे कम हो जाएंगे जिससे हमें 3.5 करोड़ लीटर जीवाश्म ईंधन बचाने में मदद मिलेगी।

फ्लिपकार्ट भी बड़े शहरों में बनाएगी हजारों डार्क स्टोर

- कंपनी स्टोर स्थापित करने उद्यमियों एवं किराना दुकानों से कर रही है बात

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट देश के बड़े शहरों में हजारों डार्क स्टोर स्थापित की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार वॉलमार्ट नियंत्रित फ्लिपकार्ट अगले कुछ महीनों में लोगों का ऑर्डर किया सामान जल्दी से जल्दी पहुंचाने की तैयारी कर रही है। ई-कॉमर्स क्षेत्र में डार्क स्टोर उन किराना स्टोर को कहा जाता है, जो ऑर्डर मिलने के बाद झट से सामान ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए खोले जाते हैं। कंपनी ऐसे स्टोर स्थापित करने के लिए विभिन्न उद्यमियों एवं किराना दुकानों से बात कर रही है। मगर कंपनी इन डार्क स्टोर पर मालिकाना नियंत्रण नहीं रखेगी। कंपनी के इस कदम से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी मिल सकते हैं। एक सूत्र ने कहा कि इन दिनों सभी का जोर ग्राहकों के ऑर्डर जल्द से जल्द पहुंचाने पर है। फ्लिपकार्ट को मालूम है कि बाजार में अपनी पकड़ मजबूत रखने के लिए उसे समय के साथ अपनी तैयारी भी दुरुस्त रखनी होगी। ग्राहकों तक कम से कम समय में ऑर्डर पहुंचाना कंपनी की इसी रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के पास ऐसे ऑर्डर बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जिनमें ग्राहक मनमाफिक सामान कम से कम समय में पाना चाहते हैं। ऐसे ऑर्डर फल-सब्जियों एवं अनाज ही नहीं बल्कि सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, घर सजाने के सामान और वेलनेस की चीजों के लिए भी आ रहे हैं क्योंकि लोग अब ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहते। फ्लिपकार्ट ने हाल में अपनी मूल कंपनी वॉलमार्ट एवं दूसरे निवेशकों से 60 करोड़ डॉलर रकम जुटाई थी। सूत्रों का कहना है कि कंपनी कुल 1 अरब डॉलर जुटाने के लिए निवेशकों से बातचीत कर रही है। पिछले कुछ महीनों के दौरान आपूर्ति क्षमता बढ़ाने और 20 शहरों में ऑर्डर मिलते ही उसी दिन सामान पहुंचाने जैसी सुविधाओं पर बड़े निवेश किए हैं।

पेटीएम एनएचएआई की सूची से बाहर

एनएचएआई की संशोधित सूची में 39 बैंकों के नाम शामिल

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से पेटीएम पर लगाई गई रोक के बाद अब नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने फास्टैग जारी करने वाले बैंकों की लिस्ट को रिवाइज कर दिया है। एनएचएआई द्वारा जारी की गई फास्टैग इश्यू करने वालों की सूची में पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड का नाम नहीं है। ग्राहक अब पेटीएम से फास्टैग नहीं ले पाएंगे। एनएचएआई की संशो धित सूची में केवल 39 बैंकों के नाम शामिल किए गए हैं, जिनसे फास्टैग लिया जा सकता है। इस सूची में ऑथराइज्ड बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के नाम हैं। अब फास्टैग इन बैंकों से ले सकेंगे- एयरटेल पेमेंट्स बैंक, एक्सिस बैंक लिमिटेड, बंधन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यस बैंक जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। एनबीएफसी की सूची में- इलाहाबाद बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड, कॉसमॉस बैंक, इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक, फेडरल बैंक, फिनो पेमेंट बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, डोंबिवली नगरी सहकारी बैंक, जेएंडके बैंक, कर्नाटक बैंक, करूर वैश्य बैंक, लिवक्विक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, पंजाब महाराष्ट्र बैंक, सारस्वत बैंक, साउथ इंडियन बैंक, सिंडिकेट बैंक, द जलगांव पीपुल्स कंपनी -ऑप बैंक, त्रिशूर जिला सहकारी बैंक और यूको बैंक आदि एनबीएफसीएस शामिल हैं।

गूगल ने झूठी सूचना के प्रसार को रोकने निर्वाचन आयोग से किया समझौता

नई दिल्ली ।

अल्फाबेट इंक के स्वामित्व वाली कंपनी गूगल ने आगामी चुनाव के दौरान झूठी सूचना के प्रसार को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग से समझौता किया है। गूगल इंडिया ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि इसके उत्पाद चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर आधिकारिक सूचना बढ़ाने की विशेषताओं से लैस किये गए हैं। गूगल ने कहा कि हम मतदान के बारे में गूगल सर्च पर अंग्रेजी और हिंदी में महत्वपूर्ण जानकारी ढूंढने में लोगों की सहायता के लिए सहयोग कर रहे हैं। इन जानकारियों में पंजीकरण कैसे करें और मतदान कैसे करें शामिल हैं। अधिक संख्या में लोगों के कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करने के विषय पर गूगल ने कहा कि यह ऐसी प्रक्रियाएं तैयार कर रही है जो उपयोगकर्ताओं को कृत्रिम मेधा सामग्री की पहचान करने में मदद करेगी। इसने कहा कि अधिक विज्ञापनदाताओं द्वारा एआई की शक्ति और अवसर का लाभ उठाये जाने पर हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम अधिक पारदर्शिता और विषय पर सभी जानकारियों के साथ लोगों को निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक जानकारी देते रहें। गूगल ने कहा कि हमारी विज्ञापन नीतियां पहले से ही

गुमराह करने वाली डीपफेक या छेड़छाड़ की गई सामग्री के उपयोग को निषिद्ध करती हैं। गूगल ने इस बारे में कड़ी नीतियां एवं पाबंदियां निर्धारित की हैं कि चुनाव संबंधित विज्ञापन उसके मंचों पर कौन जारी कर सकता है। इनमें निर्वाचन आयोग द्वारा पहचान का सत्यापन, प्रमाणन और अधिकृत किया जाना शामिल है।

बड़ी कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा नियमन का सुझाव

नई दिल्ली। सरकार की एक समिति ने बड़े डिजिटल उद्यमों के लिए नियमन का प्रस्ताव दिया है। इसका उददेश्य इन क्षेत्रों में किसी भी संभावित प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाना है। डिजिटल प्रतिस्पर्धा कानून पर समिति (सीडीसीएल) ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट और नियमों का मसौदा जारी किया। इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। समिति का गठन पिछले साल फरवरी में किया गया था। उससे पहले, संसद की समिति ने डिजिटल बाजारों में प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक नया डिजिटल प्रतिस्पर्धा कानून बनाने का प्रस्ताव किया था, जिसके बाद समिति का गठन किया गया। समिति ने अन्य बातों के अलावा, नियमन के मसौदे के तहत दायित्वों के लिए सिद्धांत-आधारित रूपरेखा का सुझाव दिया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि समिति ने बड़े डिजिटल उद्यम यानी तकनीकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के बाजार में उनकी गतिविधियों की सक्रिय निगरानी के लिए नियमों की सिफारिश की है।

डाबोलिन हवाई अड्डा से उड़ानों का परिचालन जारी रहेगाः अधिकारी

पणजी । डाबोलिम स्थित गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीआईए) के प्रबंधन का कहना है कि इस हवाई अडडे को अभी बंद नहीं किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इस हवाई अड्डे से उड़ानों का परिचालन जारी रहेगा। इन खबरों के बीच कि एक निजी एयरलाइन अपना परिचालन दक्षिण गोवा जिले में डाबोलिम स्थित हवाई अड्डे से उत्तरी गोवा जिले के मोपा में मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईए) में स्थानांतरित कर रही है, विपक्षी कांग्रेस और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। हाल में गोवा विधानसभा सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने दावा किया था कि जीआईए में महंगी परिचालन लागत के कारण उड़ान परिचालन को एमआईए में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जीआईए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि डाबोलिम हवाई अड्डे का विकास जारी रहेगा क्योंकि इसमें अच्छी संभावनाएं हैं। दक्षिण गोवा में वास्को शहर के पास स्थित जीआईए नौसेना के आईएनएस हंसा बेस का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि डाबोलिम हवाई अड्डे पर परिचालन लागत अधिक है। यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि डाबोलिम हवाई अड्डे को बचाने के नाम पर कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं जिससे इसकी संभावनाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा कि डाबोलिम हवाई अड्डे पर उपयोगकर्ता विकास शुल्क एमआईए की तुलना में कम है और इसकी परिचालन लागत भी कम है।

फरवरी में खुदरा महंगाई 5.09 प्रतिशत रही

नई दिल्ली । उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी, 2024 में मामूली घटकर 5.09 प्रतिशत पर आ गई जबकि इससे पिछले महीने में यह 5.10 प्रतिशत रही थी। पिछले साल फरवरी में खुदरा महंगाई दर 6.44 प्रतिशत थी। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर फरवरी में पिछले महीने की तुलना में लगभग स्थिर 5.09 फीसदी पर रही। सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई जनवरी में 5.1 फीसदी और एक साल पहले की समान अवधि में फरवरी 2023 में यह 6.44 फीसदी थी। फरवरी में फूड बॉस्केट में खुदरा महंगाई 8.66 फीसदी थी, जो पिछले महीने के 8.3 फीसदी से मामूली ज्यादा थी। सरकार ने रिजर्व बैंक को मंहगाई को दो फीसदी घटबढ़ के साथ चार फीसदी के दायरे में रखने की जिम्मेदारी सौंपी है। पिछले महीने केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीपीआई आधारित महंगाई 5.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था और जनवरी-मार्च तिमाही में 5 फीसदी दर्ज किया गया था।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 906 अंक नीचे आया

निफ्टी 21,997.70 के स्तर पर फिसला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 906.07 करीब 1.23 फीसदी की गिरावट के साथ ही 72,761.89 और निफ्टी में भी 1.51 फीसदी तकरीबन 338.00 अंकों की गिरावट रही और ये 21,997.70 के स्तर पर बंद हुआ।

स्मॉलकैप इंडेक्स में भी आज 2200 अंक से ज्यादा की गिरावट रही और ये 40,550 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं मिडकैप में 1,800 से ज्यादा अंकों की गिरावट दर्ज की गयी। ये 37,420 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट रही। जेट एयरवेज के शेयर में आज लगातार दूसरे दिन 5 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं बीएसई स्मॉलकैप के शेयरों में आज 5 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने में आई है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों में आज इसलिए दबाव रहा क्योंक बाजार नियामक एजेंसी सेबी अध्यक्ष ने छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों की ऊंची कीमतों को सही नहीं बताया था। उन्होंने कहा सेंसेक्स के 30 शेयरों में से आज पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा 7 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, भारती

एयरटेल, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर भी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर आये हैं। वहीं गत दिवस बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 247.61 अंक तेज होकर 73,915.57 पर और निफ्टी 61.70 अंक ऊपर 22,397.40 पर कारोबार कर रहा था। इसके कुछ समय बाद ही बाजार में गिरावट आने लगी जो अंत तक बनी रही।

जेजी केमिकल्स का शेयर पांच फीसदी गिरकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । जेजी केमिकल्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने 221 रुपये के निर्गम मूल्य पर पांच प्रतिशत से अधिक गिरकर सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य पर 4.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 211 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 11.26 प्रतिशत गिरकर 196.10 रुपये पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 5.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 209 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 772.16 करोड़ रुपये रहा। जेजी केमिकल्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गुरुवार को बोली के आखिरी दिन 27.78 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 251.2 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 210-221 रुपये प्रति शेयर था। जिंक ऑक्साइड विनिर्माता के आईपीओ में 165 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए थे। इसमें 39 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है।

पांच साल में भारत डेकाथलॉन के पांच वैश्विक बाजारों में शामिल होगा

- डेकाथलॉन भारत में हर साल 10 नए स्टोर खोलेगी

पेरिस ।

फ्रांस की खेल क्षेत्र की रिटेलर डेकाथलॉन ने कहा कि उसके लिए भारत एक बड़ी प्राथमिकता वाला बाजार है। स्टोर नेटवर्क के विस्तार और स्थानीय सोर्सिंग बढ़ने के साथ अगले पांच साल में भारत उसके शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में शामिल होगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। कंपनी के एक मुख्य रिटेल एंड कंट्रीज ऑफिसर ने कहा कि डेकाथलॉन अपनी वृद्धि की योजनाओं के तहत भारत में हर साल 10 नए स्टोर खोलेगी। नए स्टोर 1,000 से 2,000 वर्ग मीटर के बीच के छोटे स्टोर हो सकते हैं। इसके अलावा ये 4,000 वर्ग मीटर में फैले बड़े स्टोर भी हो सकते हैं। साथ ही कंपनी का इरादा ऑनलाइन बिक्री में तेजी लाने और अगले पांच साल में स्थानीय सोर्सिंग को मौजूदा के औसतन 60 प्रतिशत बढ़ाकर 90 प्रतिशत करने का है। इस कदम से डेकाथलॉन को तेजी से बढ़ते भारतीय खेल और एथलेजर खंड में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी और इसकी भारतीय विनिर्माण सुविधा से वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ेगा। उन्होंने यहां डेकाथलॉन के वैश्विक कार्यक्रम में कहा कि भारत हमारे लिए शीर्ष प्राथमिकता है। हमारे पास पांच देश हैं, जिन्हें हम लंबी छलांग वाला देश कहते हैं। भारत उनमें से एक है। डेकाथलॉन के लिए भारत पहले से राजस्व के मामले में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बाजारों में है। हम इसे शीर्ष पांच में लाना चाहते हैं। यह अगले पांच साल में होगा। डेकाथलॉन इंडिया का कारोबार 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,995 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि हम हर साल 10 स्टोर खोलना चाहते हैं। इस समय हम अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। हम डिजिटल रूप से खुद को स्थापित कर रहे हैं। हम बड़े फॉर्मेट स्टोर के साथ बड़े शहरों में छोटे स्टोर पर भी काम कर रहे हैं।

जनवरी में भारत का औद्योगिक उत्पादन 3.8 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । भारत के लिए अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक राहत भरी खबर आई है। साल 2024 के पहले महीने जनवरी में भारत का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी घटकर 3.8 फीसदी हो गया है। गौरतलब है कि पिछले साल की समान अवधि जनवरी 2023 में यह 5.8 फीसदी था। बता दें कि आईआईपी वह डेटा होता है जिसके जरिये औद्योगिक उत्पादन मापा जाता है। एनएसओ के डेटा से पता चलता है कि पिछले साल के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी गिरावट आई है। पिछले साल जनवरी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का ऑउटपुट 4.5 फीसदी था, जो जनवरी 2024 में घटकर 3.2 फीसदी हो गया है। जनवरी 2024 में खे निज उत्पादन 5.9 फीसदी बढ़ा। पिछले साल के मुकाबले इसमें 3.1 फीसदी की कमी आई है। जनवरी 2023 में खे निज उत्पादन 9 फीसदी पर था। डेटा से पता चलता है कि पावर ऑउटपुट 5.6 फीसदी बढ़ा है। जबकि पिछले साल की समान अवधि में इलेक्ट्रिसिटी ऑउटपुट 12.7 फीसदी था।

भारतीय उच्चायोग सिंगापुर से भारत में अधिक निवेश लाने कर रहा कामः अंबुले

सिंगापुर । भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने कहा कि भारतीय उच्चायोग सिंगापुर से भारत में अधिक से अधिक निवेश के लिए काम कर रहा है। अंबुले ने कहा कि भारत के बुनियादी ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा और आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने आक्रामक तरीके से बढ़ गया है, ऐसे में हम भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक निवेश लाने के प्रयास में हैं। उच्चायुक्त ने वृद्धि को गति देने वाले तीन कारकों का उल्लेख करते हुए कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के साथ भारत के लिए यह हरित वृद्धि होगी। इसके अलावा आर्थिक गतिविधियों के सुगम प्रवाह के लिए डिजिटल ढांचा बनाया गया है। साथ ही भारत की सतत वृद्धि भी एक कारक है जिसकी वजह से उसे निवेश मिलेगा। उच्चायुक्त ने मंगलवार देर शाम यहां 2024 बजट विश्लेषण-सिंगापुर और भारत कार्यक्रम में कहा कि हम सिंगापुर से भारत में अधिक निवेश लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाने वाली आर्थिक गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला पर भी प्रकाश डाला। इसमें युवाओं को कुशल बनाने का प्रयास, सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास और महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास शामिल है।

करें बुजुर्गों की सेवा और बनाएं बेहतर भविष्य

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने बुजुर्गों की सुचारूसेवा के लिए ऐसे पाठ्यक्रम चलाए हैं, जिनका मुख्य ध्येय दक्ष युवा-युवतियों को प्रशिक्षित कर उनकी समस्याओं का निवारण करना है। इसलिए पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ा हैं। इसे जेरियाट्रिक्स केयर या बुजुर्गों की देखभाल कहते हैं।

जेरियाट्रिक्स पाठ्यक्रम में मूल रूप से छात्रों को समुदाय के अंदर बुजुर्गों लोगों की स्थिति, एकल तथा संयुक्त परिवारों के गुण- दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, बुढ़ापे में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिति को समझना तथा पुनर्वास के साथ संक्रामक रोगों पर नियंत्रण, बुजुर्गों की पहचान और उन्हें उत्पादक कार्यों में लगाना, उनकी समस्याओं से निपटारा, पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन, शारीरिक संरचना और मनोविज्ञान के अलावा बुढ़ापे की देखभाल के आधारभूत सिद्धांत, उनके लिए क्लब, सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र से आर्थिक सहायता, बुजुर्गों की देखभाल, बुजुर्गों के रोगों की समझ, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास तथा बुढ़ापे में किस प्रकार सक्रिय और स्वस्थ जीवन बिताया जाए आदि विषयों की जानकारी दी जाती है। थ्योरी के साथ छात्रों को घर- घर जाकर बुजुर्गों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

पाठ्यक्रम

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी कई कोर्स हैं जिसमें तीन महीने का प्रमाण- पत्र, छह माह तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह के कोर्स समाजसेवी संस्थाओं तथा ऐसी ही अन्य दूसरी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल तथा उनके लिए कार्य करती हैं। छह माह के कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की ऐसी टीम तैयार करना है जो बुजुर्गों की देखभाल के साथ उनकी समस्याओं के निपटारे में उनकी मदद करे। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है, जिसमें थ्योरी सत्र, प्रेक्टिकल तथा परियोजना कार्य के अलावा इंटर्नशिप तथा सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

चयन प्रक्रिया

कम से कम 18 वर्ष की आयु के मैट्रिक पास उम्मीदवार तीन तथा छह माह के प्रमाण-पत्र कोर्स के लिए पात्र हैं। जबकि पीजी डिप्लोमा के लिए वे पात्र हैं जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, मनोविज्ञान, परिचर्या, गृह विज्ञान या समकक्ष स्नातक की डिग्री हो तथा 20 वर्ष की आयु पार कर ली हो। बुजुर्गों की देखभाल संगठनों में कार्यरत या इस क्षेत्र में प्रमाण- पत्र प्राप्त युवा, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी तथा नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रवेश प्रक्रिया

छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिला अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली सामान्य योग्यता परीक्षा और उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से दिया जाता है, जबकि पीजी के लिए परीक्षा के बाद ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू से भी गुजरना पड़ता है।

अवसर

इस क्षेत्र में छह महीने का प्रमाण पत्र तथा डिप्लोमा धारियों के लिए अपार संभावनाएं हैं। व्यक्ति सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र तथा शैक्षणिक संस्थानों में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभालकर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, सामाजिक कार्यकर्ता, परियोजना निर्देशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी आदि बनकर तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेवा संस्थाओं के साथ जुड़व र भी भविष्य संवारा जा सकता है। जेरियाट्रिक्स केयर भारत सरकारी के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा चलाया जाता है। इस कोर्स की कोई भी फीस नहीं हैं, बल्कि योग्य छात्रों को 600 रुपए प्रतिमाह तक स्कॉलरशिप भी प्रदान की जाती है।

वेतनमान

प्रमाण- पत्र कोर्स या पीजी डिप्लोमा धारक 5500 से 12000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सक ते हैं, जबकि विदेशों में वेतन लाखों में भी हो सकता है।

प्रमुख संस्थान

1. डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन,हैदराबाद।
2. कोलकाता मैट्रोपोलिटेन, इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता
3. न्यू इंटिग्रेटेड रुरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फ ाल।
4. राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आर. के. पुरम. नई दिल्ली।

तकनीकी लेखक बनकर बनाएं कैरियर

तकनीकी लेखन एक तरह का तकनीकी सम्प्रेषण, औपचारिक लेखन का तरीका है, जो कई क्षेत्रों के लिए प्रयोग किया जाता है। ये क्षेत्र हैं– कंप्यूटर हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर, एरोस्पेस उद्योग, रोबोटिक्स, वित्त, उपभोक्ता इलेक्ट्रिानिक्स और जैव–प्रौद्योगिकी आदि। प्रौद्योगिकीय लेखक तकनीकी और गैर–तकनीकी पाठकों को जटिल विचारों के बारे में अवगत कराते हैं। तकनीकी लेखक अकसर उन पाठकों के लिए लिखते हैं जो अपने विषय के बारे में अधिक जानकारी चाहते हैं। कुछ संगठनों में तकनीमी लेखकों को सूचना डेवलपर्स, प्रलेखन विशेषज्ञ, प्रलेखन इंजीनियर्स या तकनीकी कंटेन्ट डेवलपर्स कहा जाता है। एक अच्छे तकनीकी लेखक के लिए मजबूत भाषा कौशल जरूरी होता है और उन्हें उच्च प्रकृति के आधुनिक तकनीकी सम्प्रेषण की समझ होनी चाहिए।

कैरियर का अवसर

औद्योगिक प्रकाशन अक्सर तकनीकी लेखकों द्वारा लिखे तथा संपादित किए जाते हैं। समाचार -पत्र पत्रिकाएं तथा वायर सेवाएं तकनीकी लेखकों को नियुक्त करते हैं। ऑटोमोबाइल उद्योग, इंजीनियरी कम्प्यूटर्स, चिकित्सा, विधि, केमिस्ट्री,जैव-प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित व्यावसायिक पत्र-पत्रिकाओं में व्यावसायिक ज्ञानों के बारे में रिपोर्ट करने तथा संपादक के तोर पर काम करने के लिए तकनीकी लेखकों की सेवाएं ली जाती है। बहुत से तकनीकी लेखक स्वतंत्र लेखकों के तौर पर कार्य करते हैं। उन्हें कई बार कुछ विशिष्ट कार्यों के लिए उनकी सेवाएं ली जाती है, जैसे कि किसी उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पाद या विकास के बारे में लिखना। कुछ तकनीकी लेखक तकनीकी सूचना विभागों में अनुसंधान सहायकों या एक प्रशिक्षणार्थी के रूप में कार्य शुरू करते हैं और बाद में तकनीकी लेखकों के रूप में पदोन्नत किए जाते हैं। तकनीकी लेखक के लिए कोई वास्तविक कैरियर स्तर तो नहीं है, लेकिन वे अन्य लेखकों के प्रबंधन स्तर तक पहुंच सकते हैं। वह वरिष्ठ तकनीकी लेखक पद तक पहुंचकर, जटिल परियोजनाओं के संचालन या लेखकों तथा संपादकों की छोटी टीम का नियंत्रण करते हैं। उनकी अगली पदोन्नति एक प्रलेखन प्रबंधक के तौर पर हो सकती है, जिसे विभिन्न तरह की परियोजनाओं और टीमों का संचालन करना होता है।

तकनीकी लेखकों की विशेषताएं

उच्च प्रौद्योगिकी फर्मों में तकनीकी लेखक हर संभव तरीके से तीव्रता के साथ लिखने में सक्षम होने चाहिए तथा एक लेखन कार्य के बाद दूसरे लेखन कार्य को तेजी से कर सकते हैं। तकनीकी लेखकों के पास कई अन्य नियोजन संबंधी, जिम्मेदारियां भी होती है, जिनमें प्रलेखों के डिजाइन, लेखन या कंटेट कवरेज हेतु प्रलख की समीक्षा, तर्कसंगत संगठन और लेखनों तथा संपादकों के लिए दिशा-निर्देशों का निर्धारण करना शामिल है। तकनीकी लेखक अक्सर अपने वरिष्ठों को उपयोगी दिशा-निर्देश या कंपनी के नियमों की कठोर अनुपालना की अनुशंसा करते हैं और यह सुझाव देते हैं कि प्रलेख के लिए कौन से मानकों का पालन किया जाए। कोई प्रलेख लंबा होने पर तकनीमी लेखक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह प्रकाशन कर्मचारियों के साथ समन्वय रखें, उन्हें बताएं कि कितना काम आ रहा है। इसे कब प्रस्तुत किया जाएगा तथा इसकी कब आवश्यकता है। तकनीकी लेखकों के पास विभिन्न तरह के संचार माध्यमों- इंटरनेट, पुस्तकों और कई बार क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कार, डिजाइन कौशल तथा मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण से उत्पाद के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए अच्छा अनुसंधान एवं सम्प्रेषण कोशल होना चाहिए। तकनीकी लेखक किसी कंपनी की छवि के निर्माता होते हैं और उसके लाभ मे इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

जरूरी योग्यता

तकनीकी लेखकों के क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा की कोई अपेक्षा नहीं होती है। तकनीकी लेखक के लिए कोई भी डिग्री के साथ स्नातकोत्तर डिग्री, वरीयतन पत्रकारिता और जनसंचार में होनी चाहिए और अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान तथा आईटी कौशल हो। इसके अलावा कंप्यूटर साक्षरता और साफ्टवेयर अनुप्रोग माइक्रोसाफ्ट वर्ड, पेज मेकर, फ्रेम मेकर, रोब हेल्प और फ्रंट पेज आदि कुछ महत्वपूर्ण कौशल भी तकनीकी लेखक के पास होना आवश्यक है। तकनीकी लेखक के कार्य सूचीपत्र, उपयोग नियम और निर्देश, तकनीकी सहायक पुस्तकें, इंजीनियरी रिपोर्ट और ऑनलाइन सहायता दस्तावेज तैयार करना। उत्पादों के वास्तविक विकासकर्ताओं को सूचित करना। इंजीनियरों,वैज्ञानिकों, फार्मास्युटिकल फर्मों और लेखाकारों के साथ मिलकर काम करना आदि योग्यताएं इनमें होना जरूरी है।

रोजगार की संभावनाएं

विभिन्न फर्मों, जैसे कि विज्ञापन एजेंसियां, साफ्टवेयर डेवलपिंग कंपनियों और समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं में तकनीकी लेखकों की बहुत मांग है। आईटी उद्योग से तकनीकी लेखकों की बहुत मांग बढ़ी है। स्वतंत्र तकनीकी लेखक कंपनियों से अनुबंध आधार पर भी कार्य प्राप्त कर सकते हैं। इन्फोसिस टेकनोलाजिज लिमिटेड, सन माइक्रोसिस्टम्स, इन्फोटैक जैसी कंपनियों में अक्सर तकनीकी लेखकों की नियुक्तियां की जाती है।

प्रमुख संस्थान

- कालीकट यूनिवर्सिटी, कोझीकोड, प्रलेखन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र बंगलुरु,
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन मुंबई,
- पूणे यूनिवर्सिटी, पुणे, इसके अलावा इस क्षेत्र में कई अन्य निजी संस्थान भी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

खूंखार कुत्तों के पालने पर लग सकता है प्रतिबंध, नस्लें की चिन्हित

नई दिल्ली। भारत में विदेशी कुत्तों की नस्ले ज्यादा खूंखार हो जाती है। इंसानों के लिए खतरा बन रहे इन कुत्तों को लेकर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि ये कुत्ता भारत के क्लाउड में फिट नहीं हो पाते हैं आक्रमक होने लगते हैं। ऐसे कई हादसे हुए है जिसमें कुत्तों ने इंसानों को मार डाला।केंद्र सरकार ने सुझाव दिया है कि पिटबुल, रॉटविलर, टेरियर, वोल्फ डॉग, मास्टिफ्स जैसे विदेशी नस्ल के कुत्तों के आयात, ब्रीडिंग और उनकी बिक्री पर रोक लगा दी जाए। एक समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने यह सलाह दी है। समिति का कहना है कि इन विदेश नस्लों के कुत्ते खतरनाक हैं और भारत की परिस्थितियों में उग्र हो जाते हैं। केंद्र की राय है कि इन कुत्तों के अलावा मिक्स और क्रॉस ब्रीड के अन्य कुत्तों पर भी रोक लगाई जाए। राज्यों को लिखे खत में पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने स्थानीय निकायों से अपील की है कि क्रॉस ब्रीडिंग और विदेशी नस्ल के कुत्तों को लाइसेंस या परमिट जारी न करें। इन कुत्तों की बिक्री और ब्रीडिंग पर भी रोक लगाई जाए। दरअसल दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर एनिमल वेलफेयर बॉडीज और एक्सपट्र्स की एक कमिटी गठित की गई थी। डिपार्टमेंट का कहना है कि इन नस्लों के जिन कुत्तों को पहले से ही लोग रख रहे हैं, उनकी नसबंदी करानी होगी। ऐसा इसलिए ताकि उनकी नस्ल के और कुत्ते न पैदा हो सकें। क्रॉस, मिक्स्ड और विदेशी ब्रीड के जिन कुत्तों पर रोक की सिफारिश की गई है, उन कुत्तों में पिटबुल टेरियर,तोसा इनु,अमेरिकन स्टेफोर्डशायर टेरियर, फिला ब्रासीलिरियो,डोगो अर्जेंटिनो, अमेरिकन बुलडॉग, बोएसबोएल,कनगाल,सेंट्रल एशियन शेफर्ड, काकेशियन, शेफर्ड,साउथ रशियन शेफर्ड, टोनजैक, सरप्लानिनैक, जापानी तोसा ऐंड अकिता, मास्टिफ्स, रॉटलवियर, टेरियर, रोडेशियन रिजबैक, वोल्फ डॉग्स, कनारियो, अकबाश, मॉस्को गार्ड, केन कार्सो शामिल हैं।

सीएए के खिलाफ हैं कमल हसन सहित दक्षिण के कई अभिनेता

नई दिल्ली। दक्षिण फिल्मों सहित हिंदी फिल्मों अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके कमल हसन सीएए का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जिस दिन सीएए लागू किया गया है उसे वे काला दिन मानते हैं। कमल हासन ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, 'भारत के लिए एक काला दिन। धर्म-आधारित नागरिकता परीक्षण गणतंत्र की धर्मनिरपेक्ष संवैधानिक नींव के विपरीत है, और मैं इसके खिलाफ कानूनी और राजनीतिक रूप से अपनी पूरी ताकत से लड़ूंगा।' यानी अब वे इस बिल के खिलाफ अपनी आवाज आगे भी उठाएंगे और उन्होंने इसके विरोध में कानूनी लड़ाई लड़ने का संकप्ल भी ले लिया है। इससे पहले दूसरे तमिल स्टार थलापति विजय ने भी इस बिल के खिलाफ प्रतिक्रिया दी है। विजय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान में कहा, 'ऐसे माहौल में जहां देश के सभी नागरिक सामाजिक सद्भाव के साथ रहते हैं, भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) जैसे किसी भी कानून को लागू करना स्वीकार्य नहीं है।' इसके साथ ही थलापति विजय ने अपनी राज्य सरकार से अपील की है कि वो इसे किसी भी कीमत पर तमिलनाडु में लागू ना करें। एक्टर के इस पोस्ट कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। विजय अब पूरी तरह से राजनीति में एक्टिव हैं और वे कुछ एक प्रोजेक्ट के बाद फिल्मों से संन्यान ले लेंगे। बात अगर विजय के वर्कफ्रंट की करें तो पिछले साल उनकी फिल्म लियो आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। अब वे अपनी अगली फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में में धमाल मचाने वाले हैं। हाल ही में फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिससे जाहिर होता है कि ये भी एक एक्शन थ्रिलर होने वाली है। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में सीएए लागू कर दिया है। जहां तमाम लोग इस बिल के पास होने का जश्न मना रहे हैं तो वहीं कई इसके खिलाफ बोल रहे हैं। विपक्षी पार्टियां खासकर इस फिल्म को सिरे से नकार रही हैं। वहीं कुछ ऐसे सेलिब्रिटी भी इस बिल के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं जो फिल्मों के साथ- साथ राजनीति में भी सक्रीय हैं।

काला जठेड़ी को गृह प्रवेश के लिए नहीं मिली पैरोल...पत्नी हाईकोर्ट जाने की तैयारी में

नई दिल्ली। गैंगस्टर काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी की दिल्ली में शादी हुई है। इसके लिए काला जठेड़ी को छह घंटे की परोल मिली थी। हालांकि डॉन को गृह प्रवेश के लिए भी बुधवार को तीन घंटे की परोल दी गई थी, इस बाद में वापस ले लिया गया है। इस लेकर अब डॉन की पत्नी अनुराधा चौधरी की प्रतिक्रिया आई है। अनुराधा ने कहा कि मेरा गृह प्रवेश नहीं हुआ है। इसके लिए वह हाई कोर्ट में अर्जी लगा रही हूं। गृह प्रवेश के बाद ही संदीप के घर में घुसा जाएगा। कोर्ट ने बुधवार को सोनीपत के जठेड़ी गांव में गृह प्रवेश के लिए 3 घंटे की परोल दी थी, लेकिन सोनीपत पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देकर हाथ खड़े कर दिए थे। अनुराधा ने कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत का रुख करेंगी। इस लेकर अर्जी दाखिल की जाएगी। उधर, लोअर कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। यह देखना होगा कि कोर्ट का इस पर क्या रुख होता है?

105 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया, कांग्रेस को दो दिन में दो झटके

–दिल्ली हाईकोर्ट ने रोक लगाने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली हाईकोर्ट से कांग्रेस को एक और झटका लगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी से बकाया 105 करोड़ रुपये की वसूली के लिए आयकर विभाग के नोटिस पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को आईटीएटी के आदेश को बरकरार रखा है। मंगलवार को भी हाईकोर्ट से कांग्रेस को झटका लगा था। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस को फटकार लगाकर पूछा था कि क्या तीन साल तक सो रहे थे। कांग्रेस ने इनकम टैक्स अपीलीय ट्रिब्यूनल द्वारा उसकी अपीलकेशन अस्वीकार करने को लेकर कोर्ट का रुख किया था। मंगलवार को ट्रिब्यूनल ने कांग्रेस को 105 करोड़ से ज्यादा के बकाए टैक्स की वसूली को लेकर नोटिस जारी किया था। मंगलवार को जस्टिस यशवंत वर्मा और पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने कहा था कि क्या इनकम टैक्स अपीलीय ट्रिब्यूनल के आदेश में कोई खामी नहीं नजर आती है। कोर्ट ने गौर किया कि कांग्रेस के खिलाफ यह कार्रवाई साल 2021 में शुरू हुई थी। इस पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाकर पूछा कि क्या अभी तक सो रहे थे। बेंच ने कहा था कि इस मामले को बहुत ही गलत ढंग से हैंडल किया गया है।

दिल्ली में धड़ल्ले से बेंची जा रही नकली कैंसर की दवा

–दिल्ली पुलिस ने किया एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस रैकेट में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार किया है, इसमें दो आरोपी दिल्ली के बड़े कैंसर अस्पताल के कर्मचारी हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कैंसर की कुल नौ ब्रांड्स की नकली दवाइयां बरामद की हैं। इसमें सात दवाइयां विदेशी ब्रांड्स की जबकि दो भारतीय ब्रांड की हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी कैंसर अस्पताल में मरीजों को कीमोथैरेपी में इस्तेमाल में लाने वाले इंजेक्शंस की खाली शीशी जुटाते थे, फिर उन शीशियों में एंटी फंगल दवा भरकर बेचते थे। आरोपियों के टारगेट पर दिल्ली के बाहर से आने वाले मरीज होते थे, खासकर हरियाणा, बिहार, नेपाल या फिर अफ्रीकी देशों से आने वाले मरीजों को वे अपना शिकार बनाते थे। जिन सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके नाम विफिल जैन, सूरज शत, नीरज चौहान, परवेज, कोमल तिवारी, अभिनय कोहली और तुषार चौहान हैं। इसमें नीरज गुरुग्राम निवासी है, जबकि बाकी के छह दिल्ली के अलग अलग इलाकों के रहने वाले हैं। पुलिस के सीनियर अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम को जानकारी मिली है कि दिल्ली में एक गैंग सक्रिय है, जो कैंसर की नकली दवाइयां मरीजों को सप्लाई कर रहा है। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए एक स्पेशल टीम तैयार की गई। टीम को जांच में चार अलग-अलग जगह की जानकारी मिली, जहां से नेटवर्क को चलाया जा रहा था। पुलिस ने चारों जगह पर एक साथ छापेमारी की योजना बनाई ताकि आरोपियों को संभलने का मौका नहीं मिले। टीम ने डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स में छापेमारी की, जो इस रैकेट का सबसे महत्वपूर्ण ठिकाना था। पुलिस के मुताबिक यहां पर विफिल जैन कैंसर की नकली दवाइयां को बनाता था। विफल ही इस पूरे गैंग का सरगना भी था। विफल ने डीएलएफ ग्रीन्स में दो डब्ल्यूएस फ्लैट्स किराए पर ले रखे थे। यहां पर ये कैंसर की दवा की खाली शीशियों में नकली दवाई भर देता जबकि इसको साथी सूरज इन दोबारा भरी गई शीशियों को अच्छे तरीके से पैक करता था ताकि किसी को शक ना हो।

आम चुनाव में मोदी की गांरटी को टक्कर देने आ गई कांग्रेस की नारी न्याय गारंटी

–गरीब महिला को एक लाख रुपये और नौकरी का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 में वोटरों को लुभाने की कोशिश में लगी हुई है। जनाधार बढ़ाने की पुरजोर कोशिश में जुटे पार्टी आलाकमान ने महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। नारी न्याय गारंटी की घोषणा कर पार्टी सुप्रीमो मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी देश की आधी आबादी के लिए नया एजेंडा सेट करेगी।

खरगे ने कहा, कांग्रेस नारी न्याय गारंटी के तहत कांग्रेस 5 घोषणाएं कर रही है। उन्होंने गारंटियों के नाम भी गिनाए। पहली गारंटी-महालक्ष्मी गारंटी के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा आधी आबादी पूरा हक, शक्ति का सम्मान, अधिकार मैत्री और सावित्रीबाई फुले छात्रावास गारंटी का ऐलान भी किया गया। खरगे ने कहा कि कांग्रेस की महालक्ष्मी गारंटी के तहत हर गरीब परिवार की एक-एक महिला को सालाना एक लाख रुपये की मदद मिलेगी। दूसरी घोषणा-आधी आबादी पूरा हक के तहत केंद्र सरकार के स्तर पर होने वाली नई भर्तियों में आधे से ज्यादा पदों पर महिलाओं का अधिकार होगा।

तीसरी गारंटी- शक्ति का सम्मान के तहत आंगनवाड़ी, आशा और मध्याह्न भोजन कार्यकर्ताओं की मासिक आय में केंद्र का योगदान दोगुना होगा। कांग्रेस की चौथी गारंटी- अधिकार मैत्री है। कांग्रेस इसके तहत महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेगी। हर पंचायत में एक पैरालीगल नियुक्त किया जाएगा। उनके अधिकारों की रक्षा के अलावा महिलाओं की मदद भी की जाएगी।

कांग्रेस ने जिस पांचवीं गारंटी का जिक्र किया है, इसमें शिक्षा पर फोकस करने का वादा किया है। सावित्रीबाई फुले छात्रावास गारंटी के तहत भारत सरकार कामकाजी महिलाओं के लिए जिला मुख्यालयों पर कम से कम एक छात्रावास बनाएगी। देश भर में इन छात्रावासों की संख्या दोगुनी करने का वादा भी किया है।

गौरतलब है कि मंगलवार को कांग्रेस प्रमुख खरगे ने आदिवासियों से जुड़े छह संकल्पों की घोषणा की थी। खरगे ने कहा था कि उनकी पार्टी जल-जंगल और जमीन को बचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने आदिवासी लोगों के लिए कांग्रेस पार्टी के छह संकल्पों का भी जिक्र किया।

उद्धव ठाकरे का तंज बोले– कश्मीरी पंडितों की बगैर वापसी के अधूरा है सीएए

मुंबई। सीएए लागू होते ही कई जगह से विरोध के स्वर उठे हैं तो वहीं विपक्षी नेता भी सरकार पर तंज कसते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र की एनडीए सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि जब कश्मीरी पंडितों की घर वापसी नहीं हो जाती है तब तक सीएए लागू करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने मंगलवार को कहा, देश में नया कानून सीएए लाया गया है। जो हिंदू, सिख, पारसी और जैन देश के बाहर डरे हुए हैं, उन्हें हमारे देश में लाया जाएगा। उन्हें जरूर लाया जाए, लेकिन यह सिर्फ एक चुनावी हथकंडा है।ठाकरे ने आगे कहा, जब मैं सीएम था, तो भाजपा देश में सीएए और एनआरसी का भूत लेकर आई थी। उस समय लोगों के मन में डर पैदा हो गया, खासकर असम के लोगों के मन में। इस कानून के खिलाफ कोर्ट में कई याचिकाएं हैं। अभी कोर्ट का फैसला नहीं आया है, लेकिन उन्होंने सीएए का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उन्होंने कहा, धर्मों के बीच भेदभाव पैदा कर झगड़े और दंगे कराना चाहते हैं। आने वाले चुनाव में एक तरफ बीजेपी है जो धर्मों के बीच नफरत पैदा कर रही है और दूसरी तरफ देशभक्त इंडिया गठबंधन है। यह चुनाव देशभक्त बनाम नफरत करने वालों के बीच होने जा रहा है। अगर आप विदेशों से हिंदुओं को हमारे यहां लाना चाहते हैं तो पहले कश्मीरी पंडितों को वापस लाओ और फिर सीएए लाओ।इस मुद्दे पर एनसीपी ने भी सरकार की आलोचना की है। सीएए की अधिसूचना जारी होने पर एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, अगले हफ्ते जो कुछ भी होने वाला है, जाहिर तौर पर उसका संबंध लोकसभा चुनाव से होगा। उन्होंने अब तक इसे लागू क्यों नहीं किया? देश जानना चाहता है कि चुनावी बॉन्ड और पेटीएम में क्या हुआ। सच्चाई क्या है और इसके पीछे कौन है?

नए कानून के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हो या नहीं, सुप्रीम कोर्ट 15 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को नए कानून के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से रोकने के लिए गैर-लाभकारी एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर 15 मार्च को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है। फरवरी में अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे के बाद तीन सदस्यीय चुनाव पैनल में दो रिक्तियों के बाद मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के मुताबिक, पांडे के इस्तीफे के बाद खाली हुए पद के लिए चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की इस सप्ताह बैठक होने की संभावना है।

नए कानून के तहत चयन पैनल में प्रधान मंत्री, एक केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के नेता इसके सदस्य हैं। पिछले साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने एक रिट याचिका के जवाब में निर्देश दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्तों और अन्य ईसी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष या सदन में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता की समिति द्वारा दी गई सलाह के आधार पर की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 में सीजेआई के स्थान पर एक केंद्रीय मंत्री को नियुक्त किया गया, इस कदम को आलोचक देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की देखरेख करने वाले निगरानीकर्ता को नियंत्रित करने के सरकार के प्रयास के रूप में देखते हैं।

चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करने की उम्मीद से कुछ दिन पहले, अरुण गोयल ने पिछले शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया, यह मोदी सरकार के तहत किसी चुनाव आयुक्त द्वारा दिया गया दूसरा इस्तीफा है। अशोक लवासा ने अगस्त 2020 में चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग द्वारा लिए गए विभिन्न आदर्श आचार संहिता उल्लंघन निर्णयों पर असहमति जताई थी।

सीएए पर झूठ फैलाना बंद करें विरोधी दल... किसी की नागरिकता या नौकरी नहीं जाएगी

–पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने केजरीवाल और ममता की आलोचना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लागू करने को लेकर मोदी सरकार की आलोचनाओं के बीच बीजेपी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे इस कानून के बारे में झूठ फैलाकर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना कर कहा कि यह कानून किसी भारतीय की नागरिकता या फिर नौकरी नहीं छीनता है।

केजरीवाल के दावे के संदर्भ में कि केंद्र की भाजपा सरकार भारतीयों को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वालों को देना चाहती है, भाजपा नेता प्रसाद ने कहा कि आप नेता ने बहुत अजीब बयान दिया है। यह कानून उन अल्पसंख्यकों के लिए है जिन्हें तीन देशों में उनके धार्मिक विश्वास के कारण सताया गया। उन्होंने कहा कि ये लोग भारत में कठिन जीवन जी रहे हैं और क्या उन्हें नागरिकता देने में देश नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक रूप से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि सीएए नागरिकता देने के लिए है और यह किसी की नागरिकता नहीं छीनता है। प्रसाद ने कहा कि विपक्षी दल यह दुष्प्रचार क्यों फैला रहे हैं। साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या वे रोहिंग्याओं के समर्थन में खड़े होंगे। उन्होंने कहा, जो लोग सीएए के नाम पर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं, मैं उनसे कहूंगा कि वे इसके बारे में झूठ फैलाना बंद करें। प्रसाद ने दावा किया कि बनर्जी की जमीन खिसक रही है, इसकारण वे सीएए के मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने के लिए मजबूर हैं।

उन्होंने केरल और तमिलनाडु के राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नफरत फैलाना बंद करें। उन्होंने दावा किया कि आलोचकों के पास कानून के खिलाफ कोई तर्क नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधकर कहा कि इन सभी का राजनीतिक आधार डूब रहा है। प्रसाद ने कहा कि भारत ने एक देश के तौर पर अपनी सभ्यतागत विरासत और संवैधानिक दायित्वों के कारण तीनों देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को सीएए के तहत संरक्षण प्रदान किया है।

हाईकोर्ट का मराठा आरक्षण पर अंतरिम रोक से इनकार, राज्य को हलफनामा देने का निर्देश

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार के हालिया मराठा आरक्षण अधिनियम पर तत्काल अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इस आरक्षण के खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अंतिम सुनवाई और उनकी याचिकाओं के निपटारे तक अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने कहा कि किसी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामलों में संवैधानिकता का एक सिद्धांत है और इसलिए सभी तर्कों को उचित महत्व दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

पीठ ने कहा कि हम राज्य को अंतरिम राहत पर जवाब देने के लिए कुछ समय देना चाहते हैं। यह निर्णय एक साधारण प्रशासनिक आदेश नहीं है। यह एक कानून है। इसलिए हमें कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते समय निर्धारित सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा। अनुमानित संवैधानिकता का भी एक सिद्धांत है। हमें सभी तर्कों को उचित महत्व देना होगा। पीठ ने कहा कि मराठों को आरक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का कदम एक कानून में निहित है न कि किसी प्रशासनिक आदेश में और राज्य को याचिकाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए समय चाहिए। पीठ ने राज्य सरकार को मराठा समुदाय को नौकरियों और शिक्षा में अलग से 10 प्रतिशत कोटा देने वाले हाल ही में लागू कानून के कार्यान्वयन पर अंतरिम राहत की मांग करने वाली याचिकाओं के जवाब में एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर हम 10 अप्रैल को याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे।

राज्यपाल ने सीएम ममता को दिया सुझाव कहा- बोलने से पहले सीएए का अध्ययन कर लें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीएम ममता बनर्जी को सलाह दी कि वह इस पर कोई भी टिप्पणी करने से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के ब?योरे का अध्ययन कर लें और समझ भी लें। मुख्यमंत्री द्वारा सीएए की कानूनी पवित्रता पर सवाल उठाने पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस अधिनियम में एक महत्वपूर्ण कानूनी पहलू है, जिसका उद्देश्य देश को विभाजित करना नहीं, बल्कि भारत को एकजुट करना है।

राज्यपाल ने कहा, मैं अपनी संवैधानिक सहयोगी, मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे पहले अधिनियम के विवरण का अध्ययन करें और समझें, उसके बाद ही इस पर टिप्पणी करें। उन्होंने कहा कि सीएए दिसंबर 2019 में संसद के पटल पर पारित किया गया था और सोमवार को इसे कानूनी प्रावधानों के अनुसार लागू करने के लिए एक अधिसूचना जारी की गई थी। राज्यपाल ने कहा, यह कानूनी वास्तविकताओं के साथ-साथ सुशासन को भी दर्शाता है। मंगलवार को उत्तर 24 परगना जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ममता ने सीएए पोर्टल पर नामांकन के खिलाफ चेतावनी जारी करते हुए कहा कि आवेदक अंततः अपना सब कुछ खो सकते हैं।मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी, जब पोर्टल पर आवेदन करेंगे, तो आप वास्तविक नागरिक से अवैध प्रवासी बन जाएंगे और एक बार जब आप अवैध प्रवासी बन गए, तो आपकी संपत्ति और पेशे का क्या होगा? आपको डिटेंशन कैंप में भेज दिया जाएगा, इसलिए आवेदन करने से पहले दो बार सोचें। हालांकि, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को गुमराह करने के लिए अनावश्यक रूप से इसे एक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में बदला मौसम, गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी, 14 मार्च तक गीला मौसम रहने की संभावना

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रसिद्ध स्की-रिसॉर्ट गुलमर्ग में एक बार फिर ताजा बर्फबारी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई है क्योंकि ताजा पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर को प्रभावित किया है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर और अन्य इलाकों में आज दोपहर तक बीच-बीच में धूप देखने को मिली, जिसके बाद गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी शुरू हो गई, जिससे कई स्थानों पर पारा नीचे आ गया। हालांकि, आज शाम श्रीनगर और अन्य इलाकों में बारिश हुई।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण आज बारिश और बर्फबारी हुई है, जिससे जम्मू-कश्मीर प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में एक और चक्रवात जम्मू-कश्मीर को प्रभावित कर रहा है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने बताया कि कल 12 मार्च को आंशिक रूप से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहेंगे जबकि 13 मार्च को तेज हवाओं के साथ गरज-चमक के साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 14 मार्च को मौसम आंशिक रूप से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। बहरहाल, उन्होंने बताया कि 15 मार्च से 20 मार्च तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा।

मौसम विज्ञानियों ने पूर्वानुमान के मद्देनजर एक सलाह भी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि पहाड़ी इलाकों में जनता को हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों और ढलान वाले इलाकों में न जाने की सलाह दी जाती है, और उनसे हिमस्खलन की चेतावनियों और सलाह का पालन करने की अपील की जाती है। इसके अलावा, किसानों को कृषि कार्यों को फिर से शुरू करने की सलाह दी गई है।

हालिया बर्फबारी के बाद, जम्मू और कश्मीर के बडगाम जिले में दूधपथरी 12 मार्च को एक आश्चर्यजनक शीतकालीन वंडरलैंड में बदल गया, जिसने प्रकृति प्रेमियों और टट्टू सवारों को समान रूप से आकर्षित किया। सुरम्य परिदृश्य ने आगंतुकों को बर्फ से ढके इलाके का पता लगाने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। बर्फबारी के बाद टट्टू की सवारी गतिविधियों की मांग बढ़ गई क्योंकि पर्यटक दूधपथरी की शांत सुंदरता में डूबने की कोशिश कर रहे थे। स्थानीय टट्टू संचालकों ने इस उत्साहजनक गतिविधि का अनुभव करने के लिए आगंतुकों की आमद को पूरा करते हुए व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी।

एएनआई से बात करते हुए एक स्थानीय ने कहा, %यहां चार गांव हैं और हमारी आय पर्यटन पर निर्भर है। बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं तो हमारी आय बढ़ती है। उन्हें सवारी पर छूट भी मिलती है। एक अन्य स्थानीय ने कहा, ÷बर्फबारी के बाद हमारी आय बढ़ गई है। हम पर्यटकों को दूधपथरी ले जाते हैं और उन्हें पांच से छह प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दिखाते हैं।÷ अनुभव के बारे में बात करते हुए एक पर्यटक ने कहा, ÷घुड़सवारी का अनुभव अद्भुत था। कार से यात्रा करने के लिए यह बहुत कठिन इलाका है; इसलिए घोड़े सबसे अच्छे विकल्प हैं। यह एक अद्भुत एहसास है।

400 पार के नारे पर खटटर बन रहे थे रोड़ा... भाजपा ने हटकर सोशल इंजीनियरिंग पेश की

–जजपा को अलविदा कहकर जाट वोट को तोड़ दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में पहले हरियाणा की सियासत में हुए बड़े बदलाव ने सभी को हैरान किया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को सीएम पद से हटाने और जजपा के साथ गठबंधन तोड़कर अपना रास्ता आसान किया है। भाजपा के विश्वस्त सूत्रों की मानें, तब हरियाणा की मौजूदा परिस्थितियों में पांच लोकसभा सीटों पर पार्टी को असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा के जुड़े सूत्रों की माने तब प्रधानमंत्री मोदी का नारा, अबकी बार 400 पार की राह में मुख्यमंत्री खट्टर को लेकर विरोधी लहर एक बड़ी बाधा बन रही थी। नतीजा, भाजपा को पिछड़े समुदाय के नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर नई सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर के कार्यकाल को लेकर केंद्रीय नेतृत्व ने कई एजेंसियों के द्वारा सर्वे रिपोर्ट तैयार कराई थी। प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर प्रदर्शन को लेकर नतीजे वे उत्साहवर्धक नहीं थे। खासकर से रोहतक, हिसार और सोनीपत की लोकसभा सीट पर भाजपा की राह मुश्किल थी। इसके अलावा भिवानी-महेंद्रगढ़ और सिरसा लोकसभा क्षेत्र, ये दोनों सीटें भी पार्टी के लिए आसान नहीं बताई जा रही। जो रिपोर्ट तैयार हुई, उसमें खटटर ने जिस सख्ती के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई, उससे प्रदेश में कुछ समुदाय असहज महसूस कर रहे थे। इसमें जाट समुदाय पहले नंबर पर था। लोगों की यह शिकायत रही कि खट्टर उनके साथ, वैसे नहीं मिलते थे, जैसे पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा मिलते रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खट्टर के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में योजनाओं को त्वरित गति से लागू किया गया। प्रदेश में कई सेवाओं को ऑनलाइन किया गया। खट्टर के अलावा कैबिनेट मंत्री, विधायक और आम जन भी यह बात स्वीकार करते रहे हैं कि प्रदेश में नौकरी देने में पूर्ण ईमानदारी बरती गई है। हरियाणा की सियासत पर नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र सैनी बताते हैं, इस बात पर बहुत से लोग सहमत हैं कि खट्टर के कार्यकाल के दौरान खर्ची और पर्ची का दौर बंद हो गया था। नियुक्तियों में सभी वर्गों के युवाओं का प्रतिनिधित्व था। खट्टर के कार्यकाल में शिक्षकों के तबादले एक क्लिक पर होने लगे। शिक्षकों को किसी से अप्रोच नहीं करानी पड़ती। वे घर बैठे बिठाए ही अपने जिले व स्कूल का चयन करते हैं। नियमों के अनुसार, उन्हें नई पोस्टिंग मिल जाती है।

हालांकि इसके बीच मुख्यमंत्री को लेकर यह बात कही गई कि उनकी आम जनता से दूरी बढ़ती जा रही है। 2024 का लोकसभा चुनाव आते-आते वह दूरी एंटी इनकम्बेंसी में बदल गई। भाजपा नेतृत्व ने इस बात को समझा और दो बड़े निर्णय ले लिए। पहला, जजपा से गठबंधन तोड़ा और दूसरा, खट्टर की जगह पर नायब सैनी को प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, प्रदेश की राजनीति जाट और गैर जाट वोटरों के बीच घूमती रही है। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर भी गैर जाट समुदाय से आते हैं और वर्तमान सीएम भी इसी समुदाय से आते हैं। फर्क इतना है कि खट्टर, जिस पंजाबी समुदाय से हैं, वह सामान्य वर्ग में आता है। नायब सैनी, पिछड़े वर्ग से आते हैं। यहां पर भाजपा ने अपनी सोशल इंजीनियरिंग को नए रूप में पेश किया है।

प्रदेश में जाट समुदाय की आबादी करीब 25 फीसदी है। पंजाबी समुदाय आठ फीसदी, ब्राह्मण साढ़े सात फीसदी, मुस्लिम साढ़े तीन फीसदी और गुर्जर समुदाय भी तीन फीसदी से अधिक हैं। इनके अलावा वैश्य समुदाय की आबादी भी लगभग पांच फीसदी है। यादव समुदाय भी पांच फीसदी से अधिक है। सैनी समुदाय करीब तीन फीसदी है। हरियाणा में अनुसूचित जाति की आबादी का प्रतिशत 20.2 से अधिक है। भाजपा ने जजपा के साथ गठबंधन तोड़कर जाट वोटरों को विभाजित करने का प्रयास किया है। अगर भाजपा और जजपा का गठबंधन जारी रहता, तब लोकसभा चुनाव में जाट समुदाय का बड़ा हिस्सा, कांग्रेस के पक्ष में जा सकता था। इससे चुनावी समीकरण बिगड़ने की आशंका थी। इसकारण भाजपा ने लोकसभा चुनाव की दहलीज पर जजपा से नाता तोड़ लिया।

स्पेनिश तट के पास प्रवासी नाव पर 7 लोगों की मौत, दर्जनों अस्पताल में भर्ती

मैड्रिड। स्पेन के ग्रैन कैनरिया द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण में मंगलवार सुबह एक प्रवासी नाव को बचाए जाने के बाद कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्पेनिश समुद्री बचाव सेवाओं ने यह जानकारी दी। बचाव सेवाओं ने कहा कि जब जहाज पर सवार प्रवासी स्पेनिश तट तक पहुंचने का प्रयास कर रहे थे उसी दौरान ये मौतें गंभीर निर्जलीकरण के कारण हुईं। नाव को एक व्यापारी जहाज ने सोमवार को लगभग शाम आठ बजे देखा, जिसने बचाव सेवाओं को सतर्क कर दिया। सहायता के लिए दो हेलीकॉप्टर और एक बचाव जहाज भेजा गया। प्रवासी नाव पर दो शव मिले, जबकि 34 जीवित बचे थे, जिनमें 27 पुरुष और सात महिलाएं थीं। वे उप-सहारा अफ्रीका से बताए गए हैं। जीवित बचे लोगों ने बताया कि अफ्रीका के उत्तर-पश्चिमी तट से खतरनाक पार करते समय पांच व्यक्तियों की मौत हो गई थी, उनके शरीर समुद्र में फेंक दिए गए थे। कैनरी आइलैंड्स आपातकालीन सेवाओं और रेड क्रॉस ने घाट पर जीवित बचे लोगों के इलाज के लिए एक आपातकालीन केंद्र की स्थापना की। उनमें से अधिकांश गंभीर निर्जलीकरण से पीड़ित थे, जिनमें से दो 24 वर्षीय पुरुषों की हालत गंभीर है। एल हिएरो द्वीप के दक्षिणी तट पर 6 मार्च को एक और प्रवासी जहाज देखा गया। उसमें सवार लोगों में से पांच लोगों की मौत हो गई और 15 को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गाजा में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 31,184 हुआ

गाजा। गाजा पट्टी पर जारी इजरायली हमलों के कारण मारे गये फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,184 हो गई है। गाजा स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों के भीतर इजरायली सेना की कार्रवाई में 72 फिलिस्तीनी मारे गये और 129 अन्य घायल हो गये। इन्हें मिलाकर 07 अक्टूबर, 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 31,184 और घायलों की संख्या 72,889 हो गयी है। चिकित्सा सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दक्षिणी गाजा शहर में कुवैती चौराहे पर सहायता की प्रतीक्षा कर रहे फिलिस्तीनियों की एक सभा पर इजरायली सैनिकों द्वारा की गई गोलीबारी के बाद नौ लोग मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। इज़रायली सेना की ओर से इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

दक्षिण सीरिया में इज़रायली हमलों में 2 विदेशी मारे गये

दमिश्क। दक्षिणी सीरियाई प्रांत कुनेइत्रा में इजरायली हवाई हमलों में दो लोग मारे गए। इनके बारे में माना जा रहा है कि वे विदेशी आतंकवादी थे। युद्ध पर निगरानी करने वाली संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार मारे गये लोगों की पहचान स्पष्ट नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि या तो लेबनानी हिजबुल्लाह या ईरानी मिलिशिया से जुड़े हुए हैं। ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह ने कहा कि हवाई हमलों ने कुनीत्रा ग्रामीण इलाके में खान अर्नबेह के उत्तर में स्थित तेल अहमर क्षेत्र में दो स्थानों को निशाना बनाया। संस्था ने कहा कि इस घटना से पहले इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के साथ सीरियाई सीमा के करीब ईन अल-नौरिया क्षेत्र के पास एक अन्य स्थान को सीधे इजरायल द्वारा लक्षित किया गया था।

पश्चिमी इंडोनेशिया में बाढ़, भूस्खलन से 32 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा प्रांत में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। देश की राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार प्रांत की 12 रीजेंसी में से पांच ने 1,500 से अधिक घर, 50 से अधिक पूजा केंद्र और 10 से अधिक सड़कें बाढ़ और भूस्खलन से क्षतिग्रस्त होने के बाद आपदा, आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। पिछले गुरुवार को पश्चिमी सुमात्रा में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 70 हजार से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इंडोनेशिया में बरसात के मौसम के दौरान अक्सर जल-मौसम संबंधी आपदाओं का अनुभव होता है।

उत्तरी पाकिस्तान में गैस विस्फोट में 2 की मौत, 2 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तरी रावलपिंडी शहर में मंगलवार को गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। रावलपिंडी पुलिस ने मीडिया को बताया कि यह घटना शहर के डाउनटाउन इलाके में एक घर के अंदर हुई और मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं, जो शुरू में गंभीर रूप से झुलस गए और बाद में शहर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने कहा कि घायल लोग भी गंभीर रूप से घायल हैं और घटना की जांच चल रही है। पुलिस ने बताया कि गैस रिसाव के कारण घर का एक हिस्सा आंशिक रूप से ढह गया।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में भारी बारिश के बीच सात लोग लापता

सिडनी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पिछले दिनों हुई बारिश के कारण इस बाहरी ऑस्ट्रेलियाई राज्य में अचानक बाढ़ आने से चार बच्चों सहित सात लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पुलिस बल ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि रविवार को रवाना हुए दो वाहनों में सवार सात लोगों के लिए 'सुरक्षित होने को लेकर गंभीर चिंताएं' व्यक्त कीं। माना जाता है कि एक ऑटोमोबाइल में एक बुजुर्ग ड्राइवर था, जबकि दूसरे में एक बुजुर्ग ड्राइवर और पांच अन्य लोग सवार थे, जिनमें से चार सात से 17 साल की उम्र के बच्चे हैं। राज्य पुलिस ने कहा, 'मौसम की गंभीर स्थिति के कारण इन दोनों वाहनों में सवार लोगों के लिए चिंताएं हैं। यह अज्ञात है कि उनमें सवार लोगों के पास कितना भोजन और पानी है।'

इंडोनेशिया में जहाज डूबने से दो की मौत, 24 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया में दक्षिण सुलावेसी प्रांत के जलक्षेत्र में एक जहाज के डूबने से दो मछुआरों की मौत हो गई और 24 अन्य लापता हो गए है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय खोज और बचाव कार्यालय के एक प्रेस अधिकारी मुहम्मद नूरसल ने कहा कि शनिवार को प्रांत के सेलयार द्वीपों के पास पानी में नौकायन करते समय जहाज भारी लहरों की चपेट में आ गया था। इस घटना का पता द्वीपों के निवासियों को मंगलवार को स्थानीय समयानुसार शाम 19:00 बजे चला जहां पीड़ित फंसे हुए थे। उन्होंने फोन के जरिए बताया, ''तुरंत खोज और बचाव अभियान चलाया गया है। हमारी टीम अब घटनास्थल पर जा रही है।'' उन्होंने बताया कि 37 लोगों को लेकर मछली पकड़ने वाला जहाज पश्चिमी इंडोनेशिया के जकार्ता से मध्य इंडोनेशिया के जलक्षेत्र के लिए रवाना हुआ था। श्री नूरसल ने कहा, ''सेलयार द्वीप पर 13 लोग फंसे हुए हैं, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है।' इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने द्वीपसमूह देश इंडोनेशिया में चरम मौसम की चेतावनी दी है।

चीन के रेस्तरां में विस्फोट, एक की मौत, 22 घायल

बीजिंग। चीन के हेबेई प्रांत के सान्हे शहर में बुधवार को एक रेस्तरां में हुए जबरदस्त धमाके में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है, वहीं 26 लोग घायल हुए हैं। बताया गया है कि धमाका इतना तेज था कि आसपास की कई कारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। चीनी मीडिया की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे बीजिंग से करीब 80 किमी दूर सान्हे शहर में हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विस्फोट एक गैस सिलेंडर के लीकेज के बाद हुआ। चीन के राहत-बचाव विभाग ने कहा कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए 36 वाहन और 154 बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके बाद आग को काबू में कर लिया गया। गौरतलब है कि बीजिंग में कुछ उच्चस्तरीय बैठकों के ठीक बाद ही इस धमाके की खबर आई है।

स्लोवाकिया में सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए और यूक्रेन के समर्थन में नारेबाजी करते हुए लोग।

बाइडन और ट्रंप ने जीते राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के चुनाव, दोनों फिर होंगे आमने-सामने

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने वाशिंगटन में डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में, वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर अपनी पार्टियों की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की ओर कदम बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति बाइडन (81) ने जॉर्जिया में पार्टी के प्राइमरी चुनाव में आसानी से जीत हासिल की और अब वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवार बन गए हैं। बाइडन को कुल 3,933 डेलीगेट्स(मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) में से आध से अधिक का समर्थन मिल चुका है। डेमोक्रेट उम्मीदार बनने के लिए 1,968 डेलीगेट्स की जरूरत होती है। बाइडन को अगस्त में शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप (77) को अब तक 1,215 डेलिगेट का समर्थन मिल चुका है। ट्रंप को जुलाई में मिल्वॉकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में आधिकारिक तौर पर उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडन का अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं बाइडन की ओर से एक बयान जारी करके जीत तथा उम्मीदवारी पर प्रसन्नता व्यक्त की गई और ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया गया। बाइडन ने कहा कि ट्रंप, 'आक्रोश, प्रतिशोध का अभियान चला रहे हैं जो अमेरिका के मूल विचार को खतरे में डालता है।' मंगलवार को प्राइमरी चुनाव की पूर्व संध्या पर ट्रंप ने स्वीकार किया था कि बाइडन ही उनके सामने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

5 दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, पीएम मोदी के सामने बयां कर सकते हैं दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे जनवरी में शीर्ष कार्यालय का कार्यभार संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा में गुरुवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 14 से 18 मार्च तक भूटानी नेता की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि टोबगे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। भूटानी नेता का मुंबई जाने का भी कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भूटान के प्रधान मंत्री की यात्रा दोनों पक्षों को हमारी अनूठी साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के स्थायी संबंधों का विस्तार करने के तरीकों और साधनों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

टोबगे के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा जिसमें भूटानी विदेश और विदेश व्यापार मंत्री, ऊर्जा मंत्री और उद्योग और वाणिज्य मंत्री शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित मित्रता और सहयोग के अनुकरणीय संबंध हैं। यात्रा के दौरान, भूटान के प्रधान मंत्री राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और भारत के प्रधान मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर भूटानी प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। जनवरी में, विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने तीन दिवसीय यात्रा पर भूटान की यात्रा की, जो टोबगे के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद नई दिल्ली से पहली उच्च स्तरीय यात्रा थी।

चीन और भूटान की पृष्ठभूमि में टोबगे की भारत यात्रा उनके सीमा विवाद के शीघ्र समाधान पर विचार कर रही है जिसका भारत के सुरक्षा हितों पर प्रभाव पड़ सकता है। लगभग पांच महीने पहले, भूटान के तत्कालीन विदेश मंत्री टांडी दोरजी ने बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बातचीत की थी। वार्ता पर एक चीनी रीडआउट में कहा गया कि भूटान दृढ़ता से एक-चीन सिद्धांत का पालन करता है और सीमा मुद्दे के शीघ्र समाधान के लिए चीन के साथ काम करने और राजनयिक संबंध स्थापित करने की राजनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। चीन की तरफ से अपने पड़ोसियों पर हमेशा बुरी नजर रखता है। चीन की जमीन हड़पने की नीति से ताइवान, भूटान, नेपाल सभी परेशान हैं। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे पीएम पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को भारत के पांच दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान शेरिंग पीएम मोदी के सामने अपना दर्द बयां कर सकते हैं।

संप्रभुता व स्वतंत्रता को हुआ खतरा तो रुस करेगा परमाणु हथियार का इस्तेमालद्व पुतिन

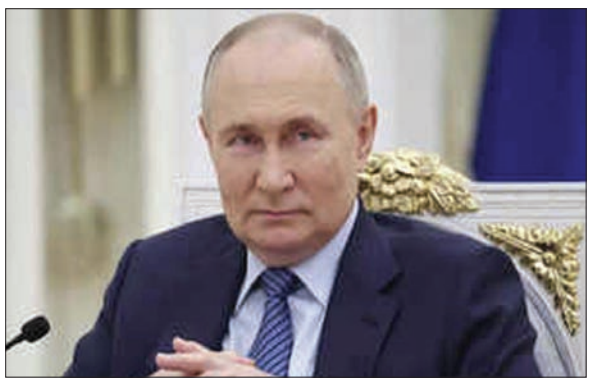

मास्को (एजेंसी)। रुस पर यदि संप्रभुता और स्वतंत्रता को लेकर किसी प्रकार का कोई खतरा उत्पन्न होता है तो परमाणु हथियार का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इस आशय का जवाब रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिया है। दरअसल यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर विचार करने का सवाल रूसी राष्ट्रपति पुतिन से किया गया था। उन्होंने अपने जवाब में कहा, कि यहां फिलहाल उसकी (परमाणु हथियारों की) जरूरत नहीं है। पुतिन ने दावा किया है कि मॉस्को यूक्रेन में अपने मकसद को पूरा करेगा। इसी के साथ उन्होंने यूक्रेन और पश्चिमी देशों को चेतावनी दी कि यदि रूस की संप्रभुता और स्वतंत्रता पर खतरा उत्पन्न होता है तो वह परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की मदद के चलते ही यूक्रेन, रूस पर हमलावर हो रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा, कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका इस तनावपूर्ण स्थिति में जबकि परमाणु युद्ध शुरू हो सकता है, को बढ़ने से रोकने की कोशिश अवश्य ही करेगा। वैसे रूस का परमाणु बल किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उन्होंने बातचीत के लिए हमेशा दरवाजे खेले रखे हैं। इस स्थिति में पश्चिमी देशों के साथ किसी भी प्रकार के समझौते के लिए पक्की गारंटी की आवश्यकता होगी।

अमेरिका को प्रवासी भारतीयों की जरूरत है : सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने कहा है कि उनके देश को भारत से अधिक योग्य पेशेवरों की जरूरत है। सांसद मैट कार्टराइट ने ग्रीन कार्ड जारी करने के वास्ते देश के लिए सात प्रतिशत कोटा खत्म करने की भी वकालत की। इसकी वजह से भारत से यहां आने वाले पेशेवरों को ग्रीन कार्ड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। कार्टराइट ने हर साल ग्रीन कार्ड जारी करने में प्रति देश सात प्रतिशत कोटा हटाने की 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा' (एफआईआईडीएस) सहित भारतीय अमेरिकी संगठनों की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि हमने इसे हर देश के लिए सात प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। इससे भारत जैसे बड़े देशों को बहुत नुकसान होता है। न केवल बड़े, बल्कि अत्यधिक कुशल भी। भारत में अत्यधिक शिक्षित लोग हैं।'' एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि यह जरूरी है कि अमेरिका की भारत के साथ करीबी और स्थायी दोस्ती हो। कार्टराइट ने कहा, ''दोनों देशों के बीच होने वाला अंतरराष्ट्रीय व्यापार महत्वपूर्ण है।

पृथ्वी के आकार से दोगुना बडा तूफान है अंतरिक्ष में

-अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने अंतरिक्ष यान जूनो द्वारा ली गई बृहस्पति पर 'ग्रेट रेड स्पॉट' की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। बृहस्पति पर ग्रेट रेड स्पॉट, एक तूफान है जो पृथ्वी के आकार से दोगुना है और 350 से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है।

नासा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'हमारे अंतरिक्ष यान जूनो ने लगभग 8,648 मील (13,917 किमी) दूर से बृहस्पति के ग्रेट रेड स्पॉट को इस रियल रंगीन चित्र में कैद किया।' उन्होंने कहा कि तूफान का आकार धीरे-धीरे घट रहा है। इसकी ऊंचाई आठ गुना और चौड़ाई एक तिहाई कम हो रही है। नासा ने यह भी बताया कि, 'वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे सौर मंडल का सबसे प्रतिष्ठित तूफान 350 से अधिक वर्षों से जारी है, हालांकि डेटा से पता चलता है कि तूफान सिकुड़ रहा है, इसकी ऊंचाई आठ गुना कम हो रही है और इसकी चौड़ाई कम से कम एक तिहाई कम हो रही है, क्योंकि इसे 1979 में हमारा वोयाजर अंतरिक्ष यान द्वारा मापा गया था। उसके बाद से इसके आकार में कमी देखी गई। नासा ने आगे लिखा कि, 'द ग्रेट रेड स्पॉट अभी भी पृथ्वी से दोगुना बड़ा है, और जूनो के हालिया रिसर्च से संकेत मिलता है कि तूफान इस ग्रह के बादलों के नीचे लगभग 200 मील (300 किमी) तक डूबा हुआ है। चूंकि बृहस्पति पर कोई ठोस जमीन नहीं है, जो इन तूफानों को कमजोर कर सके, ग्रेट रेड स्पॉट में हवाएं लगभग 400 मील प्रति घंटे (643 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से चलती हैं।' नासा द्वारा साझा की गई तस्वीर के बीच में ग्रेट रेड स्पॉट दिखाती है, जो लाल, भूरे और नारंगी रंग के सर्पिल तारों से घिरा हुआ है। चित्र का ऊपरी भाग बृहस्पति के क्षितिज को विषम बेज, भूरे और नीले रंग में दिखाता है। बता दें कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अक्सर हमारे ग्रहों, आकाशगंगाओं और उससे आगे की अंतरिक्ष की तस्वीरें शेयर करते रहता है, जिससे हमे ब्रह्मांड के बारे में कई रहस्यमयी जानकारियां मिलती है।

पाकिस्तान: चाचा पीएम बने तो भतीजों की हुई वतन वापसी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजनीति में जो भी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठता है उसे बाद में कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ता है। नवाज शरीफ के पीएम पद से हटते ही उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अब पाकिस्तान की सत्ताधारी मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीम लीडर नवाज शरीफ के बेटे हुसैन और हसन छह साल बाद देश लौट आए हैं। हुसैन और हसन की पाकिस्तान वापसी ऐसे समय में हुई है जब उनके चाचा शहबाज शरीफ ने पहली बार चुनाव जीतकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की कमान संभाली है। 2016 के पनामा पेपर्स घोटाले में नाम आने के बाद हसन नवाज और हुसैन नवाज ने 2018 में पाकिस्तान छोड़ दिया था। यह मामला शरीफ परिवार के पास लंदन में शानदार अपार्टमेंट होने से संबंधित है। एक जवाबदेही अदालत ने उन्हें 2018 में एवेनफिल्ड मामले में अपराधी घोषित किया था और उनके खिलाफ गैर-जमानती स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

गिरफ्तारी से बचने के लिए वे लंदन चले गए थे। हालांकि जवाबदेही अदालत ने पनामा पेपर्स घोटाले में उनकी गिरफ्तारी वारंट को निलंबित कर दिया है। पीएमएल-एन पार्टी ने एक बयान में कहा, ''नवाज के बेटे मंगलवार को लंदन से यहां पहुंचे और उन्हें कड़ी सुरक्षा में उनके 'जाति उमरा लाहौर' स्थित उनके घर ले जाया गया। नवाज शरीफ पीएमएल-एन के प्रमुख हैं। शरीफ परिवार के 'जाति उमरा' आवास को पहले ही मुख्यमंत्री आवास घोषित किया जा चुका है, जहां पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज और उनके पिता नवाज शरीफ की सुरक्षा और प्रोटोकॉल के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हुसैन और हसन ने अपने वकील के माध्यम से इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत में आवेदन किया और एवेनफील्ड अपार्टमेंट, अल-अजीजिया और 'फ्लैगशिप इन्वेस्टमेंट' मामलों में उनके खिलाफ जारी वारंट को निलंबित करने का अनुरोध किया जिसे स्वीकार कर लिया गया। पिछले हफ्ते अदालत ने पनामा पेपर्स घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में उनके गिरफ्तारी वारंट को 14 मार्च तक के लिए निलंबित कर दिया था।दोनों भाई ब्रिटिश नागरिक हैं। इन दोनों को 2018 में उनके पिता नवाज शरीफ, बहन मरियम नवाज और उनके पति मुहम्मद सफदर के साथ इन मामलों में फंसाया गया था।

यूक्रेन को 30 करोड़ डॉलर का नया हथियार पैकेज भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका यूक्रेन को 30 करोड़ डॉलर (23.4 करोड़ पाउंड) के सैन्य हथियार भेजेगा, जिसमें गोला-बारूद, रॉकेट और विमान भेदी मिसाइलें शामिल हैं। मीडिया रिपोर्टों में व्हाइट हाउस के हवाले से यह बात कही गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस में इस संबंध में एक विधेयक पेश कर उस पर चर्चा की गई। अमेरिका लगभग तीन महीने बाद यूक्रेन की मदद के लिए कोई शिपमेंट भेजेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यह सहायता 'यूक्रेन की युद्धक्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है'। उन्होंने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, 'यह गोला-बारूद यूक्रेन की बंदूकों को कुछ समय के लिए रुकने नहीं देगा, लेकिन काफी कम समय के लिए।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस कई महीनों से कांग्रेस से एक बजट पारित करने की अपील कर रहा है, जिसमें यूक्रेन के साथ-साथ इज़रायल और ताइवान को भी सहायता दिये जाने की बात है। 60 अरब डॉलर का सहायता बिल पहले ही सीनेट में पारित हो चुका है, लेकिन अभी तक प्रतिनिधि सभा में इसे मतदान के लिए नहीं रखा गया है। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने अब तक सीनेट विधेयक पर विचार करने से इनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी जॉनसन ने कहा है कि सदन अपने स्वयं के सहायता विधेयक पर मतदान करेगा, लेकिन केवल कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन प्रणाली में सुधार करने वाला बजट पारित करने के बाद। मंगलवार का हथियारों और उपकरणों का आपातकालीन पैकेज यूक्रेन के पहले के हथियार अनुबंधों में की गई लागत बचत से वित्त पोषित है। सहायता की घोषणा तब हुई जब राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के लिए समर्थन दिखाने के लिए व्हाइट हाउस में पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की मेजबानी की। बैठक के बाद, टस्क ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जॉनसन 'पहले से ही जानते हैं कि, उनके व्यक्तिगत निर्णय पर, लाखों लोगों का भाग्य निर्भर करता है'। पोलिश प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह कोई राजनीतिक झड़प नहीं है जो केवल अमेरिका में ही मायने रखती है।' 'जॉनसन के इस सकारात्मक निर्णय की अनुपस्थिति वास्तव में (यूक्रेन में) हजारों लोगों की जान ले लेगी। बच्चे। महिलाएं। उन्हें अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बारे में पता होना चाहिए।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को डेनमार्क ने घोषणा की कि वह यूक्रेन को लगभग 33.6 करोड़ डॉलर का गोला-बारूद भेजेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमर ज़ेलेंस्की ने पिछले महीने कहा था कि हथियारों की 'कृत्रिम कमी' के कारण देश ने हाल के महीनों में युद्ध में अपनी पकड़ खो दी है।

एफआईएच विश्व रैंकिंग: भारतीय पुरुष हॉकी टीम चौथे, महिला टीम नौवें स्थान पर खिसकी

नई दिल्ली । एफआईएच विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम एक स्थान के नुकसान के साथ ही चौथे जबकि महिला टीम 9वें स्थान पर खिसक गयी है। जर्मनी की टीम ओलंपिक क्वालीफायर्स में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के 2761 रैंकिंग अंक हैं। उसने पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी जगह बना ली है। इस कारण उसे ओलंपिक क्वालीफायर्स में भाग नहीं लेना पड़ा। वहीं जर्मनी की टीम ओमान में खेले गए ओलंपिक क्वालीफायर्स में सभी मैच जीतकर 2786 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे वह विश्व रैंकिंग में भारतीय टीम से आगे हो गयी है। वहीं नीदरलैंड 3060 अंक लेकर नंबर एक पर बनी हुई है। बेल्जियम 2848 अंक लेकर दूसरे जबकि जर्मनी, भारत और ऑस्ट्रेलिया के 2757 अंक हैं। वहीं इंग्लैंड के 2720 अंक हैं और वह 5 वे स्थान पर है। अर्जेंटीना 2524 अंक और स्पेन 2296 अंक लेकर पहले की तरह ही 7वें और 8वें स्थान पर बने हुए हैं। फ्रांस के भी 2085 अंक हैं जबकि न्यूजीलैंड के 2025 अंक हैं। वहीं महिला वर्ग में भारतीय टीम 2215 अंक के साथ 9वें स्थान पर है। महिला वर्ग में नीदरलैंड 3422 लेकर नंबर एक पर है जबकि अर्जेंटीना 2827 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर है। जर्मनी 2732 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने गाजियाबाद में क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया

गाजियाबाद ।

भविष्य में गाजियाबाद में भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच खेले जाएंगे। इसके लिए यहां एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम भी बनाया जाएगा। इस स्टेडियम का शिलान्यास भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) द्वारा विकसित की जाने वाली एक परियोजना की आधारशिला भी रखी। स्टेडियम के निर्माण में देरी का कारण क्षेत्र में हाई टेंशन बिजली के तारों और खंभों को बताया गया है। शुक्ला ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में कोई स्टेडियम नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने इस पर नाराजगी जतायी कि जमीन खरीदने और रजिस्ट्री कराने के बाद भी विभाग ने दो बिजली लाइनें लगा दी गईं थीं। यह क्षेत्र उड़ान क्षेत्र में भी पड़ता है, इसलिए भारतीय वायुसेना से भी इस योजना की मंजूरी देनी पड़ी। उन्होंने कहा कि मैं स्टेडियम के शिलान्यास पर यूपी के लोगों को बधाई देता हूं। साथ ही कहा कि इसका निर्माण शीघ्र ही पूरा हो जाएगा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने कहा कि 450 करोड़ रुपए की परियोजना लागत वाला ये स्टेडियम 32 एकड़ क्षेत्र में बनाया जा रहा है। इसमें एक समय में 55,000 लोग बैठ सकेंगे। स्टेडियम का निर्माण अगले दो साल यानी 2026 तक पूरा होने की संभावना है। जरूरत और आधुनिकता को देखते हुए पिछले 9 साल में प्रोजेक्ट के बजट में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। प्रारंभ में, परियोजना की लागत 350 करोड़ रुपए तय की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 450 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

भारत पेरिस ओलंपिक में एक से अधिक भाला फेंक पदक जीत सकता है किशोर जेना

चंडीगढ़,

उभरते भाला फेंक स्टार किशोर कुमार जेना, जो मई में दोहा में डायमंड लीग से अपने आउटडोर सीज़न की शुरुआत करेंगे, ने कहा है कि वह नीरज चोपड़ा को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते हैं। ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल अब 130 दिन से कुछ अधिक दूर हैं और जेना ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के साथ इसे देश के लिए यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जेना, जो वर्तमान में पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में प्रशिक्षण ले रहे हैं, ने कहा, भारत पेरिस में एक से अधिक भाला फेंक पदक जीत सकता है। पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स मीट में नीरज चोपड़ा के साथ आमने-सामने होने के बाद से जेना सुर्खियां बटोर रहे हैं। एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार, चोपड़ा और किशोर कुमार जेना ने हांगझोउ 2023 में भाला फेंककर इसे एक-दो कर दिया। पेरिस के लिए क्वालीफाई करने के बाद, जेना को लगता है कि भाला फेंक में पदक की संभावनाएं केवल चोपड़ा तक ही सीमित नहीं हैं। नियम के अनुसार, भाला फेंक में एक देश से तीन खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। इससे पेरिस में अधिक पदक जीतने की संभावना बढ़ जाती है। जेना ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से कहा, हम सभी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अगर हम चोट मुक्त रह सकते हैं, तो भारत टोक्यो से बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। जेना, जो ओडिशा के पुरी जिले के एक किसान परिवार से आते हैं, पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में एक एक्सपोज़र ट्रिप के लिए गए थे, जहाँ उनके साथ लंबे समय के कोच समरजीत सिंह माल्ही भी थे। उन्होंने अपनी कोर और कंधे की ताकत को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की वेट ट्रेनिंग की। यह पूछे जाने पर कि वह दोहा प्रतियोगिता में क्या लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं और अपने प्रतिद्वंद्वी नीरज चोपड़ा के बारे में क्या कहना चाहते हैं , जेना ने कहा, मैंने अब तक इसके (90 मीटर) बारे में नहीं सोचा है। मेरा लक्ष्य अपने परिणामों में सुधार करना और अपनी कमजोरियों पर काबू पाना है। मैं नीरज से सुझाव लेता रहता हूं. मैं उन्हें अपने प्रतिस्पर्धी के रूप में नहीं देखता. जब भी मुझे कोई समस्या आती है तो मैं उनकी सलाह लेता हूं क्योंकि वह उन सबसे अच्छे इंसानों में से एक हैं जिनसे मैं कभी मिला हूं। जब सही सुझाव देने की बात आती है तो वह पीछे नहीं हटते। हांग्जो एशियाई खेलों के दौरान, चोपड़ा के लिए थोड़ा डर था क्योंकि अधिकारियों ने उनके पहले अच्छे थ्रो पर विचार नहीं किया था। बाद में, जेना ने 87.54 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चोपड़ा को अपना सब कुछ देने के लिए प्रेरित किया। ओलंपिक चैंपियन अंततः अपने स्वर्ण पदक की रक्षा के लिए 88.88 मीटर के विशाल थ्रो के साथ आए।

जेना को रजत पदक मिला और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया। उस समय मुझे खुशी थी कि मैंने पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

वापसी को लेकर उत्साहित और घबराया हुआ हूं : ऋषभ

नई दिल्ली ।

आईपीएल से वापसी करने जा रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे वह पदार्पण करने जा रहे हों। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बल्लेबाज को फिट करार देते हुए कहा कि वह आईपीएल खेल सकते हैं। साथ ही कहा कि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स 23 मार्च को मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ऋषभ दिसंबर 2022 में एक कार हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उसके बाद उन्हें सर्जरी से भी गुजरना पड़ा है। सवा साल बाद मैदान पर वापसी करने जा रहे इस क्रिकेटर ने कहा, मैं उत्साहित और घबराया हुआ हूं। ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं फिर से पदार्पण करने जा रहा हूं।उन्हें चोट से उबरने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में पुनर्वास और पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ा है। इस क्रिकेटर ने कहा, मैं जो कुछ झेल चुका हूं उसके बाद फिर से क्रिकेट खेलने में सक्षम होना आसान नहीं है। मैं अपने सभी शुभचिंतकों और प्रशंसकों के साथ ही बीसीसीआई और एनसीए के कर्मचारियों का आभारी हूं। उनके प्यार और समर्थन से ही मुझे वापसी में सहायता मिली है। दिल्ली कैपिटल्स प्री-सीजन कैंप में शामिल होने पर इस क्रिकेटर ने कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स और आईपीएल में वापसी का बेसब्री से

इंतजार कर रहा हूं। ये एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका मैं बहुत आनंद लेता हूं। हमारी टीम के मालिक और सहयोगी स्टाफ पूरे समर्थन के साथ मेरे साथ रहे हैं। हर कदम पर मार्गदर्शन और सहयोग मिला, जिसके लिए मैं उनका दिल से आभारी हूं। मैं अपने डीसी परिवार के साथ फिर से जुड़ने और प्रशंसकों के सामने फिर से खेलने का इंतजार नहीं कर सकता।

अफगानिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय में आयरलैंड को हराकर सीरीज जीती

शारजाह ।

अफगानिस्तान ने यहां हुए तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आयरलैंड को 117 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही अफगानिस्तान टीम ने सीरीज भी 2-0 से जीत ली है। इस सीरीज का एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस मैच में अफगान टीम की जीत में मोहम्मद नबी की अहम भूमिका रही। नबी ने कुल पांच विकेट लिए। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड टीम ने अफगान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अफगानिस्तान की ओर से रहमानुल्लाह गुरबाज़ और इब्राहिम जादरान ने अच्छी शुरुआत की गुरबाज ने 51 रन जबकि जादरान ने 22 रन बनाये।

सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद शाहिदी ने 69 रन बनाकर पारी को संभाला। शाहिदी के बाद नबी ने 48 रन बनाये। इस प्रकार अफगान टीम ने नौ विकेट पर कुल 236 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की ओर से मार्क अडायर ने तीन विकेट जबकि बैरी मैक्कार्थी ने 2 विकेट लिए। वहीं इसके अलावा थियो वान वोर्कोम, एंडी मैकब्राइन और हैरी टेक्टर ने एक-एक विकेट लिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 237 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में आयरिश टीम सफल नहीं रही। नबी के पांच विकेट और नांग्याल खरोती के चार विकेट की सहायता से अफगानिस्तान ने आयरिश टीम को 35 ओवर में ही 119 रनों पर आउट कर दिया।

ऋषभ आने वाले समय में देश को गौरव बढ़ाएगा : धवन

सकारात्मक रवैये और कड़ी मेहनत से ही वापसी संभव हुई

नई दिल्ली ।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि आने वाले समय में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत देश का नाम रौशन करेंगे। धवन ने कहा कि भीषण कार हादसे से उबरकर जिस प्रकार से ऋषभ ने फिटनेस हासिल की है। उससे उसके सकारात्मक रवैए का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी कारण अब वह आईपीएल से मैदान पर वापसी कर रहा है। धवन ने कहा कि कार हादसे के बाद हुई सर्जरी के कारण उसे इतना दर्द था कि वह कुछ महीनों तक कुछ नहीं कर पाता था। इसके बाद भी उन मुश्किल दिनों में उसने काफी धैर्य बनाये रखा। इसके साथ ही सकारात्मकता और सहनशीलता दिखाई जिससे आज वह ठीक हो पाया है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित तौर पर उसे ताकत मिली और मुझे पूरा भरोसा है कि वह चलकर देश का नाम और रोशन करेगा। साथ ही कहा कि मैं इस युवा की वापसी से बेहद खुश हूं और उसे खेलते हुए देखना चाहता हूं।

भगवान की कृपा से वह इतनी बड़ी दुर्घटना से उबरने में सफल रहा। इसके साथ ही उसने कड़ी मेहनत की और सकारात्मक रवैया अपनाये रखा। इस युवा को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के लिए फिट घोषित कर दिया गया है, जिसमें वह दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेगा। चोटिल होने के कारण वह दिसंबर 2022 से ही मैदान से बाहर था।

साथ ही कहा कि उसके यह आईपीएल बेहद खास रहेगा क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार

पर ही बीसीसीआई आगामी टी20 विश्व कप के लिए उसे टीम में जगह देने पर फैसला कर सकता है। टी20 विश्व कप में विकेटकीपिंग के लिए केएल राहुल, ईशान किशन, संजू सैमसन भी दावेदार हैं पर इसके बाद भी ये बल्लेबाज दावेदारी में पीछे नहीं है।

टी20 विश्वकप के लिए विराट की जगह किसी युवा को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में शायद ही खेल पायें। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विश्वकप के लिए टीम सदस्यों की जो पहली सूची भेजने जा रही है उसमें विराट का नाम नहीं है। प्रत्येक विश्व कप से पहले सभी प्रत्येक क्रिकेट बोर्डों को टीम सदस्यों की एक सूची आईसीसी को देनी होती है जिसमें काफी कम बदलाव होता है। ऐसे में अगर विराट का नाम इस लिस्ट में नहीं हुआ तो उनके लिए अंतिम सूची में जगह बनाना कठिन हो जाएगा। टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें विराट की जगह किसी युवा खिलाड़ी को अवसर मिल सकता है। टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ताओं का मानना है कि कोहली टी20 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं , ऐसे में उन्हें शामिल किया जाना ठीक नहीं रहेगा हालांकि अगर कोहली आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो उनके नाम पर विचार हो सकता है। वह वैसे भी पिछले कुछ समय से खेल से दूर हैं। विराट निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर रहे हैं। ऐसे में उनकी वापसी आईपीएल में उनके प्रदर्शन के आधार पर ही रहेगी। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी विराट से बात की है। माना जा रहा है कि विराट की जगह पर बोर्ड किसी युवा खिलाड़ी को अवसर देना चाहता है।

धर्मशाला टेस्ट में बेयरस्टो की शुभमन से बहस मेरे कारण हुई: एंडरसन

मुम्बई । इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जिम्मी एंडरसन ने कहा है कि धर्मशाला टेस्ट के दौरान जॉनी बेयरस्टो की भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल से बहस हुई थी। साथ ही कहा कि इसका कारण मैं था। इसका कारण ये है कि शुभमन ने उन्हें रिटायर होने के लिए कह दिया था। इसपर बेयरस्टो नाराज हो गये थे। एंडरसन ने माना कि पहले उन्होंने बहस शुरु की थी। एंडरसन ने टेस्ट सीरीज के दौरान ही अपने 700 विकेट भी पूरे किये हैं। इंग्लैंड की टीम को इस सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। एंडरसन ने कहा कि मैंने उनसे कुछ ऐसा कहा कि क्या आप भारत के बाहर कोई रन बनाते हैं? और उन्होंने मुझसे कहा कि यह संन्यास लेने का समय है। फिर दो गेंद बाद मैंने उसे आउट कर दिया। बता दें कि टेस्ट फॉर्मेट में शुभमन की भारत में औसत 40 जबकि विदेशों में केवल 30 है। बेयरस्टो ने सबसे पहले शुभमन से पूछा था कि आपने एंडरसन से रिटायर होने के बारे में क्या कहा? इस पर शुभमन ने कहा, मैंने उनसे कहा कि उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए। इसपर बेयरस्टो ने भी शुभमन से कहा कि सीरीज में वह अधिक शतक नहीं लगा पाये।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी रैंकिंग : अश्विन एक बार फिर बने नंबर वन

दुबई । भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी की ताजा गेंदबाजी रैंकिंग में एक बार फिर नंबर एक पर पहुंच गये हैं। अश्विन पहली बार दिसंबर 2015 में नंबर वन बने थे। अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। अश्विन ने अंतिम टेस्ट में नौ विकेट लिए हैं। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में पहली पारी में चार जबकि दूसरी में पांच विकेट लिए थे। इस मैच के साथ ही सीरीज में जीत से भारतीय टीम भी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। अश्विन के शीर्ष पर पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव अंतिम मैच में सात विकेट लेने के साथ ही 15 स्थान के लाभ के साथ ही 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पांच पायदान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर जबकि शुभमन गिल 11 स्थान के लाभ के साथ ही अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 20वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दो दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। सलामी बल्लेबाज, जायसवाल ने नौ टेस्ट के बाद 740 रेटिंग अंक हासिल किये हैं। इससे पहले केवल दो बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई डॉन ब्रैडमैन 752 और माइक हसी 741 को इतने रेटिंग अंक मिले थे। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज जैक क्रॉली और जॉनी बेयरस्टो बल्लेबाजी रैंकिंग में एक-एक पायदान ऊपर आये हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर 11 पायदान आगे बढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया ने क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड पर 2-0 से श्रृंखला जीतकर डब्ल्यूटीसी तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया।

कनेरिया ने सीएए लागू होने पर खुशी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने भारत सरकार के सीएए कानून को लागू करने का समर्थन किया है। इसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता मिलने में आसानी होगी। कनेरिया ने कहा कि वह भी इससे काफी खुश हैं। कनेरिया ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद भी दिया है। भारत सरकार के इस कदम की तारीफ करते हुए इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हर किसी को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को वह धन्यवाद देते हैं। कनेरिया ने कहा, यह अच्छी बात है, इससे सभी को लाभ होगा। मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने बहुत अच्छा कदम उठाया। यह अल्पसंख्यकों और हिंदुओं के लिए बहुत अच्छा कदम है। साथ ही कहा कि एक हिंदू और सनातनी होने के नाते, अपने लोगों के लिए आवाज उठाना मेरा कर्तव्य है। साथ ही कहा कि मेरा भगवान हनुमान और भगवान राम के साथ गहरा संबंध है।

जोकोविच बीएनपी परिबास ओपन में उलटफेर का शिकार हुए , लुका नार्डी ने हराया

महिला वर्ग में गॉफ ,सबालेंका जीती

इंडियन वेल्स । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच यहां जारी बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में उलटफेर का शिकार हुए हैं। युवा खिलाड़ी लुका नार्डी ने जोकोविच को तीसरे दौर में ही तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-3 से हरा दिया। नार्डी ने ऐस के साथ जीत हासिल की। नार्डी को मुख्य ड्रॉ में विश्व के 30वें नंबर के खिलाड़ी टॉमस मार्टिन एचवेरी की जगह शामिल किया गया था। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। नार्डी अब ग्रैंडस्लैम या एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर के टूर्नामेंट में जोकोविच को हराने वाले सबसे अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले साल 2008 में विश्व के 122वें नंबर के खिलाड़ी केविन एंडरसन ने जोकोविच को हराया था। वहीं महिला एकल में कोको गॉफ ने लूसिया ब्रोनजेटी को सीधे सेट में 6-2, 7-6 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। गॉफ ने इस प्रकार 11 में से 10 ब्रेक अंक बचाये हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एरिना सबालेंका ने ब्रिटेन की ऐमा राडुकानु को 6-3, 7-5 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। वहीं पुरुष वर्ग में सातवें वरीयता प्राप्त होल्गर रूने ने लोरेंजो मुसेटी को 6-2, 7-6 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी और दूसरे दौर में चोट के कारण मिलोस राओनिक के हटने पर उन्हें तीसरे दौर में प्रवेश मिला।

साई धर्म तेज ने खुद का प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया

साई धर्म तेज ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन हाउस, अपनी शॉर्ट फिल्म और अपना नाम बदलने के बारे में बात करने के लिए हैदराबाद में एक प्रेस मीट आयोजित की। अभिनेता ने मीडिया के सामने खुलासा किया कि उन्होंने अपना नाम बदल लिया है। साथ ही उन्होंने इसके पीछे का कारण भी साझा किया है।

साई धर्म तेज ने बदला नाम

सबसे पहले, अभिनेता ने घोषणा की कि वह अपनी मां का नाम अपने मध्य नाम के रूप में ले रहे हैं और अब से वह खुद को साई दुर्गा तेज कहलाना पसंद करेंगे। अभिनेता ने यह घोषणा शिवरात्रि और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत के दौरान की। शनिवार को, अभिनेता ने एक और एलान में बताया कि वह अपनी मां के नाम पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस लॉन्च कर रहे हैं।

प्रोडक्शन हाउस किया लॉन्च

अपनी खुशी जाहिर करते हुए साउथ अभिनेता ने कहा, जब से मैंने फिल्मों में काम करना शुरू किया, मैं अपनी मां के नाम पर एक प्रोडक्शन हाउस स्थापित करना चाहता था। मेरी मां हमेशा मेरे साथ रहें, इसलिए मैं अपना नाम बदलकर साई दुर्गा तेज रख रहा हूं। उन्होंने अपने जीवन की तीन महत्वपूर्ण महिलाओं के बारे में बात करते हुए प्रेस को बताया, मेरी दादी अंजना देवी, मेरी मां और छोटी बहन माधवी मेरी खुशी का सबसे बड़ा स्रोत हैं।

रवीना टंडन की फिल्म 'पटना शुक्ला' 29 मार्च को होगी रिलीज

रवीना टंडन स्टारर फिल्म 'पटना शुक्ला' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर रिलीज होगी। फिल्म में रवीना पहली बार वकील की भूमिका में नजर आएंगी। 'पटना शुक्ला' का ट्रेलर सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। सलमान ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा- रवीना का पटना शुक्ला के रुप में स्वागत करिए। ट्रेलर में रवीना वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में उनका नाम तनवी है। वो घर में आए मेहमानों को पकौड़े तलकर खिलाती हैं, तभी मेहमानों को ये पता चलता है कि वो वकील भी हैं। लेकिन वकालत में खुद को अभी तक साबित नहीं कर पाई हैं। अब तनवी को नया केस मिला है। उनके पास एक लड़की अपना केस लेकर आती हैं और कहती है कि वो एग्जाम में फेल हो गई है और अपनी एग्जॉम कॉपी रिचेक करवाना चाहती है। वो कहती है कि वो बीएससी थर्ड ईयर की स्टूडेंट है। एग्जाम तो बहुत अच्छा हुआ लेकिन रिलर्ट फेल आया। रवीना इस लड़की का केस लेती है। इस फिल्म में वो अन्याय से दबी आवाज को न्याय दिलाने का काम करेंगी। तनवी रोल नंबर स्कैम केस लड़ती नजर आएंगी। ये कहानी एक आम महिला की है, जो अपनी आसाधरण लड़ाई बड़े ही धैर्य के साथ लड़ती है। रवीना दमदार डायलॉग बोलती हुई नजर आ रही हैं। ये डायलॉग है - दुनिया के अंधेरे में सूरज मैं अपना हूं, मैं पटना हूं। इस फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी नजर आएंगे। इस फिल्म में अनुष्का कौशिक, जतिन गोस्वामी, चंदन रॉय सान्याल और मानव विज बतौर एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म 29 मार्च को हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

वेब सीरीज थेरेपी शेरेपी में एक साथ दिखाई देंगे गुलशन देवैया और नेहा धूपिया

एक्टर गुलशन देवैया और नेहा धूपिया मेंटल हेल्थ पर आधारित वेब सीरीज थेरेपी शेरेपी में पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। एक्टर गुलशन ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हर परिवार अपने सदस्यों के लिए एक सुरक्षित स्थान बना सके तो इस दुनिया से बहुत सारी परेशानियां गायब हो जाएंगी। इससे लोग बेहद खुश रहेंगे। शो की कहानी औसत मध्यम आय वाले परिवार के बारे में है। उन्होंने आगे कहा, मैं देख रहा हूं कि लोग धीरे-धीरे परिवार के पालन-पोषण के लिए एक सुरक्षित स्थान बना रहे हैं। दुनिया एक बेहतर जगह हो सकती है और हमें इसकी शुरुआत घर से ही करनी चाहिए।

3 दिन में 50 करोड़ के पार हुई शैतान, भोला को छोड़ा पीछे

अजय देवगन और आर. माधवन की फिल्म शैतान से इन दिनों सिनेमाघरों की रौनक बढ़ गई है। दर्शक फिल्म पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और थिएटर की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हें लीक से हटकर बनाई गई इस फिल्म की कहानी आकर्षित कर रही है। फिल्म 8 मार्च को रिलीज हुई थी। इसने तीन दिन में ही भारत में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए का खास आंकड़ा छू लिया है। शैतान ने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसके बाद शनिवार को भी इसका जादू बरकरार रहा और इसने 18.75 करोड़ रुपए अपनी झोली में डाल लिए। अब तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसने रविवार (10 मार्च) को 20 करोड़ रुपए कमाए। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 53.50 करोड़ रुपए पहुंच गई है। इस मामले में अजय की ही फिल्म भोला पिछड़ गई जो पिछले साल 30 मार्च को रिलीज हुई थी। 'भोला' ने तीन दिन में 30.8 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। शैतान ने पूरी दुनिया में 60 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके डायरेक्टर विकास बहल और प्रोड्यूसर अजय देवगन हैं। माधवन 'शैतान' के नेगेटिव किरदार में दिखाई दे रहे हैं।

यामी गौतम ने फिल्मी अवार्ड्स को फेक कहा

ऑस्कर अवार्ड्स के समापन पर यामी गौतम ने फिल्मी अवार्ड्स शो को फर्जी बताया। उन्होंने फिल्म ओपनहाइमर के लिए किलियन मर्फी को बधाइयां दी। यामी ने किलियन मर्फी के काम की प्रशंसा भी की।

यामी गौतम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया यामी ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- पिछले कुछ सालों से मुझे मौजूदा नकली फिल्मीअवार्ड्स में कोई विश्वास नहीं रहा। यही वजह है कि मैंने अवॉर्ड शो अटेंड करना भी छोड़ दिया है। आज मुझे वास्तव में बहुत खुशी महसूस हो रही है क्योंकि किलियन मर्फी ने अपने काम से ये साबित कर दिया कि वे कितने बेहतर हैं। आपको इस तरह से सबसे बड़े ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर सम्मानित होते देखना यही बताता है कि आखिर में आपका टैलेंट ही सबसे ऊपर होता है। 11 मार्च को लॉस एंजिलिस के डॉल्बी थिएटर में 96वें ऑस्कर अवॉर्ड का ऐलान हुआ। सेरेमनी में ओपेनहाइमर ने बेस्ट फिल्म समेत कुल सात अवॉर्ड अपने नाम किए। किलियन मर्फी बेस्ट एक्टर, क्रिस्टोफर नोलन बेस्ट डायरेक्टर बने। इसी फिल्म के लिए रॉबर्ट डाउनी जूनियर को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड मिला। ये उनके करियर का पहला ऑस्कर है। ओपेनहाइमर ने बेस्ट फिल्म एडिटिंग, बेस्ट ओरिजिनल स्कोर और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी कैटेगरी के अवॉर्ड भी अपने नाम किए। फिल्म कुल 13 कैटेगरी में नॉमिनेट हुई थी।

लाहौर 1947 में पिता सनी संग धमाल मचाएंगे करण देओल

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म लाहौर 1947 को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले हो रहा है। वहीं, इसके निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं। इस पीरियड ड्रामा फिल्म को लेकर बीते लंबे समय से खबरें थीं कि इसमें सनी के बेटे करण देओल नजर आएंगे। अब इन खबरों पर खुद आमिर खान ने बड़ा बयान दिया है, जो सुर्खियों का हिस्सा बन गया है। आमिर खान ने पुष्टि की है कि सनी देओल के बेटे करण देओल उनकी आगामी फिल्म लाहौर 1947 में अभिनय करेंगे। हाल ही में, यह पता चला था कि करण ने फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। फिल्म में करण, जावेद का किरदार निभाते नजर आएंगे। आमिर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि करण देओल ने जावेद की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका के लिए इतनी अच्छी तरह से परीक्षण किया है।

आमिर खान ने आगे कहा, उनकी स्वभाविक मासूमियत और उनकी ईमानदारी बहुत कुछ सामने लाती है। करण ने वास्तव में खुद को साबित किया है। उन्होंने आदिशक्ति के साथ कड़ी मेहनत की, वर्कशॉप की, राज के साथ रिहर्सल की, और अपना सब कुछ दे रहे हैं। जावेद एक महान हिस्सा है, एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण हिस्सा है और मुझे यकीन है कि राज संतोषी द्वारा उन्हें निर्देशित करने के साथ, करण इसमें सफल होंगे। इस फिल्म से पहली बार सनी, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ आ रहे हैं। संतोषी ने लाहौर 1947 के कैमरामैन के रूप में संतोष सिवन को भी चुना है। वह फिल्म में एआर रहमान और जावेद अख्तर के साथ भी काम कर रहे हैं।

संग्राम सिंह ने बड़े-बड़े स्टार्स के साथ फिल्मों के ऑफर किए रिजेक्ट

भारत के मशहूर पहलवान संग्राम सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। इनकी मूवी उड़ान जिंदगी की रिलीज होने जा रही है। इसके पहले उन्होंने बिग बॉस भी किया हुआ है और नाम कमाया है। अब उन्होंने एक इंटरव्यू दिया।

बॉलिवुड में अभी तक आपकी ग्रैंड एंट्री नहीं हो पाई है?

मैंने कई सुपरस्टार्स के साथ वो फिल्में छोड़ीं, जिसमें मुझे निगेटिव भूमिकाओं का ऑफर मिला। मुझे दंगल में भी मौका मिला था, मगर मुझे उसमें पहलवानी में हारना था। मैंने विनम्रता से आमिर खान साहब से कह दिया कि मैं एक पहलवान हूं, अगर मैं इसमें हारा, तो मेरी रोजी -रोटी बंद हो जाएगी। एक और बड़े सुपरस्टार ने सामने बैठा कर मुझे एक रोल ऑफर किया और कहा, 15 मिनट का रोल है, आपकी मेरी फाइट है। टैररिस्ट का रोल है, आपको बच्चों को किडनैप करना है। मगर मैंने मना कर दिया। मैं श्याम बेनेगल के साथ फिल्म करने वाला था केडी जाधव साहब की बायोपिक। उन्होंने पहलवानी में ओलंपिक में भारत के लिए पहला पदक जीता था। फिल्म की अनाउंसमेंट हो गयी थी। पूरे तीन साल मैं वर्सोवा - मुंबई से श्याम बेनेगल साहब के घर जाता था। मैंने कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था कि मैं कोई दूसरा काम नहीं कर सकता था। मैंने फिल्म के लिए वजन कम किया, मराठी सीखनी शुरू की। मगर फिल्म नहीं बनी। उस वक्त भी मैंने यही सोचा कि इसमें भी कोई भलाई होगी। फिर महेश भट्ट साहब के साथ एक म्यूजिक अल्बम में मौका मिला। वहां भी कॉन्ट्रैक्ट था कि मैं एक साल तक कहीं और काम नहीं कर सकता। उसके बाद मुझे प्रकाश झा साहब के साथ अवसर मिला। सोशल इश्यू पर एक शो होने वाला था। वो भी नहीं हुआ। फिर उन्होंने आश्रम में मुझे रेसलिंग सुपरवाइज करने का मौका मिला। मैंने छोटी-मोटी फिल्में पैसों के लिए कीं, मगर फिर समझ आया कि नोटेबल काम करना जरूरी है। हां, टीवी ने मुझे कई मौके दिए।

आपकी आगामी फिल्म उड़ान जिंदगी के बारे में बताइए?

एफटीआईआई से एक लड़का था। उसने मुझे एक स्क्रिप्ट भेजी। उसी ने फिल्म डायरेक्ट की है। मेरे होमटाउन में वो फिल्म शूट हुई है। काफी एस्पायरिंग मूवी है। फिल्म का नाम है उड़ान जिंदगी की। ये कुश्ती पर ही है। इसमें मुझे 22 साल का दिखना था। फिल्म में वहीं के लोकल कलाकार है। फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। यह पिता-पुत्र की भावनात्मक कहानी है। इस फिल्म में मैं एस्पायरिंग रेसलर बना हूं।

अगर आपकी जीवनी पर फिल्म बने तो आप किस अभिनेता के बारे में सोचेंगे?

बॉलिवुड में तो सारे टैलेंटेड एक्टर हैं, मगर अभिनय के हिसाब से मैं देखूं, तो आइडली रणबीर कपूर इस रोल में खुद को ढाल लेगा। वो अभिनय के साथ-साथ फिजिक भी बना लेगा। एक और बेस्ट ऑप्शन विकी कौशल भी है। अगर वो अपनी बॉडी बना ले, तो वो भी सही रहेगा। वैसे मुझे रितिक रोशन भी बहुत अच्छा एक्टर लगता है। एक शो के दौरान मेरा उनसे इंटरेक्शन हुआ था।

आपकी अभिनेत्री पत्नी पायल रोहतगी काफी बिंदास और बेबाक हैं, आपको इनकी बेबाकी का खामियाजा भुगतना पड़ता है?

बिलकुल भुगतना पड़ा है। बहुत बार नुकसान उठाना पड़ा है। शुरू में मैंने उन्हें समझाया, मगर वे समझी नहीं। फिर जब उन पर एफआईआर दर्ज हुई, तो मैंने उन्हें समझाया कि पैसे किसके गए, हमारे, टाइम और एनर्जी किसकी गई? हमारी,इन्हें किसी और जगह लगाते तो अच्छा था। मगर दुनिया में कुछ ही इंसान ऐसे हैं, जैसे वो दिखते हैं, वैसे होते हैं और पायल जी उनमें से हैं। जब मैं उनसे एक शो में मिला, तो सब कहते थे, ये लड़की आपके लिए ठीक नहीं है। मगर हम 13 साल से साथ में हैं।